हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ

समाचार ही नहीं, विचार भी





शोधकर्ता और लेखक अल्बर्ट काफुई वुआकू ने अपनी पुस्तक 'हिंदू गॉड्स इन वेस्ट अफ्रीका: घानियन डिवोटीज ऑफ शिवा एंड कृष्णा' में घाना के स्थानीय हिंदू श्रद्धालुओं की धार्मिक मान्यताओं और मां लक्ष्मी के प्रति उनकी आस्था का उल्लेख किया है।

They said they needed wisdom and blessings from Saraswati. Some people too said they aspired to be as rich-often stressing "rich"-as Lakshmi. Ganesh, the elephant god, and Shiva, his father, were the more common choices of adult males.

अल्बर्ट काफुई वुआकू ने लिखा है कि धन और समृद्धि की देवी लक्ष्मी युवा श्रद्धालुओं के बीच विशेष रूप से लोकप्रिय हैं। कुछ युवाओं ने तो अपनी आकांक्षा व्यक्त करते हुए कहा कि वे 'मां लक्ष्मी जितने धनी' बनना चाहते हैं। यह उल्लेख केवल एक देवी के प्रति श्रद्धा का परिचय नहीं देता, बल्कि भारतीय धार्मिक परंपराओं और देवी-देवताओं के प्रति अफ्रीका के कुछ स्थानीय समुदायों में विकसित होते सांस्कृतिक आकर्षण की झलक भी दिखाता है। इसी शोध को आधार बनाकर हरिभूमि ने अफ्रीका के सात देशों के स्थानीय मूल के लोगों से बातचीत की और वहां दीपावली के उत्सव की जमीनी तस्वीर तलाशने की कोशिश की। **इस पड़ताल में घाना, दक्षिण अफ्रीका, युगांडा, तंजानिया, केन्या, लाइबेरिया और नाइजीरिया** से ऐसी तस्वीरें उभरकर सामने आईं, जिनमें भारत का दीपोत्सव स्थानीय संस्कृति के रंगों में घुलकर एक नया रूप लेता दिखाई देता है।

रिसर्च में दर्ज हुई अफ्रीका की मां लक्ष्मी की भक्ति हरिभूमि ने 7 देशों में तलाशी दीपोत्सव की रोशनी

घाना के हिंदू मॉनेस्ट्री ऑफ अफ्रीका से दक्षिण अफ्रीका के आश्रमों तक, अफ्रीकी मूल के पुजारी कराते हैं महालक्ष्मी पूजा

अफ्रीकी पुजारी कराते हैं महालक्ष्मी पूजन



भारत से हजारों किलोमीटर दूर अफ्रीका की धरती पर जब संस्कृत मंत्रों की गूंज के बीच हवन की अग्नि प्रज्वलित होती है, तो दृश्य किसी भारतीय मंदिर या आश्रम जैसा ही नजर आता है। फर्क बस इतना है कि यहां पूजा कराने वाले पुजारी अफ्रीकी मूल के हैं।



संस्कृत मंत्रों से गूंजते हैं आश्रम

मधुरिमा राजपाल की रिपोर्ट



उनके मुख से निकलते संस्कृत मंत्र, वैदिक विधि से संपन्न होता हवन और मां लक्ष्मी की आराधना। घाना के हिंदू मॉनेस्ट्री ऑफ अफ्रीका और दक्षिण अफ्रीका के विभिन्न आश्रमों में स्थानीय अफ्रीकी पुजारी स्वयं संस्कृत मंत्रोच्चार के साथ हवन और महालक्ष्मी पूजन कराते हैं। यहां दीपावली केवल भारतीय समुदाय का त्योहार नहीं रह गई है, बल्कि स्थानीय अफ्रीकी मूल के लोग भी इसे पूरे उत्साह और श्रद्धा के साथ मनाते हैं। घाना, दक्षिण अफ्रीका, केन्या और टोगो जैसे देशों में हिंदू धर्म और भारतीय धार्मिक परंपराओं के प्रति स्थानीय लोगों का आकर्षण दिखाई देता है। कई लोग वैदिक रीति-रिवाजों के साथ दीपोत्सव मनाते हैं और मां लक्ष्मी की आराधना करते हैं। पूजा के अवसर पर कोई साड़ी और धोती-कुर्ता जैसे भारतीय परिधानों में नजर आता है, तो कोई अपने पारंपरिक अफ्रीकी पहनावे में। लेकिन सभी के भाव एक ही सूत्र में बंधे होते हैं...मां लक्ष्मी के स्वागत, सुख-समृद्धि की कामना और दीपावली के उल्लास के सूत्र में। दक्षिण अफ्रीका के 53 वर्षीय वरिष्ठ शिक्षक थॉम्बा बताते हैं कि



डरबन और जोहान्सबर्ग जैसे शहरों में, जहां भारतीय मूल के लोगों की बड़ी आबादी है, दीपावली के आयोजन में स्थानीय अफ्रीकी समुदाय भी बढ़-चढ़कर हिस्सा लेता है। उनके लिए यह पर्व सामाजिक मेलजोल और एकजुटता का भी अवसर है। टेलीकॉम सेक्टर से जुड़ी युवतियां थंडी, जोला और बोंगीवे बताती हैं कि लक्ष्मी पूजा की शाम वे मिट्टी के दीये जलाती हैं, रंगोली बनाती हैं और मिठाइयां बांटती हैं।

दीपावली के ये दृश्य बताते हैं कि जब कोई परंपरा दूसरे समाज के जीवन में जगह बनाती है, तो वह केवल अपनाई नहीं जाती, बल्कि वहां की संस्कृति के रंगों से और समृद्ध भी होती है। अफ्रीका की धरती पर लक्ष्मी पूजा और दीपोत्सव इसी सांस्कृतिक मेल-मिलाप की एक खूबसूरत तस्वीर पेश कर रहे हैं।

तुलसी ममता राम सों, समता सब संसार। राग न रोष न दोष दुख, दास भए भव पार

तुलसी कहते हैं कि जिनकी श्री राम में ममता और सब संसार में समता है, जिनका किसी के प्रति राग, द्वेष, दोष और दुःख का भाव नहीं है, श्री राम के ऐसे भक्त भव सागर से पार हो चुके हैं।

कंपाला के आसमान में जगमगाती आतिशबाजी

युगांडा में भव्य दीपावली

कंपाला की शाम जब दीपों की रोशनी से सजती है और आसमान रंग-बिरंगी आतिशबाजी से जगमगा उठता है, तो यह नजारा केवल भारतीय समुदाय के लिए नहीं, बल्कि युगांडा के स्थानीय लोगों के लिए भी उत्सव का अवसर बन जाता है। यहां दीपावली भारतीय परंपराओं और अफ्रीकी लोक संस्कृति के मिलन का ऐसा रंगीन उत्सव बन चुकी है, जिसमें स्वाद, संगीत, नृत्य और दोस्ती के कई रंग एक साथ दिखाई देते हैं।

युगांडा की राजधानी कंपाला के प्रसिद्ध स्पेक रिसॉर्ट मुन्योन्यो में हर साल आयोजित होने वाला दीपावली फूड फेस्टिवल इस सांस्कृतिक मेल-मिलाप का बड़ा आकर्षण है। हजारों की संख्या में स्थानीय लोग इस आयोजन में पहुंचते हैं और भारतीय खानपान से लेकर सांस्कृतिक कार्यक्रमों तक, हर रंग का आनंद लेते हैं।

कंपाला में रहने वाली और वहां वोकल ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट चलाने वाली 36 वर्षीय कैटूमी बताती हैं कि स्पेक रिसॉर्ट मुन्योन्यो में आयोजित होने वाला यह फूड फेस्टिवल युगांडा में दीपावली का प्रमुख आकर्षण है। यहां समोसा, भजिया, डोसा और करी जैसे भारतीय व्यंजनों के स्टॉल सजते हैं। कुछ स्टॉलों पर स्थानीय अफ्रीकी पकवानों में भारतीय मसालों का तड़का लगाकर नया फ्यूजन स्वाद परोसा जाता है। स्थानीय लोग इन व्यंजनों का बड़े चाव से स्वाद लेते हैं। इस तरह दीपावली का उत्सव केवल भारतीय खानपान से परिचय नहीं कराता, बल्कि दो अलग-अलग पाक संस्कृतियों को एक ही थाली में मिला देता है। उत्सव का रंग केवल जायके तक सीमित नहीं रहता। आईटी प्रोफेशनल मुकासा बताते हैं कि दीपावली के अवसर पर आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रमों में युगांडा के स्थानीय कलाकार और बच्चे भारतीय गीतों तथा पारंपरिक धुनों पर नृत्य करते हैं। वे भारतीय परिधान पहनते हैं और अपने पारंपरिक अफ्रीकी लोकनृत्यों की लय को भारतीय संगीत के साथ मिलाकर एक अनूठी प्रस्तुति देते हैं। इन कार्यक्रमों में भारत और युगांडा की दोस्ती तथा सांस्कृतिक सद्भाव के रंग साफ दिखाई देते हैं। दीपावली का यह उल्लास आधिकारिक आयोजनों तक भी पहुंचता है।

युगांडा में दीपावली की यह तस्वीर बताती है कि त्योहार जब अपनी जन्मभूमि से दूर किसी दूसरे देश में पहुंचता है, तो वहां की संस्कृति से संवाद करते हुए नए रंग ग्रहण कर लेता है। कंपाला में भारतीय पकवानों का स्वाद, अफ्रीकी लोकनृत्यों की थाप और आसमान में बिखरती आतिशबाजी मिलकर एक ऐसा उत्सव रचते हैं, जिसमें सरहदें पीछे छूट जाती हैं और दोस्ती की रोशनी आगे बढ़ती है।

दार अस सलाम से जांजीबार तक

दीपावली की धूम

भारतीय भजनों और बॉलीवुड गीतों में रंगा तंजानिया

तंजानिया की धरती पर जब बॉलीवुड के गीतों की धुन गूंजती है और उन पर स्थानीय कलाकार अपने पारंपरिक अंदाज में थिरकने लगते हैं, तो भारतीय और अफ्रीकी संस्कृतियों का एक अनूठा संगम दिखाई देता है। दीपावली के अवसर पर यहां का दृश्य कुछ ऐसा ही होता है।

स्पेक रिसॉर्ट मुन्योन्यो में हर साल जुटते हैं हजारों स्थानीय लोग, भारतीय व्यंजनों का लेते हैं स्वाद











मा थे पर तिलक, पारंपरिक परिधान, हाथों में मंजीरे और होंठों पर हिंदी भजन। तंजानिया के स्थानीय लोग भारतीय त्योहारों की परंपराओं को अपने उत्सव का हिस्सा बनाते नजर आते हैं। यहां दीपावली मुख्य रूप से भारतीय मूल के समुदाय द्वारा मनाई जाती है, लेकिन इसकी रोशनी और उल्लास स्थानीय अफ्रीकी समाज को भी अपनी ओर आकर्षित करते हैं। 28 वर्षीय जिम ट्रेनर जुमा बताते हैं कि तंजानिया में स्थानीय तंजानियाई नागरिक भारतीय मूल के स्थानीय लोगों के साथ धूम धाम से दीपावली मनाते हैं। दीपावली के विशेष सांस्कृतिक आयोजनों में स्थानीय डांसर और कलाकार बॉलीवुड तथा भारतीय फ्यूजन गीतों पर नृत्य करते हैं। कई युवा हिंदी भजन और गीत भी गाते हैं। उनकी सुरीली आवाज और संगीत की लय उत्सव में एक अलग ही रंग भर देती है। दार अस सलाम और जांजीबार जैसे क्षेत्रों में स्थित हिंदू मंदिरों के आसपास दीपावली का उल्लास विशेष रूप से दिखाई देता है। कई स्थानीय अफ्रीकी मूल के लोग और बच्चे माथे पर तिलक लगाते हैं, पारंपरिक परिधान पहनते हैं और भजन-कीर्तन में शामिल होते हैं। हाथों में मंजीरे लेकर 'जय लक्ष्मी मां' का जाप करते हुए वे इस पर्व की धार्मिक और सांस्कृतिक परंपराओं से जुड़ते हैं। पर्यटन और आतिथ्य सत्कार क्षेत्र से जुड़ीं 30 वर्षीय रेहेमा बताती हैं कि दीपावली की शाम दार अस सलाम और स्टोन टाउन की टेंपल स्ट्रीट पर स्थित घरों को दीयों, मोमबत्तियों और रंग-बिरंगी लाइटों से सजाया जाता है। इन जगमगाते घरों को देखने के लिए स्थानीय लोग भी पहुंचते हैं और उत्सव का हिस्सा बनते हैं।

तंजानिया में दीपावली की यह तस्वीर बताती है कि भारतीय त्योहारों की खुशियां किस तरह स्थानीय संस्कृति के साथ घुल-मिलकर नए रंग रच रही हैं। कहीं हिंदी भजन की स्वर-लहरियां हैं, कहीं बॉलीवुड की धुनों पर थिरकते कदम और कहीं दीयों की रोशनी में जगमगाती गलियां। सात समंदर पार दीपावली अब केवल एक समुदाय का पर्व नहीं, बल्कि अलग-अलग संस्कृतियों को करीब लाने वाला उत्सव बनती दिखाई देती है।

एहि बिधि लेसै दीप तेज रासि बिग्यानमय।
जातहिं जासु समीप जरहिं मदादिक सलभ सब॥

भावार्थः ज्ञान के प्रकाश से प्रकाशित ऐसा दीप, जिसके निकट पहुंचते ही अहंकार, मद और अज्ञान जैसे विकार पतंगों की तरह जलकर समाप्त हो जाते हैं।

उसी तरह दीपावली का प्रकाश किसी देश, भूगोल या समुदाय की सीमाओं में बंधा नहीं है। भारत से हजारों किलोमीटर दूर विदेशी धरती पर भी जब लोग दीप जलाते हैं, लक्ष्मी की आराधना करते हैं, रामायण का पाठ करते हैं और भारतीय परंपराओं से जुड़ते हैं, तो यह उसी प्रकाश चेतना का विस्तार दिखाई देता है। यह केवल एक त्योहार का दूसरे महाद्वीप तक पहुंचना नहीं, बल्कि आस्था, संस्कृति और मानवीय मूल्यों के बीच बनते आत्मीय संबंधों की कहानी है। भारत में सदियों से प्रज्वलित दीपों की यह परंपरा आज अफ्रीका के अनेक देशों में भी उम्मीद, सद्भाव और सांस्कृतिक जुड़ाव का उजाला बिखेर रही है।

घाना में दीपावली पर सोलर लाइटों से रोशन होते हैं अंधेरे गांव, अकरा के उत्सवों में जुटते हैं लोग

दीपावली का अर्थ है अंधकार से उजाले की ओर बढ़ना। भारत में घर-आंगन में दीप जलाकर मनाया जाने वाला यह पर्व घाना में एक अलग ही अर्थ के साथ दिखाई देता है। यहां दीपावली के अवसर पर भारतीय समुदाय के लोग उन दूरदराज के गांवों तक रोशनी पहुंचाने की पहल करते हैं, जहां अब तक बिजली नहीं पहुंची है। सोलर स्ट्रीट लाइटों के जरिए गांवों की गलियों को रोशन करने की यह कोशिश दीपोत्सव के मूल भाव को सामाजिक सरोकार से जोड़ती है। दूसरी ओर, राजधानी अकरा में भारतीय उच्चायोग के दीपावली उत्सव और मेले में स्थानीय घाना के लोग बड़ी संख्या में पहुंचते हैं। वे भारतीय व्यंजनों का स्वाद लेते हैं, सांस्कृतिक प्रस्तुतियों का आनंद उठाते हैं और भारतीय परंपराओं को करीब से जानने का अवसर पाते हैं।

घाना और केन्या

पेट्रोलियम इंजीनियर 43 वर्षीय कोफी बताते हैं कि अकरा में भारतीय उच्चायोग द्वारा आयोजित दीपावली उत्सवों और मेले में स्थानीय लोगों की अच्छी भागीदारी रहती है। घाना के प्रसिद्ध स्थानीय डांस ग्रुप बॉलीवुड गीतों और भारतीय थीम पर अपनी पारंपरिक अफ्रीकी ऊर्जा के साथ शानदार प्रस्तुतियां देते हैं। भारतीय संगीत और अफ्रीकी नृत्य की यह जुगलबंदी उत्सव को एक अलग पहचान देती है। घाना के बड़े होटलों और क्लबों में भी दीपावली नाइट्स आयोजित होती हैं, जहां भारतीय समोसे के साथ घाना का प्रसिद्ध व्यंजन 'जोलोफ राइस' परोसा जाता है। एक ही आयोजन में दो देशों के स्वाद और संस्कृतियां घुल-मिल जाते हैं।

कोको किसान और प्रबंधक अदजोआ बताती हैं कि हाल के वर्षों में घाना के भारतीय समुदाय ने स्थानीय लोगों और समाजसेवियों के साथ मिलकर दीपावली पर एक अनूठी पहल शुरू की है। इसके तहत उन दूरदराज के गांवों में सोलर स्ट्रीट लाइटें लगवाई जाती हैं, जहां बिजली की सुविधा नहीं है। इस पहल से गांवों की गलियों में रोशनी पहुंचती है और दीपावली का संदेश जरूरतमंद लोगों तक भी पहुंचता है। यह मानो मिट्टी के दीयों से निकलकर उजाले का किसी गांव की पूरी बस्ती तक पहुंच जाना है। घाना की तरह केन्या में भी दीपावली पर मां लक्ष्मी के स्वागत की परंपरा दिखाई देती है। सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्र में काम करने वाले 32 वर्षीय जॉमो बताते हैं कि दीपावली से पहले लोग अपने घरों की अच्छी तरह साफ-सफाई करते हैं, ताकि मां लक्ष्मी का स्वागत किया जा सके। घरों को रंग-बिरंगी रंगोली, दीयों और मोमबत्तियों से सजाया जाता है। स्थानीय मंदिरों में विशेष प्रार्थनाएं, भजन और महालक्ष्मी पूजन होते हैं। मंदिरों में प्रसाद, चाय और भोजन वितरित किया जाता है। लोग नए और चमकीले पारंपरिक कपड़े पहनते हैं, एक-दूसरे को मिठाइयां और उपहार देते हैं तथा सामूहिक भोज में शामिल होते हैं। स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र से जुड़ीं किप्रोटिच बताती हैं कि केन्या में दीपावली सीमित या वैकल्पिक अवकाश की श्रेणी में आती है। इसलिए अधिकांश कार्यालय और व्यवसाय सामान्य दिनों की तरह खुले रहते हैं। इसके बावजूद भारतीय समुदाय के लोग छुट्टी लेकर या कामकाज के बाद एकत्रित होकर दीपावली मनाते हैं।

दीपावली उत्सव और मेले में घाना के कलाकारों की प्रस्तुति, केन्या में घरों की सफाई और सजावट कर मां लक्ष्मी का स्वागत करते हैं श्रद्धालु





घाना और केन्या की ये तस्वीरें दीपावली के दो अलग-अलग लेकिन खूबसूरत रूप सामने लाती हैं। कहीं भारतीय और अफ्रीकी संस्कृति संगीत, नृत्य और खानपान के जरिए करीब आती हैं, तो कहीं एक दीपोत्सव किसी अंधेरे गांव की गलियों तक रोशनी पहुंचाने का माध्यम बनता है। यही दीपावली का वह उजास है, जो सीमाओं से परे जाकर उत्सव को अपनत्व और मानवीय संवेदना से जोड़ देता है।

लागोस और अबुजा के दीपावली मेलों में नाइजीरियाई बच्चों और कलाकारों की भागीदारी; भारतीय मिठाइयों, स्नैक्स और व्यंजनों का भी लेते हैं स्वाद

भारतीय गानों में अफ्रीकी बीट्स का तड़का नाइजीरिया में दीपावली पर थिरकते हैं स्थानीय



जब बॉलीवुड के गीतों पर अफ्रीकी बीट्स का तड़का लगता है और भारतीय धुनों के साथ नाइजीरियाई संगीत की लय घुलती है, तो एक ऐसा रंगीन संगम बनता है, जिसमें दो देशों की संस्कृतियां एक-दूसरे के करीब आ जाती हैं। नाइजीरिया में दीपावली के उत्सव कुछ इसी अंदाज में मनाए जाते हैं। यहां भारतीय प्रवासी समुदाय के साथ स्थानीय नाइजीरियाई नागरिक भी इस पर्व की खुशियों में शामिल होते हैं। लागोस और अबुजा जैसे शहरों में आयोजित होने वाले दीपावली मेलों और सांस्कृतिक कार्यक्रमों में संगीत, नृत्य और भारतीय खानपान के जरिए दोनों संस्कृतियों का सुंदर मेल देखने को मिलता है।

27 वर्षीय डेटा साइंटिस्ट अबाबायोमी बताते हैं कि नाइजीरिया में भारतीय प्रवासियों की बड़ी आबादी रहती है, विशेषकर लागोस और अबुजा जैसे शहरों में। भारतीय समुदाय के साथ लंबे समय से बने सांस्कृतिक जुड़ाव के कारण स्थानीय नाइजीरियाई लोग भी दीपावली के आयोजनों में उत्साह से हिस्सा लेते हैं। लागोस में हर साल आयोजित होने वाला दीपावली मेला इसका प्रमुख उदाहरण है। इंडियन कल्चरल एसोसिएशन की ओर से आयोजित इन बड़े मेलों और पार्टियों में स्थानीय नागरिकों के साथ राजनेता और राजनयिक भी मेहमान के रूप में शामिल होते हैं।

इन आयोजनों में नाइजीरियाई बच्चे और स्थानीय कलाकार भारतीय बच्चों के साथ बॉलीवुड गीतों पर नृत्य करते हैं। खास बात यह है कि भारतीय गानों में अफ्रीकी बीट्स का ऐसा मेल किया जाता है कि संगीत की धुनें दोनों संस्कृतियों की पहचान बन जाती हैं। बॉलीवुड की लोकप्रिय धुनों पर अफ्रीकी लय का यह संगम उत्सव को एक अलग ही रंग देता है। यहां नृत्य केवल मनोरंजन नहीं, बल्कि सांस्कृतिक मेल-मिलाप की भाषा बन जाता है। दीपावली के इन आयोजनों में खानपान भी आकर्षण का केंद्र रहता है। भारतीय संस्कृति को पसंद करने वाले स्थानीय नाइजीरियाई लोग भारतीय मिठाइयों, स्नैक्स और पारंपरिक व्यंजनों का स्वाद लेते हैं। इस तरह दीपावली उनके लिए भारत की परंपराओं, स्वाद और उत्सवधर्मिता को करीब से जानने का अवसर बन जाती है।

जा पर कृपा राम की होई। ता पर कृपा करहिं सब कोई॥
जिनके कपट, दम्भ नहिं माया। तिनके हृदय बसहु रघुराया॥

जिन पर राम की कृपा होती है, उन्हें कोई सांसारिक दुःख छू तक नहीं सकता। परमात्मा जिस पर कृपा करते है उस पर तो सभी की कृपा अपने आप होने लगती है । और जिनके अंदर कपट, दम्भ (पाखंड) और माया नहीं होती, उन्हीं के हृदय में रघुपति बसते हैं अर्थात उन्हीं पर प्रभु की कृपा होती है।

नाइजीरिया



नाइजीरिया में दीपावली की यह तस्वीर बताती है कि संस्कृति का संवाद कई बार संगीत की एक धुन, नृत्य के एक कदम और मिठाई के एक स्वाद से शुरू होता है। भारतीय गीतों में घुलती अफ्रीकी बीट्स इस बात का सुंदर उदाहरण हैं कि अलग-अलग देशों की परंपराएं जब मिलती हैं, तो उत्सव के नए रंग जन्म लेते हैं।

सोइ जानइ जेहि देहु जनाई। जानत तुम्हहि तुम्हइ होइ जाई॥
तुम्हरिहि कृपाँ तुम्हहि रघुनंदन। जानहिं भगत भगत उर चंदन॥

हे प्रभु! आपको वही जान पाता है जिसे आप जाना देते हैं, और जो आपको जान लेता है, वह आपका ही स्वरूप बन जाता है, अतः हे रघुनंदन! भक्तों के हृदय को शीतल करने वाले चंदन! आपकी कृपा से ही भक्त आपको जान पाते हैं।

विदेशों में बसे भारतीय उत्साह के साथ मनाते हैं दिवाली, भाई-दूज, छठ पूजा आदि का त्योहार

विदेशों में भारतीय त्योहारों की गूंज सुनाई देती है तो लगता है मानो 'दूरी बस नक्शे पर है, दिल तो अब भी भारत में धड़कता है



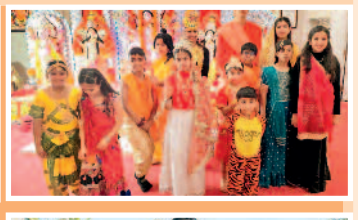





विकास चौबे ⏭ बिलासपुर

भारत अपनी विविध संस्कृति, परंपराओं और त्योहारों के लिए विश्वभर में प्रसिद्ध है। चाहे व्यक्ति कहीं भी चला जाए, भारतीयता और अपने त्योहारों की खुशबू हमेशा उसके दिल में रहती है। यही कारण है कि विदेशों में बसे भारतीय हर साल दिवाली, भाई-दूज, होली या छठ पूजा जैसे त्योहारों को उतने ही धूमधाम से मनाते हैं जितना भारत में। अमेरिका, यूके के साथ ही भारत से बाहर सबसे अधिक भारतीय मूल के लोग संयुक्त अरब अमीरात , कनाडा, ऑस्ट्रेलिया, सिंगापुर, मलेशिया, फिजी, मॉरिशस, दक्षिण अफ्रीका और त्रिनिदाद एंड टोबैगो में रहते हैं और दिवाली मनाते हैं। यहां के भारतीय बताते हैं कि यह पर्व न केवल धार्मिक महत्व रखते हैं बल्कि परिवार और समुदाय को जोड़ने का माध्यम भी बनते हैं। दिवाली विदेशों में स्थानीय संस्कृति का भी हिस्सा बनती जा रही है। भारतीय कहते हैं कि विदेशों की गलियों में जब भारतीय त्योहारों की गूंज सुनाई देती है तो लगता है मानो 'दूरी बस नक्शे पर है, दिल तो अब भी भारत में धड़कता है।

कनाडा में लक्ष्मी पूजा, प्रार्थना और सांस्कृतिक प्रस्तुतियां

बिलासपुर निवासी विकास ठाकुर कनाडा के कैलगरी शहर में रहते हैं। वे टीसीएस कंपनी में मैनेजमेंट हेड हैं। विकास बताते हैं कि त्योहारों की बात हो और भारतीय उसमें शामिल न हों, ऐसा कैसे हो सकता है। चाहे सात समंदर पार ही क्यों न हो, भारतीय हर त्योहार को पूरे दिल से मनाते हैं। टोरंटो, वैंकूवर, कैलगरी और मॉन्ट्रियल जैसे बड़े शहरों में मंदिर, सांस्कृतिक संस्थाएँ और स्थानीय समुदाय मिलकर इस पर्व को मनाते हैं। वे बताते हैं कि कनाडा के प्रमुख शहरों की सड़कों पर विशेष दिवाली मेलों का आयोजन होता है, जहाँ लोग पारंपरिक भारतीय परिधान पहनते हैं, दीये जलाते हैं, आतिशबाजी करते हैं और मिठाइयों का आनंद लेते हैं। कनाडाई संसद (पार्लियामेंट हिल) सहित विभिन्न सरकारी और सामाजिक मंचों पर भारतीय मूल के सांसदों और समुदाय के लोगों द्वारा दिवाली मिलन समारोह और पार्टियाँ आयोजित की जाती हैं।

यूके और आस्ट्रेलिया में भी दिवाली की मचती है धूम

यूनाइटेड किंगडम में तो भारतीय मूल के लोग बड़ी संख्या में रहते हैं। विशेषकर लंदन, लीसेस्टर, मैनचेस्टर और बर्मिंघम जैसे शहरों में। यहाँ दिवाली का उत्सव बड़े पैमाने पर सार्वजनिक रूप से मनाया जाता है। लीसेस्टर सिटी की दिवाली लाइटिंग दुनिया में भारत के बाहर सबसे बड़ी दिवाली सेलिब्रेशन मानी जाती है। सड़कें रंग-बिरंगी लाइटों से जगमगाती हैं, भारतीय संगीत गूंजता है, और हजारों स्थानीय ब्रिटिश नागरिक भी इस उत्सव में शामिल होते हैं। लंदन में रहने वाले बिलासपुर के जयप्रकाश बताते हैं कि यहां के ट्राफलगर स्क्वायर में आयोजित " दिवाली आन द स्केवयर " इवेंट में भारतीय नृत्य, भोजन, योग और आयुर्वेद संस्कृति को प्रदर्शित किया जाता है। आस्ट्रेलिया निवासी तान्या सिंह बताती हैं कि भारतीय मूल के लोग ब्रिटेन के बाद ऑस्ट्रेलिया का दूसरा सबसे बड़ा प्रवासी समुदाय हैं। सिडनी, मेलबर्न, ब्रिसबेन, पर्थ और कैनबरा जैसे प्रमुख शहरों में इसे व्यापक स्तर पर मनाया जाता है। विभिन्न भारतीय संगठन, सांस्कृतिक क्लब और स्थानीय परिषदें मिलकर बड़े पैमाने पर मेलों, संगीत, नृत्य और आतिशबाजी का आयोजन करती हैं।

बिनु पद चलइ सुनइ बिनु काना। कर बिनु करम करइ बिधि नाना॥
आनन रहित सकल रस भोगी। बिनु बानी बकता बड़ जोगी॥

जो (परमात्मा) बिना पैरों के चलता है, बिना कानों के सुनता है बिना हाथों के नाना प्रकार के कर्म करता है मुख के बिना ही जगत के सारे रसों का आनंद लेता है, और बिना वाणी के सबसे सर्वश्रेष्ठ वक्ता है। हे पार्वती जिनका नाम लेकर मरते हुए प्राणी भी मोक्ष प्राप्त कर लेते हैं, वह प्रभु रघुश्रेष्ठ और चराचर जगत के स्वामी श्री राम सभी के हृदय की बात जानने वाले हैं।

दीपावली समारोह में भारत-लाइबेरिया फ्यूजन संगीत की प्रस्तुति; अनाथालयों, कैदियों और जरूरतमंदों तक पहुंचाते हैं भोजन और मिठाइयां

मोनरोविया में रामायण का मंचन, गरबा की थाप पर झूमते हैं लाइबेरियाई मेहमान

अफ्रीका के देश लाइबेरिया में दीपावली का उत्सव भारतीय संस्कृति के रंगों और मानवीय संवेदना के मेल से खास बन जाता है। राजधानी मोनरोविया में भारतीय दूतावास की ओर से आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रमों में जब रामायण के प्रसंगों का मंचन होता है, गरबा की थाप गूंजती है और भारत-लाइबेरिया फ्यूजन संगीत की स्वर-लहरियां बिखरती हैं, तो स्थानीय मेहमान भी इस उत्सव के रंग में रंग जाते हैं। यहां दीपावली केवल भारतीय समुदाय तक सीमित नहीं रहती।

लाइबेरिया

लाइबेरिया के स्थानीय नागरिक, सरकारी अधिकारी और राजनयिक भारत के मित्रों के रूप में आमंत्रित किए जाते हैं। वे भारतीय संस्कृति, परंपराओं और खान-पान से रूबरू होते हैं और इस उत्सव का हिस्सा बनते हैं।

खनन और रबर उत्पादन से जुड़े 42 वर्षीय इमैनुएल बताते हैं कि मोनरोविया में भारतीय दूतावास दीपावली के अवसर पर विशेष सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित करता है। इनमें रामायण नाटक का मंचन, गरबा नृत्य और भारत-लाइबेरिया फ्यूजन संगीत की प्रस्तुतियां प्रमुख आकर्षण होती हैं। इन आयोजनों में लाइबेरिया के स्थानीय नागरिकों, सरकारी अधिकारियों और राजनयिकों को आमंत्रित किया जाता है। भारतीय परंपराओं की झलक, रंग-बिरंगे परिधान, संगीत और खान-पान के बीच स्थानीय मेहमान भी पूरे उत्साह से दीपावली की खुशियों में सहभागी बनते हैं। इस उत्सव का एक मानवीय पक्ष भी है। लाइबेरिया के प्रमुख भारतीय व्यवसायी और संगठन दीपावली के अवसर पर स्थानीय अनाथालयों, कैदियों और जरूरतमंदों को भोजन तथा मिठाइयां वितरित करते हैं। इस पहल के जरिए त्योहार की खुशियां उन लोगों तक पहुंचाने की कोशिश की जाती है, जिन्हें अक्सर ऐसे उत्सवों की रौनक से दूर रहना पड़ता है। दीपावली की मिठास इस तरह केवल घरों और आयोजनों तक नहीं, बल्कि जरूरतमंदों के जीवन तक पहुंचती है। लाइबेरिया का अपना राष्ट्रीय त्योहार थैंक्सगिविंग डे भी कई बार दीपावली के आसपास पड़ता है। ऐसे अवसरों पर दोनों समुदायों के बीच उत्सव और मेल-मिलाप का माहौल और गहरा हो जाता है। अलग-अलग परंपराओं के बावजूद खुशियां बांटने का भाव दोनों को एक सूत्र में जोड़ता है।



लाइबेरिया में दीपावली की यह तस्वीर बताती है कि त्योहारों की असली रोशनी केवल दीप जलाने में नहीं, बल्कि दूसरों के जीवन में खुशियां बांटने में भी है। मोनरोविया में रामायण, गरबा और संगीत के सुरों के साथ जब सेवा और सद्भाव का भाव जुड़ता है, तो दीपोत्सव सरहदों से परे मानवीय रिश्तों का उत्सव बन जाता है।

अब कछु नाथ न चाहिअ मोरें। दीन दयाल अनुग्रह तोरें॥
फिरती बार मोहि जो देबा। सो प्रसादु मैं सिर धरि लेबा॥

जब प्रभु श्री राम केवट को उतराई देते हैं तब केवट हाथ जोड़कर प्रभु से कहता है: हे नाथ, आज मैंने क्या नहीं पाया, आपकी कृपा से मेरे सारे दोष, दुख समाप्त हो गये। हे दीनदयाल, अब मुझे कुछ नहीं चाहिए, लौटते समय आप जो कुछ भी देंगे मैं उसे प्रसाद समझ सिर चढ़ा लूंगा।

अमेरिका में कड़ाके की ठंड और बर्फबारी के बीच भारतीय परिवार में मनाते हैं दीपावली

बर्फीली वादियों में दीपों की जगमगाहट, भारतीय संस्कृति के रंगों से रोशन हुआ मिनेसोटा

भारत में दीपावली का त्योहार रोशनी, खुशियों और उल्लास के साथ मनाया जाता है, लेकिन जब यही त्योहार **सात समंदर पार अमेरिका के मिनेसोटा** राज्य में बर्फीली ठंड के बीच मनाया जाता है, तो इसका नजारा और भी खास हो जाता है। नवंबर के महीने में जहां मिनेसोटा में तापमान तेजी से गिरने लगता है और बर्फबारी की संभावना बनी रहती है तब भारतीय समुदाय दीपों की रोशनी और पारंपरिक उत्साह से ठंड के इस माहौल को खुशियों की गर्माहट से भर देता है।

अमेरिका/मिनेसोटा

सचिन अग्रहरि ⏭ राजनांदगांव

मिनेसोटा में रह रही मुंबई की लक्ष्मी वैश्य का कहना है कि यहां भारतीय परिवारों के लिए दीपावली केवल धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि अपनी जड़ों, संस्कृति और परंपराओं से जुड़े रहने का अवसर भी है। भारत से हजारों मील दूर होने के बावजूद यहां दीपावली की तैयारियां किसी भारतीय शहर या कस्बे से कम नहीं होतीं। कई दिन पहले से घरों की साफ-सफाई, रंग-बिरंगी रोशनी, फूलों की मालाओं और पारंपरिक सजावट का सिलसिला शुरू हो जाता है। घरों में आकर्षक पूजा स्थल तैयार किए जाते हैं, जहां विधि-विधान से भगवान गणेश और माता लक्ष्मी की पूजा-अर्चना की जाती है।



साड़ी के ऊपर जैकेट, कुर्ते के साथ विंटर जैकेट

लक्ष्मी कहती हैं कि मिनेसोटा की दीपावली की सबसे दिलचस्प तस्वीर भारतीय पारंपरिक परिधानों और वहां के मौसम के मेल में दिखाई देती है। महिलाएं साड़ी और पारंपरिक परिधानों में सजती हैं, तो पुरुष कुर्ता-पायजामा पहनकर उत्सव में शामिल होते हैं। लेकिन घर से बाहर निकलते ही कड़ाके की ठंड से बचने के लिए इन परिधानों के ऊपर गर्म जैकेट पहनना भी जरूरी हो जाता है। साड़ी के ऊपर विंटर जैकेट और कुर्ता-पायजामा के साथ गर्म कपड़ों का यह मेल भारतीय परंपरा और अमेरिकी मौसम की अनूठी तस्वीर पेश करता है।

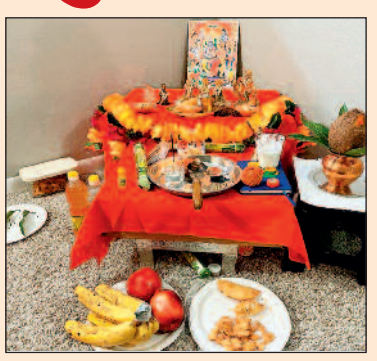



सामूहिक दीपावली पूजा

पिछले दो वर्षों में भी भारतीय परिवारों ने यहां सामूहिक रूप से भव्य दीपावली पूजा का आयोजन किया। पूजा के बाद भजन-कीर्तन और सामूहिक प्रार्थना से वातावरण भक्तिमय हो उठता है। एक ओर बाहर ठंडी हवाएं और बर्फीला मौसम रहता है, तो दूसरी ओर घरों के भीतर दीपों की रोशनी, भजनों की गूंज और परिवारों का मिलन भारतीय त्योहारों की आत्मीयता का अहसास कराता है।

आतिशबाजी से रोशन होता आसमान

लक्ष्मी वैश्य का कहना है कि दीपावली की खुशियां केवल घरों तक सीमित नहीं रहतीं। निर्धारित स्थानों पर आतिशबाजी का आनंद लेने के साथ भारतीय परिवार स्थानीय स्तर पर आयोजित आधिकारिक फायरवर्क्स शो में भी शामिल होते हैं। रात के अंधेरे में आसमान रंग-बिरंगी रोशनी से जगमगा उठता है। बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक हर कोई इस नजारे का आनंद लेता है। भारतीय दीपावली की परंपरा और अमेरिका की आयोजन संस्कृति का यह मेल उत्सव को अलग पहचान देता है।

रोशनी, रंगोली, मिठाइयों और सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ मनाया जाता है दीपावली का पर्व



ऑस्ट्रेलिया में दिवाली की धूम, सात समंदर पार भी जगमगाती भारतीय संस्कृति

भारत के कोने-कोने में दीपावली पर्व की खुशियां मनाई ही जाती है। बात यदि सात समुंदर पार 7809 किमी दूर ऑस्ट्रेलिया की करें तो वहां भी दिवाली का त्यौहार पूरे उत्साह, उमंग और पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ मनाया जाता है। रोशनी का यह पर्व न केवल भारतीय समुदाय को अपनी संस्कृति और परंपराओं से जोड़े रखता है, बल्कि ऑस्ट्रेलिया की बहुसांस्कृतिक पहचान को भी एक नई चमक प्रदान करता है। दिवाली के अवसर पर यहां रहने वाले भारतीय परिवार अपने घरों को रंग-बिरंगी झालरों, दीयों, फूलों और सुंदर रंगोलियों से सजाते हैं।

उत्कर्ष शर्मा ⏭ राजिम

पारंपरिक भारतीय परिधान पहनकर परिवार के सदस्य भगवान श्री गणेश और माता लक्ष्मी की पूजा-अर्चना कर सुख, समृद्धि और खुशहाली की कामना करते हैं। घरों में मिठाइयां और स्वादिष्ट भारतीय व्यंजन बनाए जाते हैं। मित्रों और रिश्तेदारों के साथ मिलकर खुशियां बांटने की परंपरा यहां भी उसी आत्मीयता के साथ निभाई जाती है। राजिम की योषिता शर्मा की ननंद ऋचा शर्मा 12 वर्षों से सिडनी में हैं। हरिभूमि से चर्चा करते हुए उन्होंने बताया कि यहां के ओपेरा हाउस में दीपावली का पर्व मनाते हैं। हालांकि भारत जैसे यहां दीपावली में बाजार नहीं सजता, मिटटी का दीया नहीं मिलता लेकिन जितने भी भारतीय वहां निवास करते हैं, वे



दीप जलाकर मां लक्ष्मी की धूमधाम से विधिविधान से पूजा करते हैं। ऑस्ट्रेलिया के प्रमुख शहर सिडनी, मेलबर्न, ब्रिस्बेन, पर्थ और एडिलेड में दिवाली के अवसर पर भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम और मेले का आयोजन किया जाता है। विशेष रूप से सिडनी के परारामट्टा और आसपास के क्षेत्रों में दिवाली उत्सव की अलग ही रौनक देखने को मिलती है।

नई पीढ़ी को अपनी जड़ों से जोड़ने का अवसर

विदेश में रहने वाले भारतीय परिवारों के लिए दिवाली केवल एक त्योहार नहीं, बल्कि अपनी सांस्कृतिक विरासत को अगली पीढ़ी तक पहुंचाने का महत्वपूर्ण अवसर भी है। ऑस्ट्रेलिया में जन्मे और पले-बढ़े भारतीय मूल के बच्चे दिवाली के माध्यम से भारतीय परंपराओं, धार्मिक मान्यताओं और पारिवारिक मूल्यों को समझते हैं।कई परिवार बच्चों के साथ मिलकर रंगोली बनाते हैं, घर सजाते हैं और उन्हें भगवान राम के अयोध्या लौटने तथा बुराई पर अच्छाई की विजय से जुड़ी कथाएं सुनाते हैं।



ऑस्ट्रेलिया



परंपराएं वही, बस देश बदल गया: भारत की तरह ऑस्ट्रेलिया में दिवाली पर हर जगह सार्वजनिक अवकाश नहीं होता। इसलिए कई परिवार अपने कामकाज और बच्चों की पढ़ाई के बीच समय निकालकर शाम को पूजा और पारिवारिक समारोह आयोजित करते हैं। सप्ताहांत पर सामूहिक दिवाली मिलन और सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन भी किया जाता है। भले ही भारत जैसी गलियों की चहल-पहल और हर ओर पटाखों की गूंज यहां देखने को न मिले, लेकिन दिवाली की खुशियाँ और अपनापन बिल्कुल वैसा ही महसूस होता है। दिवाली का वास्तविक संदेश अंधकार पर प्रकाश, बुराई पर अच्छाई और निराशा पर आशा की विजय है। ऑस्ट्रेलिया में मनाया जाने वाला यह पर्व इस बात का सुंदर उदाहरण है कि भौगोलिक दूरियाँ चाहे कितनी भी हों, संस्कृति, परंपराएँ और त्योहार लोगों को अपनी जड़ों से हमेशा जोड़े रखते हैं।

बिनु सत्संग विवेक न होई। राम कृपा बिनु सुलभ न सोई॥
सठ सुधरहिं सत्संगति पाई। पारस परस कुघात सुहाई॥

सत्संग के बिना विवेक नहीं होता और राम जी की कृपा के बिना वह सत्संग नहीं मिलता, सत्संगति आनंद और कल्याण की जड़ है। दुष्ट भी सत्संगति पाकर सुधर जाते हैं जैसे पारस के स्पर्श से लोहा सुंदर सोना बन जाता है।

डोंगरगांव के मटिया वार्ड में जन्मीं और सरस्वती शिशु मंदिर की छात्रा रहीं सोनम साहू की कहानी

दुबई की ज़मीं पर राम की धरा सा एहसास, सात समंदर पार भी धड़कता है भारतीय दिल



धन्यकुमार जैन ⏭ राजनांदगांव

संस्कृति, कला और परंपराओं के बिल्कुल अलग होने के बावजूद जब दिल अपनी जड़ों से जुड़ा हो, तो सात समंदर पार भी पराएपन का एहसास नहीं होता। संयुक्त अरब अमीरात के दुबई शहर में जब दीवाली की जगमगाहट बिखरती है तो ऐसा लगता है मानो राम की पवित्र धरा का उजाला सीधा अरब के मरुस्थल तक पहुंच गया हो।

डोंगरगांव के मटिया वार्ड में जन्मीं और सरस्वती शिशु मंदिर से प्राथमिक शिक्षा पूरी करने वाली सोनम साहू की कहानी कुछ ऐसी ही है। शिक्षक ढाल सिंह साहू की बेटी सोनम का विवाह 2016 में रायपुर निवासी दिलीप साहू के साथ हुआ, जो दुबई में सॉफ्टवेयर इंजीनियर के पद पर कार्यरत हैं। शादी के बाद से ही सोनम दुबई के अल नाहदा इलाके में रह रही हैं। अल नाहदा एक ऐसा इलाका है जहां विभिन्न धर्मों, संप्रदायों और देशों के नागरिक रहते हैं। सोनम बताती हैं कि भले ही भाषा और संस्कृति अलग है, लेकिन वहां रहते हुए कभी यह महसूस ही नहीं हुआ कि वह जन्मभूमि से दूर है।

बाजार में भारत सी रौनक

दुबई के सुपर मार्केट्स और मॉल में त्योहारों के दौरान ठीक वही पूजा सामग्री, दीपक, सजावटी सामान और मिठाइयां मिलती हैं जो भारत के बाजारों में उपलब्ध होती हैं। सोनम का कहना है कि दीवाली पूजा के लिए फल, फूल, आम के पत्ते से लेकर मिट्टी के दीये तक आसानी से मिल जाते हैं। वह बताती है कि भारत की तुलना में वहां चीजें थोड़ी महंगी जरूर होती हैं, लेकिन उनकी क्वालिटी और स्वच्छता पर विशेष ध्यान दिया जाता है।

बर दुबई की सामूहिक दीवाली

हाल ही में मायके आईं सोनम साहू ने दुबई की दीवाली का अनुभव साझा करते हुए बताया कि बर दुबई में दिवाली पर बड़ा सामूहिक आयोजन होता है। इस आयोजन में अलग-अलग देशों और पृष्ठभूमियों के लोग एक जगह एकत्रित होते हैं। वहां न कोई ऊँच-नीच का भेद होता है और न ही किसी प्रकार की परायेपन की भावना। माहौल इतना आत्मीय होता है कि लगता ही नहीं कि लोग विदेश में हैं और ऐसा लगता है कि अपने ही घर-आँगन में अपनों के बीच त्यौहार मना रहे हैं।

जड़ों से जुड़ने की मिसाल

मटिया की गलियों से निकलकर दुबई जैसे आधुनिक वैश्विक शहर में बसी सोनम साहू की यह कहानी साबित करती है कि इंसान चाहे दुनिया के किसी भी कोने में चला जाए, भारत के संस्कार, परंपरा और त्योहारों की मिठास हमेशा उसके साथ रहती है। दुबई का बहु सांस्कृतिक माहौल और भारतीय समुदाय की एकजुटता मिलकर सात समंदर पार भी घर जैसा एहसास कायम रखती है।



हरि अनंत हरि कथा अनंता। कहहिं सुनहिं बहुबिधि सब संता॥
रामचंद्र के चरित सुहाए। कलप कोटि लगि जाहिं न गाए॥

हरि अनंत हैं (उनका कोई पार नहीं पा सकता) और उनकी कथा भी अनंत है। सब संत लोग उसे बहुत प्रकार से कहते-सुनते हैं। रामचंद्र के सुंदर चरित्र करोड़ों कल्पों में भी गाए नहीं जा सकते।

अमेरिका के शार्लेट में छत्तीसगढ़ी संस्कृति की धूम दीपावली मिलन समारोह में झूमे प्रवासी परिवार

अमेरिका के नॉर्थ कैरोलाइना के सबसे बड़े शहर शार्लेट में रह रहे धमतरी के प्रवासी छत्तीसगढ़ियों ने अपनी माटी की खुशबू और सांस्कृतिक परंपराओं को जीवंत रखते हुए दीपावली मिलन समारोह - 2026 धूमधाम से मनाया। उत्तर अमेरिका छत्तीसगढ़ संघ (नाचा) के नॉर्थ कैरोलाइना अध्याय द्वारा आयोजित इस समारोह में छत्तीसगढ़ी गीत-संगीत, रंगारंग नृत्य और पारिवारिक आत्मीयता की मनमोहक छटा देखने को मिली। हजारों किलोमीटर दूर रहने के बावजूद प्रवासी परिवारों का अपनी भाषा और संस्कृति के प्रति प्रेम आयोजन में स्पष्ट दिखाई दिया।

गीत-संगीत और लोकनृत्य से सजी शाम, नई पीढ़ी ने भी अपनी माटी की संस्कृति से जुड़ाव का दिया संदेश

यशवंत साहू ⏭ धमतरी

समारोह की शुरुआत धमतरी निवासी आशुतोष सोनी ने अनुज शर्मा द्वारा गाए गए गीत की आकर्षक प्रस्तुति से की। इसके बाद बच्चों ने विभिन्न गीतों पर नृत्य कर दर्शकों की खूब सराहना बटोरी। लावण्या सोनी ने 'जय जोहार' गीत पर विशेष प्रस्तुति दी। बच्चों ने 'मल्हारी', 'ओ जाने जान', 'झूम ले संगवारी', 'हैप्पी दिवाली सुनो घरवाली' और 'मैं तो गया रे' जैसे गीतों पर नृत्य किया। श्रीवल्ली शर्मा, लावण्या सोनी, आर्यन यादव, आन्वी शर्मा, आन्या शर्मा, अनाइशा सिंघल, निविशा दुबे, आकाश सोनी, विष्णु शर्मा, चंद्रिका यादव, अंकुर पांडेय, शिखा शर्मा, एंजेल यादव, सुश्री कुमार, अलका सोनी एवं संगीता बिजौरा सहित 16 प्रतिभागियों ने अपनी प्रस्तुतियों से समारोह को यादगार बनाया।

गीत-संगीत और लोकनृत्य से सजी शाम, नई पीढ़ी ने भी अपनी माटी की संस्कृति से जुड़ाव का दिया संदेश



लोकप्रिय छत्तीसगढ़ी गीतों ने बांधा समां

छत्तीसगढ़ के लोकप्रिय गायक सुनील सोनी, कंचन जोशी और रैपर अंकित के गीत समारोह के प्रमुख आकर्षण रहे। 'झूम ले संगवारी' और 'मान झूम-झूम के खिल गया' जैसे गीतों पर बच्चे और अन्य प्रतिभागी उत्साह से झूमते नजर आए। कार्यक्रम की यादगार झलकियां सामाजिक माध्यमों पर भी साझा की गईं।

पदाधिकारियों और सदस्यों की रही सहभागिता

समूह तस्वीर में आशुतोष सोनी, योगेश साहू, निलेश कुमार, मंजुल बिजौरा, मनीष सिंघल, कमलेश सूर्यवंशी, गोविंद कटाकवार, गौरव चौड़ा, देवेंद्र यादव, अमित थवाइत, युवराज शर्मा, अभिनव पांडेय, आलोक शर्मा, विवेक दुबे (अध्यक्ष, नाचा-शार्लेट) तथा गणेश कर (अध्यक्ष, नाचा राष्ट्रीय संचालन मंडल) शामिल रहे। समारोह ने यह संदेश दिया कि भौगोलिक दूरियां अपनी मातृभूमि, भाषा और संस्कृति के प्रति प्रेम को कम नहीं कर सकतीं। प्रवासी छत्तीसगढ़ियों ने एकजुटता और सांस्कृतिक विरासत को सहेजने का संकल्प भी प्रदर्शित किया।

यह दिवाली खास है... बस्तर में कहीं चार दशक बाद खुशियों के पटाखे, कहीं पहली बार घरों में रोशनी

हर साल दीपावली आती है, घर सजते हैं, दीप जलते हैं और आसमान आतिशबाजी से जगमगाता है। लेकिन बस्तर के लिए इस बार की दिवाली कुछ खास है। यह उन गांवों की दिवाली है, जहां दशकों तक शाम ढलते ही सन्नाटा पसर जाता था। यह उन परिवारों की दिवाली है, जिन्होंने पहली बार अपने घरों में बिजली की रोशनी देखी है। यह उन बाजारों की दिवाली है, जहां वर्षों बाद फिर रौनक लौटी है। और यह अबूझमाड़ की उस धरती की दिवाली है, जहां कभी बारूद और गोलियों की आवाज सुनाई देती थी, वहां अब बच्चों की हंसी और पटाखों की गूंज है। नक्सलवाद के खात्मे की आधिकारिक घोषणा के बाद बस्तर पहली बार दीपावली मना रहा है। चार दशक तक हिंसा, भय और बंदिशों का सामना करने वाले इस अंचल में बदलाव की नई आहट सुनाई दे रही है। कहीं बंद पड़े हाट-बाजार फिर खुल गए हैं, कहीं इंद्रावती के जंगल पर्यटकों के स्वागत के लिए तैयार हैं और कहीं 186 गांवों के घर पहली बार बिजली से रोशन हुए हैं। इस बदलाव के बीच बस्तर का आदिवासी समाज अपनी विशिष्ट परंपरा दियारी तिहार भी पूरे उत्साह से मना रहा है। सचमुच, इस बार बस्तर में दीप केवल घरों में नहीं जले हैं, बल्कि उन उम्मीदों में भी रोशनी आई है, जिनका इंतजार यहां की पीढ़ियां करती रही हैं।

बस्तर संभाग के सातों जिले कभी नक्सलवाद से प्रभावित रहे हैं। दक्षिण बस्तर के तीनों जिलों से लेकर नारायणपुर के अबूझमाड़ तक नक्सलियों का प्रभाव था। अंदरूनी इलाकों में रहने वाले ग्रामीणों से लेकर सरकारी अमले, ठेकेदारों, व्यापारियों और पुलिस तक को खौफ के साये में काम करना पड़ता था। नक्सलियों के फरमान से कई हाट-बाजार बंद हो गए थे। सड़कों पर बारूदी सुरंगों का डर था और दिनदहाड़े हिंसक वारदातों ने सामान्य जनजीवन को प्रभावित कर रखा था।

जिन रास्तों पर था बारूदी सुरंगों का डर, वहां लौट आई बाजारों की रौनक

कोण्टा के सात हाट-बाजार फिर गुलजार, इंद्रावती टाइगर रिजर्व में भी पर्यटकों की दस्तक

सुरेश रावल ▶▶| जगदलपुर

इस वर्ष 31 मार्च को केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने देश से नक्सलवाद के खात्मे की घोषणा की। इसके बाद बस्तर के अंदरूनी इलाकों में बदलाव की तस्वीर धीरे-धीरे सामने आने लगी है। लंबे समय तक बंद रहे बाजार फिर खुलने लगे हैं। जिन रास्तों पर कभी जाने से लोग डरते थे, वहां अब व्यापारी और ग्रामीण बिना पहले जैसी दहशत के आवाजाही कर रहे हैं। नक्सलवाद के साये से बाहर निकलते बस्तर में इस बार दीपावली की रौनक बाजारों तक भी पहुंची है। सुकमा जिले का कोण्टा क्षेत्र तीन राज्यों की सीमाओं से घिरा है। भौगोलिक स्थिति का लाभ उठाकर नक्सली एक राज्य में वारदात को अंजाम देने के बाद दूसरे राज्य में चले जाते थे। इस कारण यह इलाका लंबे समय तक बेहद संवेदनशील बना रहा। नक्सली फरमान के चलते अंदरूनी क्षेत्रों के कई हाट-बाजार बंद हो गए थे। अब यहां फिर से बाजारों की हलचल लौट रही है।

कोण्टा संवाददाता रफीक खान के अनुसार, इस संवेदनशील क्षेत्र के सात बाजार दोबारा शुरू हो गए हैं। इनमें डब्बाकोण्टा, बुर्कलंका, दुब्बामरका, पोटकपल्ली, मरईगुड़ा, येलमागुण्डा और मेहता गांव के बाजार शामिल हैं। बाजार शुरू होने से स्थानीय लोगों को रोजमर्रा की जरूरतों का सामान मिलने लगा है। व्यापारी भी अब इन इलाकों में आने-जाने लगे हैं। बाजारों की यह वापसी केवल कारोबार की बहाली नहीं, बल्कि ग्रामीण जीवन में लौटती सामान्य गतिविधियों का संकेत भी है।





इंद्रावती के जंगलों में पहली बार पर्यटकों की दस्तक

बस्तर में बदलाव का एक बड़ा संकेत बीजापुर जिले के इंद्रावती टाइगर रिजर्व से भी मिला है। 2,799 वर्ग किलोमीटर में फैले इस जंगल क्षेत्र में लंबे समय तक नक्सलियों का प्रभाव रहा। उनके फरमान के कारण वन विभाग के कर्मचारियों के लिए भी अंदरूनी इलाकों में जाना मुश्किल था। जंगल की प्राकृतिक संपदा और वन्यजीवों के बावजूद यह क्षेत्र आम लोगों और पर्यटकों की पहुंच से दूर रहा। इंद्रावती क्षेत्र वर्ष 1981 में राष्ट्रीय उद्यान बना और 1983 में यहां टाइगर प्रोजेक्ट शुरू हुआ। अब पहली बार आम लोग और पर्यटक खुली जिप्सी से इस जंगल क्षेत्र का भ्रमण कर सकेंगे। हाल ही में शुभारंभ के अवसर पर अधिकारी और जनप्रतिनिधि भी जंगल के भीतर पहुंचे और इसकी प्राकृतिक खूबसूरती को करीब से देखा। इस पहल से बस्तर के वन पर्यटन को नई पहचान मिलने की उम्मीद है। नक्सलवाद के कारण जिन जंगलों में वन अमले की पहुंच तक सीमित थी, वहां अब पर्यटकों के आने की राह खुलना बस्तर में बदलते माहौल की अहम तस्वीर है। इस बार यहां दीपावली की रोशनी घरों और बाजारों के साथ-साथ पर्यटन की नई संभावनाओं को भी रोशन कर रही है।

अबूझमाड़ की यह दिवाली सबसे खास

चार दशक बाद बारूद नहीं खुशियों के धमाके

शेख महीमुद्दीन ▶▶| नारायणपुर

चार दशक तक नक्सलवाद के खौफ और बारूद की गंध के बीच जिंदगी गुजारने वाले अबूझमाड़ के गांवों में इस बार दीपावली का रंग कुछ अलग है। डोडरबेड़ा, कुंदला, आदेर, नेडनार, कच्चापाल, कोगे, जाटलुर, गुदाड़ी, गारपा, पोचावाड़ा, कुतुल, धुरबेड़ा, मुरनार, पांगुड़, पिडियाकोट, आदनार, मंडाली, कलमानार, कोडोली, पदमकोट, थुलथुली, हांदावाड़ा, रेकावाया, डूंगा, घमंडी, मुरूमवाड़ा, मेटानार, हिकुल, कोडोली उर्फ कस्तूरमेटा, गोमे, लंका और गोमागाल जैसे गांवों में इस बार खुशियों की रोशनी है।

कभी जिन गांवों में गोलियों और बम धमाकों की आवाज सुनाई देती थी, वहां अब दीपावली पर पटाखों, रॉकेट और आतिशबाजी की गूंज सुनाई दे रही है। नक्सलवाद के साये से बाहर निकलने के बाद ग्रामीणों में त्योहार को लेकर खासा उत्साह है। लंबे समय तक भय और बंदिशों के बीच रहने वाले लोगों के लिए यह मौका खुलकर खुशियां मनाने का है।जिस बारूद ने दशकों तक इस इलाके में दहशत का माहौल बनाए रखा, उसी



धरती पर अब पटाखों के धमाके खुशियों का संदेश दे रहे हैं। खूनी संघर्ष और विस्फोटों की जगह बच्चों की किलकारियां सुनाई दे रही हैं। घरों में दीप जल रहे हैं और गांवों में त्योहार की तैयारियां दिखाई दे रही हैं। अबूझमाड़ के लिए यह दीपावली महज रोशनी का त्योहार नहीं है। यह चार दशक के भय, बंदिशों और अनिश्चितताओं से निकलकर शांति और सामान्य जीवन की ओर बढ़ने का प्रतीक भी है। लंबे समय बाद ग्रामीणों को त्योहार खुलकर मनाने का अवसर मिल रहा है। इस बार अबूझमाड़ के आसमान में उठने वाले रॉकेट और आतिशबाजी की चमक केवल रात को रोशन नहीं करेगी, बल्कि उन उम्मीदों को भी उजाला देगी, जिनका इंतजार यहां की पीढ़ियां करती रही हैं।

बिनु सत्संग विवेक न होई। राम कृपा बिनु सुलभ न सोई।।
सठ सुधरहिं सत्संगति पाई।पारस परस कुघात सुहाई।।

बिना सत्संग के ज्ञान (विवेक) नहीं होता और वह सत्संग श्री रामजी की कृपा के बिना आसानी से नहीं मिलता। मूर्ख भी अच्छी संगति पाकर वैसे ही सुधर जाते हैं, जैसे पारस के स्पर्श से लोहा या कुघात सुधर जाता है।

वर्षों से अंधेरे में जी रहे ग्रामीणों के घरों तक पहुंची बिजली, टोलावाड़ा और पुलचा के 98 घर पहली बार रोशन

रोशन हुआ घर-आंगन, 186 गांवों में इस बार असली दिवाली

कभी नक्सलवाद के साये में रहे बस्तर के अंदरूनी गांवों में अब विकास की रोशनी पहुंचने लगी है। दशकों से अंधेरे में जीवन गुजार रहे टोलावाड़ा और पुलचा गांव के घरों में पहली बार बिजली पहुंची है। इस बार यहां के ग्रामीण बिजली की रोशनी में दीपावली मनाएंगे। नक्सलमुक्त वातावरण बनने के बाद शासन-प्रशासन की विकास योजनाओं का असर अब इन दुर्गम इलाकों में भी दिखाई देने लगा है।



महेन्द्र विश्वकर्मा ▶▶| जगदलपुर

बस्तर संभाग में ऐसे 186 गांवों तक बिजली पहुंचने की जानकारी दी गई है, जहां पहले बिजली की सुविधा नहीं थी। इन गांवों के लिए बिजली केवल एक सुविधा नहीं, बल्कि लंबे समय से देखा जा रहा सपना था। टोलावाड़ा और पुलचा में बिजली पहुंचने के साथ इस बार ग्रामीणों के घर-आंगन में दीपावली का उजाला कुछ अलग होगा।

बस्तर जिले के सर्वाधिक नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में शामिल टोलावाड़ा और पुलचा गांवों में अब तक बिजली की सुविधा नहीं थी। भौगोलिक दुर्गमता और नक्सली गतिविधियों के कारण इन गांवों तक बुनियादी सुविधाएं पहुंचाना चुनौती बना हुआ था। विद्युत कंपनी की प्रोजेक्ट टीम ने गुरुवार को दोनों गांवों के 98 घरों तक बिजली पहुंचाई। इसके लिए करीब आठ किलोमीटर दूर से विद्युत लाइन बिछानी पड़ी। लंबी दूरी तक लाइन विस्तार और जरूरी कार्य पूरे करने के बाद घरों को बिजली कनेक्शन से जोड़ा गया। बिजली पहुंचने से ग्रामीणों में खुशी है। अब बच्चों को पढ़ाई के लिए अंधेरे पर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा। घरेलू कामकाज और रोजमर्रा की जिंदगी भी आसान होगी। जिन घरों में अब तक रात का मतलब अंधेरा था, वहां अब बिजली के बल्ब रोशनी करेंगे। ग्रामीणों के लिए यह दीपावली सचमुच एक नए अनुभव के साथ आएगी।

बिजली से जीवन में नई उम्मीद

टोलावाड़ा और पुलचा में बिजली पहुंचने से ग्रामीणों के जीवन में नई उम्मीद जगी है। पुलचा निवासी महादेई नाग और सोनाधर ने बताया कि नक्सलवाद के कारण जिन गांवों तक विकास योजनाएं पहुंचने में बाधाएं आती थीं, वहां अब सड़क, बिजली और अन्य बुनियादी सुविधाओं का विस्तार संभव हो रहा है। आठ किलोमीटर लंबी विद्युत लाइन के जरिए 98 घरों में पहुंची रोशनी ने ग्रामीणों के जीवन में बदलाव की उम्मीद जगाई है।



हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी



सीता संग श्रीरामनगरी पहुंचे श्रीराम, उपराष्ट्रपति और योगी ने किया अभिषेक





अयोध्या में दीपोत्सव : 30 लाख दीपों का बना नया रिकॉर्ड, हुआ श्रीराम का राज्याभिषेक

एजेंसी ▶▶| अयोध्या

रामनगरी शनिवार को एक बार फिर इतिहास की साक्षी बनी। अवसर था दीपोत्सव का, जब भक्ति, आस्था, संस्कृति और उल्लास के अद्भुत संगम ने पूरी अयोध्या को उत्सव के रंग में रंग दिया। सुबह साकेत महाविद्यालय से निकली श्रीराम राज्याभिषेक शोभायात्रा से शुरू हुआ उत्सव देर शाम तक 30 लाख दीपों की रोशनी, सरयू की महाआरती, ड्रोन शो और ▶▶|शेष पेज 2 पर



2100 ड्रोन से विशेष शो और महाआरती

2100 ड्रोन से विशेष शो किया गया। सरयू तट पर 2147 अर्चकों ने सरयू की महाआरती की। इसके पहले अयोध्या में करीब 3 घंटे तक शोभा यात्रा निकाली गई। इसमें 21 झांकियां शामिल रहीं। इनमें रामायण के सात कांडों को दर्शाया गया था।

पीएम मोदी बोले- जवानों के बीच मनाऊंगा त्योहार

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को देशवासियों को दिवाली की शुभकामनाएं दीं और कहा कि



पिछले वर्षों की तरह इस बार भी वह देश के बहादुर जवानों के साथ यह त्योहार मनाएंगे। सोशल मीडिया हैंडल पर साझा किए गए एक वीडियो संदेश में मोदी ने कहा कि वह यह त्योहार पूरे उत्साह के साथ मनाएंगे।

सीएम साय पहुंचे 'कृष्णायन'

हरिभूमि-आईएनएच के प्रधान संपादक डॉ. हिमांशु द्विवेदी के परिवार से आत्मीय मुलाकात





रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय अपने पुत्र एवं पुत्री के साथ हरिभूमि-आईएनएच के प्रधान संपादक डॉ. हिमांशु द्विवेदी के निवास 'कृष्णायन' पहुंचे। इस आत्मीय मुलाकात के दौरान उन्होंने डॉ. द्विवेदी के परिवार के सभी सदस्यों को दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएं दीं और सुख, समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की। मुख्यमंत्री का अपने परिवार के साथ इस तरह स्नेहिल अवसर पर पहुंचना पारिवारिक आत्मीयता का सुंदर उदाहरण बना। उनकी सहजता, सरलता और अपनत्व भरे व्यवहार ने मुलाकात को और भी यादगार बना दिया। औपचारिकताओं से परे इस भेंट में आत्मीय रिश्तों की गर्माहट और दीपावली की खुशियों का विशेष रंग देखने को मिला।

अक्षर दीप...

बिलासपुर में इस साल 13 हजार से अधिक बुजुर्गों ने सीखा पढ़ना-लिखना, किसी ने पोती से सीखे ककहरे तो किसी ने जीवनसाथी के साथ दिया साक्षरता का इम्तिहान

'जीवन की सांझ' में ज्ञान का आया उजाला, 85 की उम्र में थामी कलम

दीपावली पर घर-आंगन में दीप जलते हैं तो अंधेरा दूर होता है। लेकिन कुछ दीप ऐसे भी होते हैं, जिनकी रोशनी जीवन भर साथ चलती है। बिलासपुर जिले में बुजुर्गों ने अपने जीवन में ऐसे ही दीप जलाए हैं-अक्षर ज्ञान के दीप। किसी ने 80–85 साल की उम्र में पहली बार कलम थामी, किसी ने पोती से ककहरा सीखा तो किसी ने जीवनसाथी के साथ पढ़ना-लिखना शुरू किया। इस साल जिले में 13 हजार से अधिक बुजुर्गों ने साक्षरता की नई रोशनी से अपना जीवन रोशन किया है। इनकी कहानियां बताती हैं कि सीखने की कोई उम्र नहीं होती और नई शुरुआत के लिए कभी देर नहीं होती।

विकास चौबे ▶▶| बिलासपुर

पिछले महीने आयोजित साक्षरता परीक्षा में भी कई भावुक कर देने वाली तस्वीरें सामने आईं। कहीं पोता अपनी दादी को परीक्षा दिलाने पहुंचा तो कहीं पोती अपने दादा का हौसला बढ़ाने साथ आई। जिन हाथों ने पूरी उम्र खेती-किसानी, मजदूरी और घर-परिवार की जिम्मेदारियां संभालीं, उन्हीं हाथों ने इस उम्र में किताब, कॉपी और कलम थामी।

बचपन में स्कूल जाने का मौका नहीं मिला, रोजी-रोटी की चिंता में पढ़ाई छूट गई या पारिवारिक जिम्मेदारियों के चलते अक्षरों से रिश्ता नहीं जुड़ पाया। लेकिन मन में सीखने की इच्छा बनी रही। ▶▶|शेष पेज 2 पर

अलग खबर





पति-पत्नि एक साथ बने साक्षर

बिल्हा ब्लॉक के केकड़ार गांव के 74 वर्षीय सूखतराम मजदूरी करते हैं, जबकि उनकी 68 वर्षीय पत्नी रमकली घर संभालती हैं। दोनों अब तक पढ़ना-लिखना नहीं जानते थे। गांव के कुछ लोगों को साक्षरता अभियान से जुड़कर पढ़ते देखा तो उनके मन में भी ▶▶|शेष पेज 2 पर

पता नहीं पढ़ पाए तो 78 की उम्र में खुद बने साक्षर, गांव में खुलवाया पहला स्कूल

प्रतीक मिश्रा ▶▶| रायगढ़

एक कागज पर लिखा पता पढ़ न पाने की कसक ने 78 वर्षीय ठंडूराम राठिया की जिंदगी की दिशा बदल दी। जिस निरक्षरता ने कभी उन्हें दूसरे के सामने निरुत्तर कर दिया था, उसी पीड़ा को उन्होंने अपने परिवार और गांव की ताकत बनाने का संकल्प लिया। खुद की पढ़ाई भले ही पहली कक्षा से आगे नहीं बढ़ सकी, लेकिन गांव में स्कूल खुलवाने के लिए वे कलेक्टर तक पैदल पहुंच गए। वर्ष 1959 में जब देवगांव में पहला स्कूल खुला, तो भवन की नींव की पहली ईंट भी ठंडूराम ने ही रखी। आज उनके बच्चे शासकीय सेवा में हैं और नातिन अंतरराष्ट्रीय दौड़ ▶▶|शेष पेज 2 पर



नातिन ने अंतरराष्ट्रीय मंच पर बढ़ाया परिवार का मान

ठंडूराम के शिक्षा के प्रति समर्पण का असर आज उनकी अगली पीढ़ी में भी दिखाई देता है। उनकी नातिन रागिनी राठिया ने पढ़ाई के साथ खेल में भी अपनी प्रतिभा साबित की है। आत्मानंद स्कूल में अध्ययन के दौरान वर्ष 2024-25 में रागिनी ने 800 मीटर ▶▶|शेष पेज 2 पर

दीपोत्सव की शुभकामनाएं

दीपोत्सव के पावन पर्व पर सुधि पाठकों, विज्ञापनदाताओं, एजेंसियों और हॉकर बंधुओं समेत सभी शुभचिंतकों को हार्दिक शुभकामनाएं।

अवकाश

इस अवसर पर 8 और 9 नवंबर को हरिभूमि कार्यालय में अवकाश रहेगा। 11 नवंबर बुधवार को आपका यह प्रिय अखबार आपके हाथों में होगा।

-प्रधान संपादक

रेल मंत्री ने कामकाज की समीक्षा की

नई दिल्ली। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने सोमवार को यहां रेल भवन स्थित नियंत्रण कक्ष की तैयारियों और परिचालन व्यवस्थाओं की समीक्षा की। मंत्री ने त्योहारों के मौजूदा मौसम के दौरान भीड़ नियंत्रण के उपायों और यात्रियों को उपलब्ध सुविधाओं का जायजा लेने के लिए पूर्वी दिल्ली स्थित आनंद विहार रेलवे स्टेशन का दौरा किया।

2 महिला समेत छह गिरफ्तार

बच्चे की गर्दन पर चाकू रख डेढ़ लाख रुपए की डकैती

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सलका/अधिना

बच्चे की गर्दन पर चाकू रखकर डकैती का सनसनी खेज मामला सामने आया है। नकाबपोश डकैतों ने घर में घुसकर इस वारदात को अंजाम दिया। घटना क्षेत्र के अधिना सलका क्षेत्र की है। मामले में पुलिस ने दो महिलाओं समेत छह आरोपियों को गिरफ्तार किया है। बड़ी बात यह है कि डकैतों की सरगना एक महिला है जिसने इस पूरे डकैती की योजना बनाई। पुलिस ने लूटा हुआ नगद समेत साढ़े चार लाख का सामान बरामद किया है।

महिला ने बनाई थी योजना

पुलिस के अनुसार डकैती की वारदात को महिला शारदा चौहान ने अंजाम दिया था। आरोपी शारदा का भाई और प्रार्थी राधेश्याम सिंह के बीच जान पहचान थी। राधे श्याम सिंह शिक्षक है जबकि उनकी पत्नी फारेस्ट गार्ड है। आरोपी के भाई ने उन्हें बताया था कि राधे श्याम सिंह के घर में नगद रूपए रखे होते है।

मोती ज्वेलर्स की घटना सीसीटीवी में कैद

ज्वेलर्स से पलक झपकते ही 1.74 करोड़ के जेवरात पार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जगदलपुर

शहर के कोतवाली क्षेत्र पैलेस रोड स्थित मोती ज्वेलर्स में शनिवार शाम को उठाइगिरी की घटना घटी। महिलाओं के गैंग ने पलक झपकते ही लगभग पौने दो करोड़ कीमत के 1 किलो 200 ग्राम सोना पार कर दिया। घटना सीसीटीवी में कैद हो गई, जिसमें तीन महिलाएं व कुछ बच्चियां नजर आ रही है। इनमें एक महिला काउंटर के अंदर की ओर से जेवरात के बैग को निकालकर एक बच्ची को पकड़ायी, उसके बाद बच्ची उसे एक अन्य थैले में डालकर बाहर निकलते नजर ▶▶|शेष पेज 2 पर



सीसीटीवी फुटेज से आरोपियों की तलाश

सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी गई है। फुटेज के आधार पर महिलाओं और उनके साथ मौजूद बच्चों की पहचान करने में जुटी है। फिलहाल यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि आरोपी महिलाएं कहां की रहने वाली हैं। इस संबंध में सिटी कोतवाली थाना प्रभारी लीलाधर राठौर ने बताया कि मोती ज्वेलर्स में चोरी की सूचना मिली है। मामले की जांच की जा रही है। जांच के बाद ही पूरे मामले की स्थिति साफ हो सकेगी।



अमेरिका के सिएटल में छत्तीसगढ़ियों के साथ मनाती हैं हर साल दीपावली

सात समंदर पार भी नहीं भूली अपनी माटी की खुशबू

गोरेलाल सिन्हा ▶▶| गरियाबंद

दीपावली सिर्फ दीप जलाने और खुशियां मनाने का त्योहार नहीं बल्कि अपनी संस्कृति परंपराओं और अपनों से जुड़ने का भी पर्व है। इसकी रोशनी सरहदों की मोहताज नहीं होती। भारत से हजारों मील दूर अमेरिका में भी भारतीय मूल के लोग दीपावली उसी उत्साह और उल्लास के साथ मनाते हैं, जैसे अपने देश की मिट्टी में रहकर मनाते हैं। इसकी एक खूबसूरत मिसाल गरियाबंद जिले के कोपरा गांव की बेटी उपासना पांडेय हैं, जो अमेरिका के सिएटल शहर में रहते हुए भी अपनी छत्तीसगढ़ी संस्कृति और परंपराओं को सहेजकर रखे हुए हैं। कोपरा की गलियों में बचपन बिताने वाली उपासना आज अपने पति आशीष पांडेय के साथ अमेरिका में रहती हैं। वर्ष 2017 में पति के साथ अमेरिका पहुंचीं उपासना ने ▶▶|शेष पेज 2 पर

- घर से दूर रहकर भी छत्तीसगढ़ी पकवानों और परंपराओं में तलाशती हैं अपनेपन का अहसास



खास खबर

नाचा संगठन बना परदेस में अपनों का परिवार

अमेरिका में रहने वाले छत्तीसगढ़ियों को एक सूत्र में जोड़ने का काम नॉर्थ अमेरिकन छत्तीसगढ़ एसोसिएशन (नाचा) कर रहा है। इस संगठन से अमेरिका के अलग-अलग राज्यों में बसे छत्तीसगढ़ी परिवार जुड़े हुए हैं। उपासना भी इस संगठन के माध्यम से छत्तीसगढ़ी परिवारों के साथ मिलकर विभिन्न सांस्कृतिक आयोजनों और दीपावली उत्सव में भाग लेती हैं। वे बताती हैं कि हर वर्ष नाचा के साथ मिलकर दीपावली मनाने की परंपरा उनके लिए बेहद खास है। सभी ▶▶|शेष पेज 2 पर

अमेरिका में भी छत्तीसगढ़ का अहसास

उपासना पांडेय कहती हैं कि अमेरिका में रहकर भी छत्तीसगढ़ के लोगों के साथ दीपावली मनाने से हमेशा ऐसा महसूस हुआ, मानो वे अपने घर और आसपास के लोगों के बीच ही हों। यही इस आयोजन की सबसे बड़ी खूबी है। दरअसल उपासना पांडेय की यह कहानी सिर्फ विदेश में दीपावली मनाने की कहानी नहीं है बल्कि अपनी जन्मभूमि, संस्कार और सांस्कृतिक विरासत से जुड़े रहने की मिसाल भी है। कोपरा से अमेरिका के सिएटल तक का सफर तय करने के बाद भी उनके दिल में अपनी ▶▶|शेष पेज 2 पर

आडवाणी : एक शताब्दी की ओर बढ़ती प्रेरणादायी यात्रा



व्यक्तित्व

नरेंद्र मोदी

प्रधानमंत्री

आज लालकृष्ण आडवाणी जी अपने जीवन के सौवें वर्ष में प्रवेश कर रहे हैं। ये सुखद संयोग है कि आज ही दीपावली का पावन पर्व भी है। प्रभु श्रीराम और दीपों के इस उत्सव के साथ आडवाणी जी के जीवन का इतना महत्वपूर्ण पड़ाव जुड़ना, इस अवसर को और भी यादगार बनाता है। इस संयोग को एक और बात विशेष बनाती है। इसी वर्ष हम जनसंघ की स्थापना के 75 वर्ष, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के 100 वर्ष और डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की 125वीं जयंती भी मना रहे हैं। मैं स्वयं को सौभाग्यशाली मानता हूं कि मुझे हमेशा आडवाणी का स्नेह, सान्निध्य और मार्गदर्शन मिलता रहा है। आज उनके साथ बिताए हुए अनगिनत पल, उनसे जुड़ी कितनी ही स्मृतियां मन में उमड़ रही हैं। मैं ईश्वर से उनके उत्तम स्वास्थ्य की प्रार्थना करता हूं।

आज 8 नवंबर को लालकृष्ण आडवाणी जी अपने जीवन के सौवें वर्ष में प्रवेश कर रहे हैं। ये कितना सुखद संयोग है कि आज ही दीपावली का पावन पर्व भी है। प्रभु श्रीराम और दीपों के इस उत्सव के साथ आडवाणी जी के जीवन का इतना महत्वपूर्ण पड़ाव जुड़ना, इस अवसर को और भी यादगार बनाता है। इस संयोग को एक और बात विशेष बनाती है। इसी वर्ष हम जनसंघ की स्थापना के 75 वर्ष, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के 100 वर्ष और डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की 125वीं जयंती भी मना रहे हैं।

आज का ये अवसर मेरे लिए व्यक्तिगत रूप से बहुत भावुक कर देने वाला है। मैं स्वयं को सौभाग्यशाली मानता हूं कि मुझे हमेशा आडवाणी का स्नेह, सान्निध्य और मार्गदर्शन मिलता रहा है। आज उनके साथ बिताए हुए अनगिनत पल, उनसे जुड़ी कितनी ही स्मृतियां मन में उमड़ रही हैं। सार्वजनिक जीवन में काम करते हुए कई दशक पहले मुझे उनके संपर्क में आने का अवसर मिला था। धीरे-धीरे हमारा ये संबंध इतना आत्मीय हो गया कि वे मेरे लिए अभिभावक की तरह बन गए। उन्होंने मेरा हाथ थामकर मुझे राजनीति की बारीकियां सिखाईं, कदम-कदम पर मेरा मार्गदर्शन किया। जीवन में जब भी कोई कठिन परिस्थिति आई, उनका अनुभव और उनकी सीख मेरे लिए संबल बने। उनकी वैचारिक स्पष्टता, उनका आत्मविश्वास और अपने सिद्धांतों के प्रति उनकी अटूट निष्ठा ने मुझे हमेशा प्रेरित किया। आज भी जब मैं उनसे मिलने जाता हूं, तो उनके साथ बिताया हुआ समय मुझे नई ऊर्जा और नई प्रेरणा से भर देता है। आज इस अवसर पर आडवाणी जी के लिए मन में एक ही भाव उमड़ रहा है..."जीवेत शरदः शतं, पश्येम शरदः शतं, शृणुयाम शरदः शतं।" ऐसे व्यक्तित्व बहुत कम हैं, जिनके जीवन में आधुनिक भारत के इतिहास के इतने सारे अध्याय समाए हों। आडवाणी का जन्म 8 नवंबर, 1927 को देव दीपावली के दिन हुआ था। 1947 में उन्हें विभाजन की पीड़ा सहनी पड़ी। सिंध में अपना घर, अपना परिवेश, अपनी जानी-पहचानी दुनिया छोड़कर उन्हें आना पड़ा। सब कुछ पीछे छूट गया और जीवन की नई शुरुआत शून्य से करनी पड़ी।





जनसंघ को मजबूत बनाया

इस कठिन अनुभव को लेकर उनके मन में कभी कोई कड़वाहट या पछतावा नहीं रहा। कितनी भी कठिन परिस्थितियां क्यों न हों, नए सिरे से कुछ खड़ा करने का उनका ये संकल्प जीवनभर उनके साथ रहा। जनसंघ को मजबूत बनाने और बाद में भारतीय जनता पार्टी के निर्माण में भी उनका यही गुण सामने आया। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष के रूप में उनके कार्यकाल में देश की राजनीति ने बड़े बदलाव देखे। 1989 में कांग्रेस की सीटें 400 से घटकर 200 से भी नीचे आ गईं। 1996 में भाजपा पहली बार देश की सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी। आडवाणी ने कार्यकर्ताओं की अनेक पीढ़ियों को तैयार किया। उन्होंने राष्ट्र प्रथम के सिद्धांत पर पार्टी की मजबूत नींव रखी। यहां मैं उनके व्यक्तित्व की दो ऐसी विशेषताओं का उल्लेख करना चाहूंगा, जो एक नेता के रूप में उन्हें अलग पहचान देती हैं। पहली है, उनकी वैचारिक स्पष्टता और बौद्धिक प्रखरता। उनके भाषणों और लेखन में इसकी झलक साफ दिखाई देती थी। जनसंघ और भाजपा के लिए उन्होंने जो प्रस्ताव लिखे, वे आज भी पढ़ने और समझने योग्य हैं। उनके इंटरव्यू में भी विचारों की गहराई के साथ शब्दों की स्पष्टता और सटीकता दिखाई देती थी। दूसरी विशेषता थी, भारतीय राजनीति में लंबे समय तक हावी रही छद्म धर्मनिरपेक्षता को लेकर उनका स्पष्ट और निर्भीक रुख। उन्होंने देश के राजनीतिक विमर्श में इस प्रवृत्ति की वास्तविकता को उजागर किया। आडवाणी जी को जो भी जिम्मेदारी मिली, उन्होंने उसे पूरी निष्ठा और लगन से निभाया। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रचारक के रूप में उन्होंने सबसे पहले राजस्थान के अलग-अलग क्षेत्रों में काम किया। इसके बाद वे दिल्ली आए, जहां उन्हें अटल जी के साथ मिलकर काम करने का अवसर मिला। दोनों ने दशकों तक कंधे से कंधा मिलाकर काम किया। आडवाणी जी के लिए अटल जी हमेशा उनके नेता और मार्गदर्शक रहे। राजनीति के इतिहास में ऐसे उदाहरण बहुत कम मिलते हैं, जब दो बड़े कद के नेता इतने लंबे समय तक एक-दूसरे के साथ खड़े रहे हों। अक्सर समय के साथ राजनीतिक परिस्थितियां बदलती हैं, महत्वाकांक्षाएं टकराती हैं। साथ चलने वाले नेता भी अलग-अलग रास्तों पर निकल जाते हैं, लेकिन अटल जी और आडवाणी जी का साथ अपने आप में एक अनूठी मिसाल है।

अयोध्या में राम मंदिर के निर्माण की शपथ

आडवाणी जी ने इस रथयात्रा में जिस जीवटता और संकल्प शक्ति का परिचय दिया, वो अपने आप में प्रेरणादायी है। इस यात्रा से जुड़ा एक प्रसंग आज भी मेरी स्मृतियों में ताजा है। बिहार में आडवाणी जी की गिरफ्तारी हम सभी के लिए बहुत दुखद क्षण था। उस समय गुजरात में भाजपा ने चिमनभाई पटेल की सरकार से अपना समर्थन वापस ले लिया। इसके पीछे संदेश बिल्कुल स्पष्ट था...अपनी विचारधारा और राम मंदिर के निर्माण के संकल्प पर कोई समझौता नहीं होगा। हमारे अनेक वरिष्ठ नेताओं और कार्यकर्ताओं ने शपथ ली कि चाहे कितनी भी बाधाएं आएं, अयोध्या में राम मंदिर का निर्माण होकर ही रहेगा। और फिर वर्षों बाद वो ऐतिहासिक अवसर भी आया, जब जनता-जनार्दन के आशीर्वाद से अयोध्या में प्रभु श्रीराम का भव्य मंदिर का सपना साकार हुआ। आडवाणी जी के व्यक्तित्व के ऐसे अनेक पहलू हैं, जो उन्हें और भी विशिष्ट बनाते हैं। उनकी सादगी और सरलता भी ऐसी ही एक विशेषता है। नवनिर्माण आंदोलन के बाद आडवाणी जी जूनागढ़ आए थे। वहां वे एक सामान्य कार्यकर्ता की तरह पूरे एक महीने तक रहे और विधानसभा चुनावों के लिए पार्टी को तैयार करने में जुटे रहे। इन चुनावों में जनता ने इंदिरा गांधी की कांग्रेस को नकार दिया था। आडवाणी जी ने अपने आचरण से हमेशा सार्वजनिक जीवन में ईमानदारी और शुचिता का उदाहरण प्रस्तुत किया है। उन्हें पढ़ने का बहुत शौक है। जो लोग उनके साथ रहे हैं, वे जानते हैं कि वे अखबारों को भी कितने ध्यान से और कितनी बारीकी से पढ़ते रहे हैं। सिनेमा और रंगमंच से भी उनका गहरा लगाव रहा है। वर्षों तक वे बड़े उत्साह से फिल्मों की समीक्षा भी करते रहे हैं।

2024 में 'भारत रत्न' से सम्मानित

इतिहास के प्रति उनकी गहरी समझ और उसे सहेजकर रखने की उनकी भावना भी उल्लेखनीय है। उनकी पुस्तक '**My Country My Life**' में इसकी सुंदर झलक मिलती है। आडवाणी जी का अपनी सिंधी संस्कृति से हमेशा गहरा जुड़ाव रहा है। लेह के पास सिंधु दर्शन पूजा को लोकप्रिय बनाने में भी उन्होंने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। मुझे स्वयं भी एक बार आडवाणी जी और जॉर्ज फर्नांडिस जी के साथ सिंधु दर्शन पूजा में शामिल होने का सौभाग्य मिला था। आडवाणी जी की इस असाधारण जीवन यात्रा की बात हो और कमला आडवाणी जी का उल्लेख न हो, तो ये यात्रा अधूरी रह जाएगी। इतने लंबे सार्वजनिक जीवन में कमला जी हमेशा उनकी शक्ति और संबल बनी रहीं। हर कदम पर उनका साथ दिया। कराची में पले-बढ़े आडवाणी जी ने शायद ही कभी कल्पना की होगी कि जीवन उन्हें कितनी लंबी और असाधारण यात्रा पर ले जाएगा। देश के प्रति उनके योगदान के लिए कृतज्ञ राष्ट्र ने वर्ष 2024 में उन्हें भारत रत्न से सम्मानित किया। आज जब आडवाणी जी अपने जीवन के सौवें वर्ष में प्रवेश कर रहे हैं, तो मैं ईश्वर से उनके उत्तम स्वास्थ्य की प्रार्थना करता हूं।



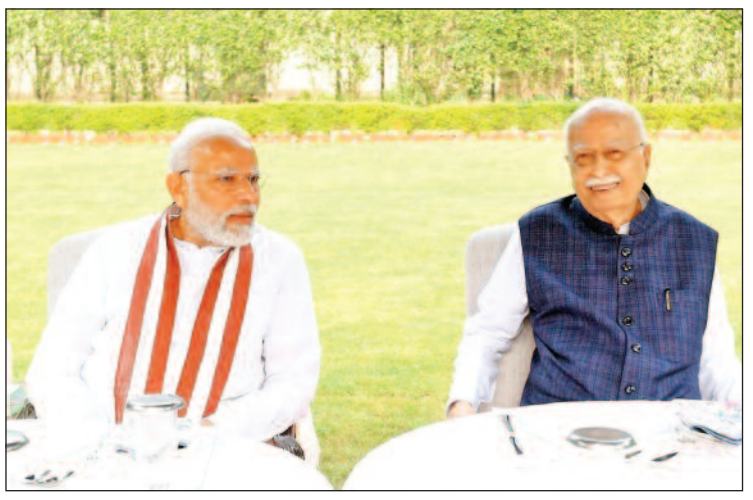

सोमनाथ से अयोध्या की रथयात्रा

आपातकाल आडवाणी जी के जीवन का एक महत्वपूर्ण मोड़ था। उस दौर में वे लोकतंत्र को बचाने और संविधान की रक्षा के संघर्ष में अग्रिम पंक्ति में खड़े रहे। इसमें उन्होंने जून 1975 से भारत में शुरू हुई घटनाओं और 1933 में हिटलर के शासन के दौरान जर्मनी में हुई घटनाओं के बीच आश्चर्यजनक समानताओं का बहुत प्रभावी ढंग से वर्णन किया है। आडवाणी जी विपक्ष में जितने प्रखर नेता रहे, प्रशासन में भी उतने ही कुशल साबित हुए। 1977 में जब जनता सरकार बनी, तो उन्हें सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय की जिम्मेदारी मिली। इस मंत्रालय में उनके कार्यकाल को आज भी विशेष रूप से प्रभावशाली माना जाता है। बाद में उप प्रधानमंत्री और देश में सबसे लंबे समय तक सेवा देने वाले गृह मंत्रियों में से एक के रूप में उन्होंने भारत की सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। हमारे सुरक्षा बलों के जीवन को बेहतर बनाने के लिए उन्होंने जो प्रयास किए, उन्हें आज भी बड़े आदर और आत्मीयता से याद किया जाता है। आतंकवाद के खिलाफ उनका रुख हमेशा स्पष्ट और दृढ़ रहा। उनके इसी संकल्प के कारण देश को आतंकवाद से निपटने के लिए एक सख्त कानून मिला। सोमनाथ से अयोध्या तक की रथयात्रा आडवाणी जी के जीवन का एक ऐतिहासिक अध्याय है। मैं स्वयं को सौभाग्यशाली मानता हूं कि मुझे इस ऐतिहासिक यात्रा से जुड़ने का अवसर मिला। यात्रा की परिकल्पना से लेकर उसकी तैयारियों और फिर उसे आगे बढ़ाने तक, मुझे हर चरण में योगदान देने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। रथयात्रा के शुभारंभ के समय सोमनाथ में उपस्थित रहना भी मेरे लिए एक अविस्मरणीय अनुभव था।

गुजरात से पुराना नाता रहा

इतिहास साक्षी है, पांच-छह दशकों की इस लंबी यात्रा में दोनों एक-दूसरे के सहयोगी बने रहे। भारतीय राजनीति में आपसी विश्वास, सहयोग और समर्पण की ये परंपरा आज भी एक बड़ी प्रेरणा है। आडवाणी जी जब दिल्ली आए थे, तब ये शहर विभाजन की विभीषिका से उबरने का प्रयास कर रहा था। ऐसे समय में उन्होंने जनसंघ को मजबूत बनाने के लिए खुद को पूरी तरह समर्पित कर दिया। 1967 में वे दिल्ली महानगर परिषद के अध्यक्ष बने। एक सांसद के रूप में आडवाणी की यात्रा 1970 के दशक से शुरू हुई। एक सांसद के रूप में, दोनों सदनों में विपक्ष के नेता के रूप में और सत्ता पक्ष में रहते हुए भी उन्होंने अपनी अलग पहचान बनाई। संसदीय जिम्मेदारियों में व्यस्त रहने के बावजूद वे लगातार देश के अलग-अलग हिस्सों में जाते रहे, लोगों से मिलते रहे और उनसे संवाद करते रहे। 1991 के लोकसभा चुनाव की स्मृतियां आज भी मेरे मन में ताजा हैं। उस समय तय हुआ था कि आडवाणी जी दो लोकसभा सीटों से चुनाव लड़ेंगे। इनमें से एक सीट गांधीनगर की थी। आडवाणी जी का गुजरात से बहुत पुराना नाता रहा है। विभाजन के बाद उनके पिताजी कच्छ में आकर बसे थे। 1976 में, जब देश में आपातकाल अपने चरम पर था, तब आडवाणी जी गुजरात से राज्यसभा सांसद भी बने थे। इस तरह 1991 में गांधीनगर से चुनाव लड़ना उनके लिए एक तरह से घर वापसी जैसा था। उस समय मैं भाजपा के संगठन में काम कर रहा था। मुझे आडवाणी जी के नामांकन पत्र तैयार करने से लेकर पूरे चुनाव अभियान में उनके साथ काम करने का सौभाग्य मिला।

अमेरिका के प्रति संतुलित रुख रखे भारत



मंथन

उमेश चतुर्वेदी

वरिष्ठ पत्रकार

यह पहला मौका नहीं है कि जब किसी अमेरिकी राष्ट्रपति की पार्टी को मध्यावधि चुनावों में करारी हार का सामना करना पड़ा हो। अमेरिकी इतिहास में 1934 से अब तक सिर्फ तीन ऐसे मौके आए हैं, जब मध्यावधि चुनावों में अमेरिकी राष्ट्रपति की पार्टी को जीत मिली। ट्रंप को अपने पहले कार्यकाल के दौरान भी मध्यावधि चुनाव में हार मिली थी। यह बात और है कि तब हार इतनी बड़ी नहीं थी।

लोकतांत्रिक समाज में हर चुनावी नतीजे का असर होता है। अगर नतीजे व्यापक हों तो उसका असर भी उतना ही व्यापक होता है। इस लिहाज से कह सकते हैं कि अमेरिका के इन चुनाव नतीजों का असर सिर्फ अमेरिका ही नहीं, बल्कि पूरी दुनिया पर पड़ेगा, जिसमें अपना देश भी शामिल है। चूंकि अमेरिकी संसद, कांग्रेस के दोनों सदनों हाउस ऑफ रिप्रजेंटिव और सीनेट में अब विपक्षी डेमोक्रेट का बहुमत हो गया है, इसलिए ट्रंप को अपनी नीतियों को लागू करना आसान नहीं होगा। डेमोक्रेट सांसद उनके प्रस्तावों को रोक सकते हैं या उनमें सुधार प्रस्तावित कर सकते हैं। लेकिन हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि अमेरिकी राष्ट्रपति के पास वीटो का ताकतवर हथियार है, जिसका वह इस्तेमाल करता रहा है। राष्ट्रपति ट्रंप की जैसी फितरत है, उसकी वजह से कह सकते हैं कि वे अपनी इस शक्ति का इस्तेमाल करने से नहीं रुकेंगे। अमेरिकी लोकतंत्र की एक खासियत है कि वहां की नीतियां जनमत के पैरामीटर के साथ गिरती और उठती रही हैं। अमेरिकी संविधान के अनुसार वहां का नागरिक इतना महत्वपूर्ण है कि उसकी सामूहिक राय से अमेरिकी राष्ट्रपति और उसकी नीतियां प्रभावित हुए बिना नहीं रहतीं। इसके बावजूद याद रखा जाना चाहिए कि ट्रंप अलग ही तरह की शख्सियत हैं। वे कब क्या बोल दें और कब अपनी ही कही हुई बात से पलट जाएं, कहना मुश्किल है। उन पर भरोसा करना मुश्किल है। जिस रूस से तेल खरीदने के लिए वे भारत पर टैरिफ लाद रहे थे, उसी रूस से खुद उन्होंने ही तेल खरीदना शुरू कर दिया। इसलिए मौजूदा मध्यावधि चुनाव नतीजों के बाद भारत को न तो ज्यादा उत्साहित होने की बात है और न ही ज्यादा निराश होने की। भारत को पहले की ही तरह संतुलित रुख अख्तियार किए रखना होगा। भारतीय नेतृत्व और कूटनीति के लिए अच्छी बात यह है कि उनका अमेरिका की दोनों प्रमुख पार्टियों रिपब्लिकन और डेमोक्रेट-से बेहतर संबंध रहा है। इसलिए रिपब्लिकन ट्रंप और डेमोक्रेट सांसदों के बीच भारत को संतुलन बनाए रखना होगा। अव्यवस्थित चित्त वाले ट्रंप और सधी हुई राजनीति करने वाले डेमोक्रेट सांसदों से भरी अमेरिकी संसद से भारत को संतुलित संबंध बनाए रखना होगा। फिर भी मोटे तौर पर कहा जा सकता है कि अमेरिकी चुनाव के मौजूदा नतीजे भारत के लिए बेहद महत्वपूर्ण हैं। इन परिणामों का भारत से अमेरिका को होने वाले निर्यात के साथ ही वहां काम कर रहे भारतीय पेशेवरों के भविष्य पर असर पड़ेगा। इसके साथ ही दोनों देशों के बीच जारी रक्षा और सामरिक सहयोग पर भी प्रभाव दिख सकता है। चूंकि अमेरिका आज के दौर में भारतीय उत्पादो का बड़ा बाजार है, इसलिए अमेरिकी टैरिफ नीति में छोटे से छोटे परिवर्तन का असर सीधे तौर पर भारतीय निर्यातकों पर पड़ता है। भारत और अमेरिका के बीच व्यापार समझौता अभी तक परवान नहीं चढ़ पाया है। पिछले महीने अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने अपनी भारत यात्रा के दौरान कहा था कि दोनों देशों के बीच व्यापार समझौता अपने आखिरी दौर में है। इन चुनाव नतीजों से उम्मीद की जा रही है कि अमेरिका में रह रहे और वहां जाने की इच्छा रखने वाले भारतीय पेशेवरों को थोड़ी आसानी होगी। चूंकि ट्रंप प्रशासन ने अमेरिका आने वाले लोगों की वीजा नीति और वर्क परमिट में खासा बदलाव किया है। अब हो सकता है कि डेमोक्रेट बहुमत वाली अमेरिकी संसद इस प्रस्ताव में कुछ छूट सुझाए। पूरी दुनिया में महंगाई की वजह ट्रंप प्रशासन द्वारा ईरान पर किया गया हमला और उससे उपजी परिस्थितियां रही हैं। अब संसद पर ट्रंप की पकड़ कमजोर हुई है, लिहाजा अब ज्यादा दिन तक ईरान युद्ध नहीं चल सकता। इससे जहां कच्चे तेल का उत्पादन बढ़ सकता है, वहीं वैश्विक रक्षा खर्च भी कम हो सकता है। चूंकि भारत अपनी ईंधन जरूरतों का बड़ा हिस्सा आयात करता है, इसलिए तेल की कीमतें घटने से घरेलू अर्थव्यवस्था को बड़ी राहत मिलेगी।



अमेरिकी संविधान के अनुसार वहां का नागरिक इतना महत्वपूर्ण है कि उसकी सामूहिक राय से अमेरिकी राष्ट्रपति और उसकी नीतियां प्रभावित हुए बिना नहीं रहतीं। इसके बावजूद याद रखा जाना चाहिए कि ट्रंप अलग ही तरह की शख्सियत हैं। वे कब क्या बोल दें और कब अपनी ही कही हुई बात से पलट जाएं, कहना मुश्किल है।

दीपोत्सव का बदलता स्वरूप



दीपोत्सव

डॉ. शंकरलाल शास्त्री

'तमसो मा ज्योतिर्गमय' यानी अज्ञान रूपी अंधेरे से ज्ञान रूपी उजाले की ओर ले जाने वाला पर्व है दीपावली। वर्षभर में मनाया जाने वाला यह न केवल एक त्योहार ही है बल्कि मानव जीवन के लिए अनेक उपदेशात्मक संदेशों को भी अपने में समेटे है।

जब हम छोटी कक्षाओं में पढ़ा करते थे तो थैले पटी छुपाकर रख देते और माँ के साथ दिवाली की सफाई के कार्यों में मां के साथ लग जाते। कच्चे घर को लीपने का आनन्द ही कुछ अलग होता था। आज वह बालपन कहाँ? बालमन तो स्वच्छ शीशे की तरह होता है जिसमें किसी प्रकार का छद्म रूपी मैल नहीं। आज यक्ष प्रश्न यह है कि हम अपने अन्तर्मन में समाए मैल को कैसे और कब धोयेंगें। सच्चे अर्थों में दिवाली जैसा पर्व ही अन्तर्मन के मैल को धो डालनें का सुनहरा अवसर है।

हम जब याद करते हैं अपने बालमन को और याद करते हैं उन दिवाली के उल्लास और आनन्द से भरे दिनों की तो पुनः बाल्यकाल की चौखट पर बालसभा करने को मन करता है। स्कूल आते समय ग्वाल-बाल हमें घास फूस से बनी चरखी थमा देते थे तो कोई दिवाली के लिए मोरों की पंख। हम पिताजी को देखा करते थे घर के आसपास चढ़-चढ़ कर पिताजी कब फूलझड़ी, अनार जमीनचक्री पटाखे, और साँपले लेकर आयेंगें पिताजी की गठरी और थैला देखते ही हमारी खुशी का कोई ठिकाना न रहता और ममतामयी माँ पटाखे हमारे हवाले कर देतीं। दोनों भाइयों और बड़ी बहिन को बराबर-बराबर का बंटवारा कर दिया जात। उस समय पटाखों से होने वाले प्रदूषण व बीमारियों का हमें ज्ञान न था। तो भी घर के बड़े बुजुर्ग अपनी देखरेख में ही बहुत सीमित और दूरी बनाकर पटाखे चलाने का आदेश दिया जाता। आज के दौर में बढ़ते प्रदूषण नियंत्रण को ध्यान में रखते हुए अब माननीय सर्वोच्च न्यायालय ने भी इसे गंभीरता से लिया है। इसलिए ग्रीन पटाखे (प्रदूषण रहित) बहुत ही सीमित मात्रा में चलाएं इनके बजाए हमें घर के अन्य सदस्यों के साथ सांस्कृतिक पर्व मनाना चाहिए। वर्ष भर के इस

पर्व से एक अनोखी उमंग पाकर मन खिल उठता है। उस दौर में भी सांझ होते ही दीपों की पाँत रखने की परम्परा शुरू होती और दिवाली की खुशी में जल्दी से दादी माँ के आदेश का पालन किया जाता बाहर खेतों में जाकर दीपक जलाए जाते और हम कहते - देखो बस्ती में पटाखे करने, अहंकार और अनियंत्रित महत्वाकांक्षी न होने जैसे बड़े - बड़े संदेश दिए जाते हैं और मानवीय मूल्यों का ढिंढोरा पीटा जाता है पर सच पूछिए तो कुछ तथाकथित महाज्ञानी ही स्वयं को उजाले के प्रकाश स्तंभ और दूसरों को नीचा दिखाकर उन्हें अंधेरे का प्रतीक सिद्ध कर हांशिए पर डाल दिया जाता है और स्वयं महापंडित की श्रेणी में आ खड़े होते हैं। जबकि सच्चाई यह है कि दीपावली जैसे पर्व ही ऐसे विकारों से मुक्ति



दिलाकर सुकून और शांति का अहसास कराते हैं।

गोवर्धन पूजा में सामूहिक रूप से परिक्रमा जैसे सामाजिक संदर्भ हमें सुख -दुःख में भागीदार बने रहने का संदेश देते हैं।

आज हम पर्व मनाते हैं किन्तु इन पर्वों की बस परिपाटी निभाने में ही लगे हैं। अब घर में वो मां की मधुर और मन को सुकून देने वाली आवाज कहां जो सदा ऐसे उत्सवों के अवसर पर पूरे परिवार को अपने वात्सल्य रुपी ममताभरे आशीष के वचनों से असीम दुआएं देतीं और न आकाश रूपी पिता का साया ही रहा अब तो चांद और सूरज ही शायद मां और पिताजी की दुआओं के दाता बने हैं।

यह बात तो सौ टका सही है कि हमारे बड़े-बुजुर्गों की बातें, उनके रहन-सहन और पर्वों के प्रति उल्लास में स्वास्थ्य, शान्ति और राहत के रंग छुपे होते हैं। दिवाली इसी शान्ति, कान्ति, ज्योति और स्वास्थ्य का प्रतीक है।

-लेखक वरिष्ठ साहित्यकार एवं विद्वान हैं

रायपुर, रविवार 8 नवंबर 2026 | कार्तिक कृष्ण पक्ष अमावस्या | वर्ष : 25, अंक : 110 | पृष्ठ : 12+12 = 24 मूल्य : 5.00** | haribhoomi.com

हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी







कठिन समस्याएं अब न होंगी

क्योंकि सच्ची सहेली में हैं 67 खास आयुर्वेदिक जड़ी-बूटियां जो मुश्किल तकलीफों को अंदर से ठीक करने में मदद करे।

24x7 Helpline: 77106 44444 • www.sachisaheli.in



Clinically Tested

67 दुर्लभ प्राकृतिक जड़ी-बूटियों से बना 'सच्ची सहेली' आयुर्वेदिक टॉनिक एवं टेबलेट्स

Helps in:

कठिन दर्द | चिड़चिड़ापन | थकान | कमजोरी | कमर कटना | इम्यूनिटी

सच्ची सहेली®

दुबई-कनाडा में भिलाइयंस का दिवाली सेलिब्रेशन

अतुल अग्रवाल ⏭ भिलाई

भिलाई सहित छत्तीसगढ़ से विदेशों में जाकर बसे लोगों का दीपावली सेलिब्रेशन शुरू हो गया है। जानकारी के मुताबिक विदेशों में अलग-अलग जगहों पर 100 से ज्यादा ऐसे भिलाइयंस हैं, जो इस दिवाली विदेश में रहकर दीपावली मना रहे हैं। कनाडा में दीपों का यह पर्व मनाया जा रहा है। धनतरेस, नरक चौदस और लक्ष्मी पूजा को लेकर अलग-अलग दिन कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। कनाडा में नॉर्थ अमेरिका छत्तीसगढ़ एसोसिएशन के बैनर तले पूरे छत्तीसगढ़ के 300 से ज्यादा परिवार एक साथ दिवाली मना रहे हैं।

हरिभूमि ने विदेश में रह रहे इन लोगों के परिवार के सदस्यों से बात की। उन्होंने बताया कि कनाडा में भी दिवाली पर अलग-अलग आयोजन हो रहे हैं। इस उत्सव के लिए बिल्डिंग बुक की गई है। जहां भव्य आयोजन किया जा रहा है। लोगों की भीड़ को देखते हुए 7 अलग-अलग स्पॉट्स में बांट दिया गया है। दुबई और कनाडा दोनों ही जगहों पर आतिशबाजी के बजाए फुलझड़ियां, अनार, चकरियां जलाई जा रही है। विशालकाय स्क्रीन लगाए गए हैं, जिन पर प्री-रिकॉर्डेड सांस्कृतिक कार्यक्रम दिखाए जा रहे हैं। लोगों के बीच घूमती हनुमान, रावण, लक्ष्मी व गणेश की विशालकाय कठपुतलियां खासतौर पर बच्चों को आकर्षित कर रही हैं। उत्सव स्थल के अलावा भी काउंटी में दीपावली के मौके पर अलग-अलग आयोजन हो रहे हैं।



कनाडा में नाचा एकजुटता का संदेश

नॉर्थ अमेरिका छत्तीसगढ़ एसोसिएशन कनाडा द्वारा ब्रैमप्टन, ओंटारियो में दिवाली और छत्तीसगढ़ राज्य के स्थापना दिवस पर विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस विशेष अवसर पर 30 से अधिक परिवारों ने एक ⏭शेष पेज 2 पर



दुबई में छत्तीसगढ़ियों की दिवाली में लोकनृत्य की छटा

भिलाई। नाचा-यूएई के तत्वावधान में नाचा-यूएई एनआरआई परिवार ने दुबई में दिवाली मनाई। अगले दो दिन तक दीपोत्सव का यह पर्व सैलिब्रेट किया जा रहा है। संयुक्त अरब अमीरात में बसे प्रवासी भिलाई और छत्तीसगढ़ के अलग-अलग हिस्सों के लोग एकजुट होकर अपनी जड़ों का सम्मान किया। राज्य के स्थापना दिवस का उत्सव मनाया। नाचा-यूएई के अध्यक्ष अमित उपाध्याय के नेतृत्व में यह ⏭शेष पेज 2 पर

इजराइल में नए प्रधानमंत्री का ऐलान आज

एजेंसी ⏭ तेल अवीव

इजराइल में अगला प्रधानमंत्री कौन होगा इसका ऐलान राष्ट्रपति इसाक हर्जोग रविवार को करेंगे। सरकार बनाने के लिए 61 सासंदों का समर्थन चाहिए। गादी आइजनकोट के गठबंधन को 6 पार्टियों के 67 सांसदों ने समर्थन दिया है। प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के पास मात्र 46 सांसदों का समर्थन है। इस कारण माना जा रहा है कि राष्ट्रपति उन्हें सरकार बनाने का पहला मौका नहीं देंगे। इजराइल में अब तक किसी भी पार्टी को बहुमत नहीं मिला है।







ट्रंप ने जलाया दीया, तोहफे में मिली 'हनुमान चालीसा'

एजेंसी ⏭ वॉशिंगटन डीसी



देशभर में इस समय दिवाली की धूम है। दीपों के इस त्योहार का उल्लास भारत के साथ-साथ विदेश में भी देखने को मिल रहा है। अमरीका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भी दिवाली का पावन पर्व मनाया है। उन्होंने व्हाइट हाउस के ओवल ऑफिस में दीया जलाकर दिवाली का जश्न मनाया। ओवल ऑफिस में दिवाली का खास कार्यक्रम आयोजित किया गया था। इस दौरान अमरीका में भारत के राजदूत विनय मोहन क्वात्रा सहित कई प्रमुख भारतीय-अमेरिकी प्रशासनिक अधिकारी, बड़े बिजनेसमैन और दिग्गज कंपनियों के सीईओ मौजूद रहे। व्हाइट हाउस में ट्रंप ने ओवल ऑफिस में दीया जलाकर दिवाली का जश्न शुरू किया। गोक्वी टेक्नोलॉजीज के फाउंडर और सीईओ ⏭शेष पेज 2 पर

पीओके में पाक आर्मी की फायरिंग, 2 की मौत

श्रीनगर। पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) के रावलकोट में पाकिस्तानी सेना ने प्रदर्शनकारियों पर फायरिंग कर दी। इसमें 2 लोगों की मौत हो गई।





यमन में हवाई हमलों में 22 लोगों की मौत

काहिरा। यमन की राजधानी सना के पास एक कस्बे में शनिवार को हुए हवाई हमलों में 22 लोगों की मौत हो गई और 30 अन्य घायल हो गए। हूती विद्रोहियों के नियंत्रण वाले स्वास्थ्य मंत्रालय के एक प्रवक्ता ने यह जानकारी दी। प्रवक्ता अनीस अलासबाही ने समाचार एजेंसी 'एसोसिएटेड प्रेस' से बातचीत में सऊदी अरब पर अल-शरिया गांव में हवाई हमले करने का आरोप लगाया। इस संबंध में सऊदी अरब की ओर से तत्काल कोई प्रतिक्रिया नहीं आई। ये हमले दक्षिणी यमन के एक बाजार पर हुए हमलों में 30 लोगों के मारे जाने की हूती अधिकारियों की घोषणा के एक दिन बाद हुए। ईरान समर्थित हूती विद्रोहियों और सऊदी अरब समर्थित यमन की सेना ने उस हमले के लिए एक-दूसरे को जिम्मेदार ठहराया था।

एसआईआर : चौथे न्यायाधीश का इस्तीफा

कोलकाता। कलकत्ता उच्च न्यायालय के सेवानिवृत्त न्यायाधीश बिस्वजीत बसु ने व्यक्तिगत कारणों का हवाला देते हुए पश्चिम बंगाल के एसआईआर अधिकरणों से इस्तीफा दे दिया है। एक विश्वसनीय सूत्र ने शनिवार को यह जानकारी दी। मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) पैनल के प्रमुख के रूप में नियुक्त किए गए 19 सेवानिवृत्त न्यायाधीशों में से, इस्तीफा देने वाले वह चौथे न्यायाधीश हैं। बसु का इस्तीफा, कलकत्ता उच्च न्यायालय के पूर्व मुख्य न्यायाधीश टी एस शिवज्ञानम और सेवानिवृत्त न्यायाधीश रंजीत कुमार बाग तथा न्यायमूर्ति इंद्रजीत चटर्जी के इस्तीफों के बाद आया है।

जैकेट के शेष

अयोध्या में दीपोत्सव ....

आतिशबाजी के बीच अपने चरम पर पहुंचा। उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और राज्यपाल आनंदीबेन पटेल की मौजूदगी ने आयोजन को ऐतिहासिक बना दिया। अयोध्या दीपोत्सव के मौके पर सरयू तट के पास राम की पैड़ी पर दीयों को जलाए गए। इस दौरान पूरी अयोध्या दीपों की रोशनी से जगमग हो गई।

उपराष्ट्रपति, सीएम, राज्यपाल व संतों ने किया राजतिलक: रामकथा पार्क में श्रीराम के राज्याभिषेक की प्रक्रिया शुरू हुई। रामचरितमानस की चौपाई 'प्रथम तिलक बशिष्ठ मुनि कीन्हा, पुनि सब बिप्रन्ह आयसु दीन्हा। सुत बिलोकि हरषीं महतारी, बार बार आरती उतारी...', मानो मंच पर साकार हो उठी। सबसे पहले उपराष्ट्रपति ने प्रभु श्रीराम का राजतिलक किया।

'जीवन की सांझ' ....

अब उसी अधूरी इच्छा को पूरा करने का जज्बा इन बुजुर्गों को साक्षरता अभियान तक ले आया है। शिक्षा विभाग के मुताबिक इन बुजुर्गों में सीखने की इच्छाशक्ति के साथ सामाजिक बदलाव की आकांक्षा भी है। साक्षर भारत अभियान के कार्यक्रम अधिकारी जेके पाटले के अनुसार, कई बुजुर्ग अब भी पढ़ाई से जुड़ना चाहते हैं। उन्हें अभियान से जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है।

पोती ने जगाई सीखने की लौ, देवरानी-जेठानी ने थामी कलम : कोटा ब्लॉक के अमने गांव की 68 वर्षीय पिलिया बाई और 64 वर्षीय हुलिसिया बाई रिश्ते में देवरानी-जेठानी हैं। बचपन में पढ़ाई छूट गई थी, लेकिन मन में कम से कम अपना नाम लिखने की इच्छा हमेशा रही। घर में जब पोती दसवीं पास हुई तो दोनों को बेहद खुशी हुई। पोती ने ही उन्हें पढ़ने-लिखने के लिए प्रेरित किया और साक्षरता अभियान से जोड़ा। फिर स्लेट पर क, ख, ग की पहली पाठशाला शुरू हुई। पोती उनकी गुरु बनी और दोनों ने सीखने की शुरुआत की। आज वे अपना नाम ही नहीं, पति और बच्चों के नाम भी लिख लेती हैं। उनके लिए यह सिर्फ अक्षर सीखना नहीं, बल्कि बरसों पुरानी इच्छा पूरी होने जैसा है। दीपावली के दीप कुछ देर के लिए अंधेरा मिटाते हैं, लेकिन शिक्षा का उजाला उम्र भर रास्ता दिखाता है। बिलासपुर के इन बुजुर्गों ने साबित किया है कि जीवन की किसी भी उम्र में ज्ञान की नई शुरुआत की जा सकती है। इनके लिए इस साल की दीपावली केवल घरों में रोशनी का पर्व नहीं, बल्कि अपने भीतर अक्षरों का उजाला जगाने का उत्सव भी है।

पति-पत्नि एक साथ ....

सीखने की इच्छा जागी। दोनों ने साथ-साथ अक्षर ज्ञान हासिल करने का फैसला किया। साक्षरता अभियान से जुड़कर पढ़ाई शुरू की और फिर सरपंच के माध्यम से उल्लास परीक्षा में शामिल हुए। परीक्षा में जब दोनों ने अपना नाम, गांव का नाम और पूरा पता लिखा तो उनकी खुशी का ठिकाना नहीं रहा। अब उनका अगला सपना कम से कम पांचवीं कक्षा पास करना है।

पता नहीं पढ़ ....

प्रतियोगिता में दूसरा स्थान हासिल कर चुकी है। उम्र के इस पड़ाव पर ठंडूराम ने उल्लास परीक्षा देकर अपना अधूरा सपना भी पूरा कर लिया। तमनार विकासखंड के ग्राम देवगांव निवासी ठंडूराम राठिया का बचपन शिक्षा के बिना बीता। वे और उनके भाई पढ़-लिख नहीं सके। परिवार की आजीविका का प्रमुख साधन गाय-बैल चराना था। बचपन से ही इसी काम में जुटे ठंडूराम के मन में पढ़ाई की इच्छा थी, लेकिन गांव में स्कूल नहीं होने के कारण उनकी शिक्षा पहली कक्षा से आगे नहीं बढ़ सकी। जिंदगी के एक छोटे से घटनाक्रम ने उनके मन में शिक्षा का महत्व हमेशा के लिए बिठा दिया। ठंडूराम बताते हैं कि एक दिन वे रोज की तरह अपने बैलों को चराने निकले थे। रास्ते में एक व्यक्ति मिला, जिसने उन्हें कागज पर लिखे किसी स्थान का पता पूछा। वे पढ़े-लिखे नहीं थे, इसलिए उस व्यक्ति को पते के बारे में कुछ बता नहीं सके। यह छोटी-सी घटना उनके मन पर गहरा असर छोड़ गई। उन्हें महसूस हुआ कि पढ़ाई न होने के कारण इंसान सामान्य परिस्थितियों में भी **असहाय हो जाता है:** ठंडूराम की कहानी केवल अपने परिवार को शिक्षित करने तक सीमित नहीं रही। उन्होंने गांव के दूसरे बच्चों के भविष्य की भी चिंता की। देवगांव शासकीय प्राथमिक शाला के प्रधान पाठक वेदव्यास महापात्र के मुताबिक, ठंडूराम पहली कक्षा तक ही पढ़ पाए थे। उस समय गांव में स्कूल नहीं होने के कारण उन्हें पढ़ाई छोड़नी पड़ी थी। शिक्षा का महत्व समझने के बाद उन्होंने गांव में स्कूल खुलवाने की पहल की। इसके लिए ठंडूराम सहित करीब 15 युवक पैदल ही गांव से निकलकर तत्कालीन कलेक्टर से मिलने पहुंचे और देवगांव में स्कूल खोलने की मांग रखी। उनकी पहल रंग लाई और गांव में स्कूल भवन के निर्माण की शुरुआत हुई। ठंडूराम के लिए यह भावुक और गौरव का क्षण था। वर्ष 1959 में जब गांव में पहला स्कूल स्थापित हुआ, तब भवन की नींव की पहली ईंट उन्होंने ही रखी थी।

अकाल में गांव के लिए बनवाया कुआं, आज भी बुझा रहा प्यास : ठंडूराम का योगदान केवल शिक्षा के क्षेत्र तक सीमित नहीं रहा। प्राथमिक शाला देवगांव के प्रधान पाठक वेदव्यास महापात्र बताते हैं कि एक समय क्षेत्र में भीषण अकाल पड़ा था। गांव में पानी की समस्या गंभीर हो गई थी। ऐसे कठिन समय में ठंडूराम ने ग्रामीणों को साथ लेकर कुएं का निर्माण कराया। खास बात यह है कि वर्षों पहले बनवाया गया यह कुआं आज भी उपयोग में है और ग्रामीणों की जरूरत पूरी कर रहा है। जिस पढ़ाई को बचपन में परिस्थितियों के कारण छोड़ना पड़ा, उसका मलाल ठंडूराम के मन में हमेशा रहा। लेकिन उन्होंने उम्र को अपने सपने के आड़े नहीं आने दिया। इसी इच्छा के साथ उन्होंने उल्लास नवभारत साक्षरता कार्यक्रम के तहत परीक्षा दी और साक्षर बनने का अपना सपना पूरा किया।

नातिन ने अंतरराष्ट्रीय ....

दौड़ की अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में हिस्सा लिया और दूसरा स्थान हासिल किया। आज भी ठंडूराम गांव के लोगों से लगातार अपने बच्चों को पढ़ाने की अपील करते हैं।

सात समंदर पार ....

विदेश की चमक-दमक के बीच अपनी जड़ों को कभी नहीं भुलाया। वहां रहने वाले छत्तीसगढ़ मूल के परिवारों के साथ मिलकर वे हर वर्ष दीपावली का पर्व मनाती हैं। खास बात यह है कि इस आयोजन में सिर्फ दीप और सजावट ही नहीं बल्कि छत्तीसगढ़ी खानपान, आपसी मेल-मिलाप और अपनी माटी की संस्कृति की खुशबू भी घुली रहती है। उपासना बताती हैं कि उनका मायका कोपरा गांव में है। उनके पिता स्वर्गीय चिदानंद शुक्ला (प्रकाश) शिक्षक रहे हैं। उनकी प्राथमिक शिक्षा भी कोपरा में ही हुई। उनके भाई मेघानंद शुक्ला (उपकार) चोलामंडलम में अधिकारी हैं। उनका विवाह धमतरी जिले के चारामा निवासी आशीष पांडेय से हुआ, जो पेशे से सॉफ्टवेयर इंजीनियर हैं। जनवरी 2017 में वे पति के साथ अमेरिका चली गईं और वर्तमान में वाशिंगटन राज्य के सिएटल में रह रही हैं।

नाचा संगठन बना ...

छत्तीसगढ़ी परिवार अपने-अपने घरों से पारंपरिक छत्तीसगढ़ी व्यंजन बनाकर लाते हैं। फिर सब मिलकर खाते हैं एक-दूसरे से मिलते हैं और त्योहार की खुशियां साझा करते हैं। इस दौरान छत्तीसगढ़ी बोली खानपान और संस्कृति का ऐसा माहौल बनता है कि कुछ समय के लिए यह एहसास ही नहीं होता कि वे अपने देश से हजारों मील दूर अमेरिका में हैं।

अमेरिका में भी ....

माटी के प्रति वही अपनापन है। हजारों मील दूर जलने वाले दीपों की रोशनी में उन्हें आज भी अपने गांव अपने परिवार और छत्तीसगढ़ की खुशियां दिखाई देती हैं।

पेज एक के शेष

कनाडा में नाचा एकजुटता...

साथ एकत्र होकर सांस्कृतिक कार्यक्रमों, मनोरंजक गतिविधियों और आपसी मेल-मिलाप से भरी एक यादगार दोपहर का आनंद लिया। उत्सव के दौरान आयोजित विभिन्न सांस्कृतिक और मनोरंजक कार्यक्रमों ने सभी आयु वर्ग के लोगों को बांधे रखा। उपस्थित परिवारों ने बॉलीवुड अंताक्षरी और कराओके में उत्साहपूर्वक भाग लेकर पुराने और नए गीतों का आनंद लिया। वहीं बच्चों ने अपनी मनमोहक सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से भारतीय परंपराओं की सुंदर झलक पेश की। इसके अलावा, कार्यक्रम में शामिल इंटरएक्टिव गेम्स और रफल ड्रा ने माहौल में और अधिक रोमांच भर दिया। नाचा के प्रतिनिधि ने आपसी जुड़ाव और सामुदायिक भावना के महत्व पर बल दिया। उन्होंने कहा कि वास्तविक समुदाय का निर्माण केवल सोशल मीडिया या व्हाट्सएप ग्रुपों तक सीमित नहीं होता, बल्कि इसका असली उद्देश्य लोगों को प्रत्यक्ष रूप से एक साथ लाना, गहरे संबंध बनाना और अपनी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को आने वाली पीढ़ी को सौंपना है। बता दें कि नाचा एक प्रमुख संगठन है, जो उत्तरी अमेरिका में छत्तीसगढ़िया मूल के लोगों को जोड़ने, सांस्कृतिक पहचान को सहेजने और सामाजिक सहभागिता को बढ़ावा देने के लिए लगातार प्रयासरत है।

दुबई में छत्तीसगढ़ियों की ...

कार्यक्रम हुआ। सांस्कृतिक कार्यक्रमों में छत्तीसगढ़ी लोकनृत्य की मनमोहक प्रस्तुतियां और कौन बनेगा छत्तीसगढ़ का बुद्धिमान शीर्षक से रोचक व संवादात्मक प्रश्नोत्तरी विशेष आकर्षण का केंद्र रहीं। इस दौरान मनीष, दिव्या त्रिपाठी, हनी थरवानी, सुमित साहनी और अली चिश्ती शामिल हुए। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ की समृद्ध विरासत के प्रति गहरी रुचि जगाने वाली इस प्रतियोगिता-रहित प्रदर्शनी के सभी नन्हे कलाकारों को सहभागिता प्रमाण-पत्र प्रदान किए गए। इस उत्सव में भिलाई, रायपुर, बिलासपुर, कोरबा सहित प्रदेश के अलग-अलग क्षेत्रों से अमित उपाध्याय, सिजो थॉमस, तोमन साहू, अमृता मिश्रा, विशाल शर्मा, खुशी टांक, श्रेया तिवारी, सुशील केशकर, वैभव क्षत्रिय, आरती अग्रवाल, पल्लवी उपाध्याय एवं प्रमोद गायकवाड़ शामिल हो रहे हैं।

ट्रंप ने जलाया दीया...

विशाल गोंडल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर इस कार्यक्रम की तस्वीरें शेयर कीं. उन्होंने ट्रंप को 'हनुमान चालीसा' भी तोहफे में दी। व्हाइट हाउस में दिवाली मनाने की इस परंपरा की शुरुआत साल 2003 में तत्कालीन अमेरिकी राष्ट्रपति जॉर्ज डब्ल्यू बुश ने की थी।

राशिफल

मेष वस्त्रों के प्रति रुझान बढ़ सकता है। रहन-सहन अव्यवस्थित रहेगा। किसी मित्र के सहयोग से कारोबार में लाभ के अवसर बढ़ेंगे।

वृष आशा-निराशा के भाव रहेंगे। व्यर्थ के क्रोध एवं वाद-विवाद से बचें। परिश्रम भी अधिक रहेगा। लाभ के अवसर मिलेगे। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

मिथुन आत्मविश्वास तो बहुत रहेगा, परन्तु मन परेशान हो सकता है। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। खर्चों की अधिकता रहेगी। सुस्वादु खानपान में रुचि रहेगी।

कर्क मन में उतार-चढ़ाव रहेगा। धर्म के प्रति श्रद्धाभाव रहेगा। कारोबार में कठिनाइयां आ सकती हैं। सचेत रहें। कारोबार में परिश्रम भी अधिक रहेगा।

सिंह आत्मविश्वास से परिपूर्ण रहेंगे, परन्तु आत्मसंयत भी रहें। धैर्यशीलता बनाये रखने के प्रयास करें। धार्मिक संगीत में रुचि बढ़ सकती है। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

कन्या पठन-पाठन में रुचि रहेगी। शैक्षिक कार्यों के लिए विदेश जा सकते हैं। लेखनादि-बौद्धिक कार्यों में मान-सम्मान की प्राप्ति होगी।

तुला आत्मविश्वास तो भरपूर रहेगा, परन्तु धैर्यशीलता में कमी हो सकती है। कारोबार में वृद्धि होगी। शैक्षिक कार्यों के लिए किसी दूसरे स्थान पर जा सकते हैं।

वृश्चिक मन में उतार-चढ़ाव रहेंगे। शैक्षिक कार्यों के सुखद परिणाम मिलेंगे। शासन-सत्ता का सहयोग मिलेगा। कार्यक्षेत्र में सफलता के योग हैं।

धनु व्यर्थ के क्रोध एवं वाद-विवाद से बचें। नौकरी में अफसरों से सदभाव बनाकर रखें। जीवनसाथी से मतभेद हो सकते हैं।

मकर मन प्रसन्न तो रहेगा, परन्तु धैर्यशीलता बनाये रखने के प्रयास करें। नौकरी में अफसरों का सहयोग तो मिलेगा, परन्तु स्थान परिवर्तन भी हो सकता है।

कुंभ स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। चिकित्सीय खर्च बढ़ सकते हैं। कारोबार में परिश्रम अधिक रहेगा। कुछ कठिनाइयां भी आ सकती है।

मीन शैक्षिक कार्यों में मन लगेगा। खर्चों की अधिकता रहेगी। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। रहन-सहन अव्यवस्थित रहेगा।

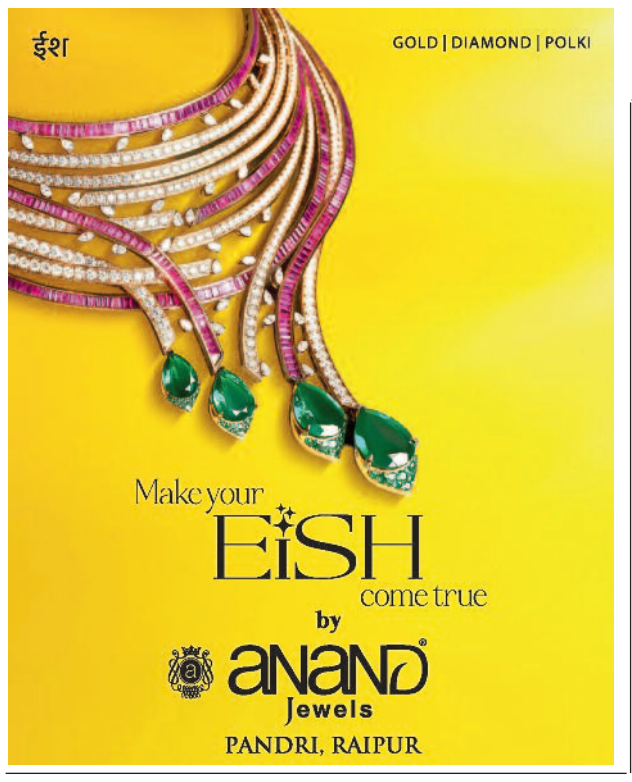

ज्वेलर्स से पलक झपकते ...

आ रही है। जैसे ही बच्ची बाहर निकलती है बाकी की महिलाएं भी एक एककर निकलती नजर आ रही है। दुकान संचालक के मुताबिक ग्राहक बनकर आईं महिलाओं ने करीब 1 किलो से ज्यादा सोने के जेवरों से भरा एक डिब्बा पार कर दिया है। जेवरात की कीमत करीब 1 करोड़ 74 लाख रुपए से ज्यादा बताई जा रही है। बताया जा रहा है कि महिलाएं दुकानदार का ध्यान भटकाकर जेवरात पार कर दीं। चोरी की पूरी वारदात दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है। फुटेज सामने आने के बाद पुलिस आरोपियों की पहचान में जुटी है। संचालक के मुताबिक चोरी हुए आभूषणों की वास्तविक मात्रा और कीमत का आधिकारिक आकलन अभी नहीं हुआ है। घटना की सूचना मिलते ही वरिष्ठ पुलिस अधिकारी व कोतवाली की टीम मौके पर पहुंच जांच शुरू कर दी है।

न्यूजीलैंड चुनाव : शुरुआती नतीजों में पीएम लक्सन आगे

वेलिंगटन। न्यूजीलैंड में आम चुनाव के लिए वोटिंग खत्म हो गई है। अल जजीरा के मुताबिक, शुरुआती नतीजों में प्रधानमंत्री क्रिस्टोफर लक्सन की सत्ताधारी नेशनल पार्टी को 31.19% वोट मिले हैं। वहीं, विपक्षी लेबर पार्टी 28.35% वोटों के साथ दूसरे नंबर पर है। चुनाव आयोग शनिवार रात तक 95% पोलिंग स्टेशनों के शुरुआती नतीजे जारी करेगा। विदेश में रहने वाले न्यूजीलैंड के नागरिकों के वोटों की गिनती के बाद 27 नवंबर को अंतिम नतीजे आने की उम्मीद है। इस चुनाव में महंगाई, बेरोजगारी और कमजोर अर्थव्यवस्था बड़े मुद्दे रहे। न्यूजीलैंड की संसद में कुल 120 सीटें हैं और बहुमत के लिए 61 सीटों की जरूरत होती है। शुरुआती रुझानों में किसी भी प्रमुख दल को स्पष्ट बहुमत मिलता नहीं दिख रहा है। ऐसे में छोटी पार्टियों तय कर सकती हैं कि अगली सरकार किसकी बनेगी।

जम्मू-कश्मीर में आतंकियों के 2 मददगार गिरफ्तार : श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर पुलिस ने श्रीनगर से आतंकियों की मदद करने वाले दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है। यह कार्रवाई आतंकी मॉड्यूल की जांच का हिस्सा है। आरोप है कि इस मॉड्यूल के जरिए महिलाओं को निशाना बनाकर अलगाववादी विचारधारा और प्रचार को बढ़ावा दिया जा रहा था।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे

वैधानिक परीक्षण एवं प्रमाणन हेतु निविदा सूचना

निविदा सूचना सं. : टीआरएस–बीएसपी –26–27 / 11 दिनांक : 30.10.2026
निविदा क्र.: टीआरएस-बीएसपी-26-27-ओटी-15
कार्य : प्रदूषण नियंत्रण अधिनियम, कारखाना अधिनियम आदि के प्रावधानों के अनुसार विद्युत लोको शेड, बिलासपुर की विभिन्न उपकरणों का वैधानिक परीक्षण एवं प्रमाणन 5 वर्षों की अवधि के लिए कराया जाना।
अनुमानित लागत : ₹23,68,142.53/-। प्रतिभूति राशि : ₹47,400/-। निविदा जमा करने का समय: दिनांक : 23.11.2026 को 15:00 बजे तक।
विस्तृत जानकारी, पात्रता का मापदंड तथा अन्य विस्तृत विवरण हेतु वरिष्ठ मण्डल विद्युत अभियंता(टीआरएस) / बिलासपुर के कार्यालय में संपर्क करें अथवा निविदा कागजात जो हमारी वेबसाइट www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है, उससे डाउनलोड कर / देख सकते हैं।
सहायक मण्डल विद्युत अभियंता (क.व.स्टा)
सीपीआर/10/477 द.पू.म. रेलवे, बिलासपुर
South East Central Railway @secrail

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे

इंजीनियरिंग कार्य हेतु ई-निविदा सूचना

क्र.संख्या (1) ई-निविदा संख्या: डीआरएम - इंजी.-बीएसपी-टी-174-26-27, दिनांक: 27.10.2026.
कार्य: वरिष्ठ मंडल अभियंता/सेटलमेंट/ बिलासपुर के अधिकार क्षेत्र के अंतर्गत एसएसई/सिग्नल संख्या 1 & संख्या 2/ बिलासपुर के आधुनिक S&T गियर के लिए सिग्नलिंग डिपो के प्रावधान और संशोधन के संबंध में सिविल इंजीनियरिंग, इलेक्ट्रिक इंजीनियरिंग कार्यों का निष्पादन। **निविदा मूल्य: ₹3,80,77,947.70. अमानत राशि: ₹7,61,600.00. कार्य पूर्णता की अवधि:** 12 माह।
निविदा जमा करने की आरंभ तिथि: 05.11.2026। निविदा जमा करने की अंतिम तिथि: 19.11.2026 के 11.00 बजे तक।
उपरोक्त ई–निविदा सूचना की पूरी जानकारी वेबसाइट **https://www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध है। उपरोक्त निविदा हेतु ई–टेन्डर के अलावा अन्य निविदा स्वीकार नही की जाएगी।
मंडल रेलवे प्रबंधक(अभियंता)/ सीपीआर/10/पीएच/478 **बिलासपुर**
South East Central Railway @secrail

पूर्व तट रेलवे

सूचना सं.: eT-North-RGDA-13-2026
दिनांक: 04.11.2026
कार्य का नाम : रायगड़ा मण्डल के KK-II लाइन में जगदलपुर, खड़पा एवं आम्बागाँव स्टेशन पर OHE के साथ TM साइडिंग का 750 मीटर तक विस्तार।
विज्ञापित मूल्य : ₹ 7,83,19,677.21/-, **EMD :** ₹ 15,66,400/-, **कार्य पूरा होने की अवधि :** 06 (छह) महीने।
निविदा बंद होने की तिथि व समय : 27.11.2026 को 1500 बजे।
ऐसी ई-निविदा के तहत डाक/कूरियर/फैक्स या व्यक्तिगत रूप से भेजा गया कोई भी मैनुअल प्रस्ताव स्वीकार नहीं किया जायेगा, भले ही यह फर्म (Firm) के लेटर हेड एवं नियत समय पर प्राप्त किया गया हो। ऐसे सभी मैनुअल प्रस्ताव को किसी विचार के बिना तत्काल निरस्त कर दिया जायेगा।
उपरोक्त ई-निविदा के ई-निविदा दस्तावेज सहित संपूर्ण जानकारी वेबसाइट : **www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध होंगे।
ट्रष्टव्य : प्रत्याशित निविदाकारों को यह सलाह दी जाती है कि इस ई-निविदा के लिए जारी कोई भी परिवर्तन/शुद्धिपत्र की ओर ध्यान देने के लिए वे निविदा बंद होने की कम से कम 10 (दस) दिन पहले वेबसाइट का पुन:अवलोकन करें।
मण्डल रेलवे प्रबंधक (इंजीनियरिंग)/ रायगड़ा
PR-542/R/26-27

छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड, राजनांदगांव

आवश्यक सूचना

दीपावली एवं गोवर्धन पूजा के शुभ अवसर पर दिनांक 08.11.2026 (रविवार) एवं 09.11.2026 (सोमवार) को अनवरत विद्युत प्रदाय हेतु निम्नानुसार शहरी क्षेत्र हेतु कर्मचारियों को उनके नाम के सम्मुख दर्शाये अनुसार स्थायी/अस्थायी शिकायत केन्द्र में विशेष ड्यूटी लगाई गई है। इस अवधि में विद्युत प्रदाय बंद होने पर संबंधित कर्मचारी से संपर्क करें ताकि विद्युत व्यवधान संबंधी समस्या तत्काल हल की जा सके। इस हेतु सभी कर्मचारियों का दूरभाष / मोबाईल नं. दिया जा रहा है साथ ही विद्युत कंपनी के केन्द्रीकृत कॉल सेंटर 1912 एवं मोर बिजली एप के माध्यम से भी शिकायत दर्ज करवा सकते है।

क्र.	नाम	पद	मो.नं.	ड्यूटी समय	कार्य स्थल
1	श्री प्रकाश नारायण वर्मा	सहायक अभियंता ग्रा.उप संभाग राजनांदगांव	8770340999	शाम 4:00 बजे से रात्रि 12:00 तक	ग्रामीण उप संभाग
2	श्री रोहित मंडावी	सहायक अभियंता पूर्व जोन राजनांदगांव	9165915291	शाम 4:00 बजे से रात्रि 12:00 तक	कैलाश् नगर सब स्टेशन
3	श्री हिमांशु भुआर्य	सहायक अभियंता पश्चिम जोन राजनांदगांव	7987695332	शाम 4:00 बजे से रात्रि 12:00 तक	लालबाग सब स्टेशन
4	श्री कुबेर सिंह मरकाम	सहायक अभियंता बोरी उप संभाग	9424122634	शाम 4:00 बजे से रात्रि 12:00 तक	तुमडीबोड सब स्टेशन
5	श्री आर.के. साहू	सहायक अभियंता सोमनी उप संभाग	6232941190	शाम 4:00 बजे से रात्रि 12:00 तक	सोमनी सब स्टेशन
6	श्रीमती देवयानी	कनिष्ठ अभियंता पश्चिम जोन राजनांदगांव	9300437694	शाम 4:00 बजे से रात्रि 12:00 तक	रेवाड़ीह सब स्टेशन
7	श्री दुर्गेश मेश्राम	कनिष्ठ अभियंता सोमनी वि.के.	6232941192	शाम 4:00 बजे से रात्रि 12:00 तक	टेडेसरा सब स्टेशन
8	श्री सिद्धार्थ सिंह	कनिष्ठ अभियंता तुमडीबोड वि.के.	8982223854	शाम 4:00 बजे से रात्रि 12:00 तक	टप्पा सब स्टेशन
9	श्री कीर्ति कुमार देशमुख	कनिष्ठ अभियंता पश्चिम जोन राजनांदगांव	9907246174	शाम 4:00 बजे से रात्रि 12:00 तक	आर.के.नगर सब स्टेशन
10	श्री केशव साहू	कनिष्ठ अभियंता पूर्व जोन राजनांदगांव	7000977696	शाम 4:00 बजे से रात्रि 12:00 तक	मोहारा सब स्टेशन
11	श्री तामेश्वर	कनिष्ठ अभियंता घुमका वि.के.	8959685396	शाम 4:00 बजे से रात्रि 12:00 तक	घुमका सब स्टेशन
12	श्री शिव कुमार	कनिष्ठ अभियंता अर्जुनी वि.के.	8462977720	शाम 4:00 बजे से रात्रि 12:00 तक	अर्जुनी सब स्टेशन
13	श्री पूरनलाल कंवर	कनिष्ठ अभियंता ठेलकाडीह वि. के.	7587437477	शाम 4:00 बजे से रात्रि 12:00 तक	ठेलकाडीह सब स्टेशन
14	श्रीमती पूजा चन्द्राकर	कनिष्ठ अभियंता सिंघोला वि.के.	6232941195	शाम 4:00 बजे से रात्रि 12:00 तक	सिंघोला सब स्टेशन
15	श्रीमती मोनिका शाह मंडावी	कनिष्ठ अभियंता बोरी वि.के.	7646956300	शाम 4:00 बजे से रात्रि 12:00 तक	गठूला सब स्टेशन
16	श्री खिलेन्द्र साहू	कनिष्ठ अभियंता पश्चिम जोन राजनांदगांव	9009552280	शाम 4:00 बजे से रात्रि 12:00 तक	गंज मंडी सब स्टेशन
17	श्री आशीष कछवाहा	कनिष्ठ अभियंता उत्तर जोन राजनांदगांव	7470918189	शाम 4:00 बजे से रात्रि 12:00 तक	नवागांव सब स्टेशन
18	सुश्री एलिन कुजुर	कनिष्ठ अभियंता उत्तर जोन राजनांदगांव	8319632776	शाम 4:00 बजे से रात्रि 12:00 तक	चिखली सब स्टेशन

"दाई ददा मन बिजली बचाही तभे लईका मन बिजली पाही"
"स्वहित एवं राष्ट्रहित में ऊर्जा बचाएँ"

कार्यपालन अभियंता (संचा/संधा) संभाग
छ.स्टे.पॉ.डि.कं.लिमि., राजनांदगांव

छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड कांकेर
(छ.ग. शासन का एक उपक्रम) (छ.रा.विद्युत मण्डल की एक उत्तरदायी कम्पनी)

क्र. का.यं./का./सा./प्रकाशन/3554 कांकेर दिनांक 06/11/2026

आदेश

संभागीय कार्यालय की ओर से सभी अधिकारी/कर्मचारी को दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएं

दिनांक 08.11.2026 से 10.11.2026 तक दीपावली एवं गौवर्धन के पावन पर्व पर कांकेर (संचा/संधा) संभाग अन्तर्गत पूरे क्षेत्र की विद्युत व्यवस्था बनाये रखने हेतु निम्नलिखित अधिकारियों/कर्मचारियों को उनके नाम के सम्मुख दर्शाये गए स्थल एवं समय पर कार्य करने हेतु आदेशित किया जाता है ताकि दीपावली के पावन पर्व पर सम्मानीय विद्युत उपभोक्ताओं को निर्बाध एवं अनवरत रूप से विद्युत प्रवाह बनी रहे।

क्र.	अधिकारी / कर्मचारी का नाम एवं पदनाम	कार्यस्थल	समय	मोबाईल नम्बर
1	श्री आर. एस. प्रेमी सहायक यंत्री, श्री रमेश कुमार सिदार कनिष्ठ अभियंता	33/11 के.व्ही. उपकेन्द्र सरोना	दोप. 04:00 बजे से रात्रि 12:00 बजे तक	83197-21627 72239-33232
2	सुश्री दिपेशवरी मरकाम, कनिष्ठ यंत्री श्री फुल सिंह पटेल लाईन मेन	33/11 के.व्ही. उपकेन्द्र मुसुरपुट्टा	------ ;; ------	83059-13762 78058-88303
3	श्री हेमन्त कुमार कोसमा कनिष्ठ अभियंता, श्री सुभाष सेठिया लाईन मेन	33/11 के.व्ही. उपकेन्द्र नरहरपुर	------ ;; ------	83193-09521 96913-67967
4	सुश्री गंगा मरकाम कनिष्ठ अभियंता	33/11 के. व्ही. उपकेन्द्र अमोड़ा	------ ;; ------	93436-59491
5	श्री दिलीप शोरी, लाईन तकनीशियन, श्री मनीलाल मरकाम लाईन मेन	33/11 के.व्ही. उपकेन्द्र जुनवानी	------ ;; ------	98268-78170 75808-44082
6	श्री पुरन सिंह उसेण्डी लाईन मेन	33/11 के.व्ही. उपकेन्द्र जामगाँव	------ ;; ------	62663-37516
7	श्री कनेसिह भास्कर, टी.डी., श्री अश्वनी मरकाम सहा.ला.मेन	33/11 के.व्ही. उपकेन्द्र डूमरपानी	------ ;; ------	96178-67328 91317-36409

टीप:- (1) सभी सहायक यंत्री/कनिष्ठ यंत्री (संचा/संधा) अपने अधीनस्थ अधिकारियों/कर्मचारियों की दीपावली पर्व में समुचित स्थानों एवं संख्या में ड्यूटी लगावे ताकि दीपावली पर्व पर सम्मानीय उपभोक्ताओं को सतत विद्युत प्रवाह उपलब्ध हो सके। (2) प्रत्येक कनिष्ठ यंत्री / सहायक यंत्री सायं 4 बजे से रात्रि 12 बजे तक उपकेन्द्रो का प्रत्येक घण्टे का फीडर एवं ट्रांसफार्मर का लोड, सहायक यंत्री को नोट करायेंगे। (3) रात्रि में ही उपकेन्द्रों के सभी जम्पर इत्यादि का अवलोकन कर यदि कोई रिपेयर अथवा "रेड हॉट" हो तो प्रात 9 बजे के पूर्व सुधार कार्य सुनिश्चित करावे। (4) सहायक यंत्री / कनिष्ठ यंत्री वाहनों में डीजल इत्यादि की भरपूर व्यवस्था कर अपने अधीन तैयार रखें।

कार्यपालन यंत्री (संचा./संधा.)
छ.रा.वि.वित.कं.मर्या., कांकेर

छ.ग.स्टेट पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड
दीपावली में विद्युत व्यवस्था हेतु अतिरिक्त शिकायत केन्द्र

दीपावली के शुभ अवसर पर धमतरी शहर में विद्युत व्यवस्था सुचारू बनाए रखने हेतु **दिनांक 08.11.2026 एवं 09.11.2026 को संध्या 4.00 बजे से रात्रि 12.00 बजे तक** विद्युत संबंधी शिकायतों के त्वरित निराकरण हेतु निम्नांकित अतिरिक्त शिकायत केन्द्र की स्थापना की गयी है, अतः सम्माननीय विद्युत उपभोक्ताओं से निवेदन है कि निकटतम शिकायत केन्द्रों में अपनी विद्युत संबंधी शिकायत दर्ज करवाकर त्वरित निराकरण करावे।

क्र	शिकायत केन्द्र का स्थल	दूरभाष/मोबाईल नंबर	संबंधित क्षेत्र
1	फ्यूज आफ काल पावर हाउस बठेना धमतरी	07722233623, 07722233123, 8319958740, 9753558258	बठेना, गुजराती कालोनी, औद्योगिक वार्ड, नया बस स्टेण्ड, रायपुर रोड, घड़ी चौक, रत्नाबांधा चौक एवं आसपास का क्षेत्र।
2	बालक चौक ट्रांसफार्मर	9399497318, 8719918110	गोलबाजार, आमापारा, जालमपुर वार्ड, मकई चौक, पुराना बस स्टेण्ड एवं आसपास का क्षेत्र
3	रामबाग चौक ट्रांसफार्मर	7987005171, 7879896417	रामबाग, बिलाईमाता, दानीटोला, रामपुर वार्ड, सफीपुर पारा, गोकुलपुर, रूद्री रोड ब्राम्हणपारा, सदर बाजार, कोष्टापारा, साल्हेवारपारा एवं आसपास का क्षेत्र।
4	रत्नाबांधा चौक मुजफ्फर हुसैन पेट्रोल पंप	8225996437, 8839917664	बनियापारा, रिसाई पारा, विवेकानंद कालोनी, रत्नाबांधा रोड, हटकेशर, लाल बगीचा एवं आसपास का क्षेत्र।
5	33/11 के.वी. उपकेन्द्र कलेक्टरेट	8234072555, 8319470206	कलेक्टरेट गोकुलपुर विद्युत उपकेन्द्र से विद्युत प्राप्त करने वाले समस्त क्षेत्र।
6	चमेली चौक ट्रांसफार्मर	9309332791, 9522071792	गोलबाजार, आमापारा, जालमपुर वार्ड, मकई चौक, पुराना बस स्टेण्ड एवं आसपास का क्षेत्र
7	33/11 के.वी. उपकेन्द्र हाउसिंग बोर्ड कालोनी	9977093212	हाउसिंग बोर्ड कालोनी , विवेकानंद कालोनी, रत्नाबांधा रोड, संबंधित समस्त क्षेत्र।
8	अम्बेडकर चौक ट्रांसफार्मर	7999094055, 7999021415	सोरिद, जोधापुर, मछली पसरा इलाका, बस्तर रोड अम्बेडकर चौक, रूद्री रोड।

"स्वहित एवं राष्ट्रहित में विद्युत की बचत करें।"

कार्यपालन अभियंता (संचा / संधा) संभाग
छ.स्टे.पा.डि.कं. लि. धमतरी

**कार्यालय नगर पालिक निगम धमतरी,


हीरो मना रहा है भारत की कला शैलियों का जश्न. पेश है तमिलनाडु के **रुबेशकुमार टी** की **तंजौर कला.**
Hero
Hero
भरोसा सोने सा खरा
दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएँ
HF-Deluxe Pro
Splendor+ XTEC 2.0
हर दिन एक हीरो टू-व्हीलर® जीतने का मौका पाएं.
सोने का सिक्का और बहुत कुछ जीतने का मौका पाएं®
कैश डिस्काउंट ₹2500~ तक
इंस्टेंट कैशबैक ₹10000^ तक
SBI card HDFC BANK pine labs
कम डाउन पेमेंट ₹6999^ से शुरू
कॉर्पोरेट ऑफर्स ₹2200~ तक
For bulk / institutional inquiries, please write to us at : institutionalsales@heromotocorp.com | Available in CSD
INDIA'S FIRST 5 YEAR WARRANTY *Conditions apply
Hero GoodLife
Also Available on: Flipkart amazon.in
T&C Hero MotoCorp Ltd. Regd. Office: The Grand Plaza, Plot No.2, Nelson Mandela Road, Vasant Kunj Phase - II, New Delhi - 110070, India. I CIN: L35911DL1984PLC017354 I For further information, contact your nearest Hero MotoCorp authorized outlet or visit us on www.HeroMotoCorp.com. Accessories and features shown may not be a part of standard fitment. Always wear a helmet while riding a two-wheeler. ~Offer amount and combination of offer may vary for model/variant and states and it is applicable on select models only, for a limited time period or till stock lasts. Cash discount & Corporate offer are exclusive and can't be availed together ^Finance/Card offer are at the sole discretion of the financier/bank, Subject to their respective T&Cs, 100% finance applicable on Ex-showroom price, Offer available only on limited stores. ®Offer is only for New Goodlife members, Limited period offer-T&C apply.
TOLL FREE 1800 266 0018
अधिकृत डीलर: रायपुर: छत्तीसगढ़ हीरो 9289922351, आरसन हीरो 9289922864, राजनांदगांव: जय हीरो 9289922357, धमतरी: सत्योम हीरो 9289922525, बाकेर: राहुल हीरो 9289922834, महासमुंद: वत्स हीरो 9289922623. बलोदाबाजार: अग्रवाल हीरो 9289922959, आरंग: श्री राम हीरो 9289922968, बेमेतरा: श्री सांई हीरो 9289922835, कवर्धा: सरस्वती हीरो 9289922958, जगदलपुर: विजयपाल हीरो 9289923064, दंतेवाड़ा: जय विजय हीरो 9289922990, दल्लीराजहरा: लक्ष्मी हीरो 9289922983, भाटापारा: कुशल हीरो 9289923052, भिलाई: इंडियन हीरो 9289922355, चौहान मोटर्स, 9289233817, दुर्ग: उत्सव हीरो 9289923114, उत्सव हीरो: (स्टेशन रोड) 7000595300, **एसोशिएट डीलर:** रायपुर: संजय ऑटोव्हील 9289924245, 0771-4266555, पंडरिया: ललित सर्विसेज़ 8770383767, भनपुरी: ओम ऑटो एजेंसी: 6261535855, दोमुहानी: किरण मोटर्स 9754069392, लवन: गणपति ऑटो 9926601111/ 9340379300, पिथौरी: श्री राम मोटर्स: 8462900028/9340005833 मुंगेर: श्री गुरुनानक ऑटो, 8349484458 / 7224880123, बोडला: विक्की मोटर्स: 9755583102, पांडातराई: शक्ति ऑटोमोबाइल्स: 9179035073, अभनपुर: राजधानी ऑटोमोबाइल्स, 9325529033, छुरिया: अंकित ऑटो: 9425240565, महासमुंद: श्री मोटर्स 9165525555/9009866899 राजिम: गुरुदेव ऑटोमोबाईल्स 9977280000, खरोरा: अग्रवाल मोटर्स 9424212141, सरायपाली: बंसल ऑटो 9425513611, ओंगरगढ़: युवराज मोटर्स 8085160380, तिल्दा: आरसन मोटर्स 9340335266, नगरी: हर्ष ऑटो 8109502100, भाटन: दिव्या ऑटो 9893492107, बालाहरा: प्रियंका ऑटोकेयर 9131058752, कोमाखान: आहुजा ऑटोमोबाईल्स 9131794017/9993861888, नारायणपुर: गुरुनानक ऑटो 9425596290, केशकाल: साहिल ऑटो सेल्स 9893199247, झगरखंड: किरन ऑटोकेयर 9754069392, जरसगांव: राजा ऑटोमोबाईल्स 9425594144, बेरला: कान्हा मोटर्स 6260472025, कसडोल: बजरंग मोटर्स 9425511973, बालोद: जैन ऑटोकेयर 9425563502, सिमगा: माँ सरवेश्वरी ऑटोमोबाईल्स 9301361155, परियाबंद: छत्तीगढ़ ऑटो केयर 8319358443, घरोदा: सत्यम ऑटोमोबाईल्स 9977155055, गुंदरदेही: एम.एम. ऑटो 9893542300/ 8720051135, जामुल: जय अम्बे ऑटो एजेंसी 9826386346, रिसाली: भारत मोटर्स 9993417123, किरोबर: अभिषेक ऑटो, 9977737000 / 9300093200, भिलाई-3: महावीर मोटर्स, 8109100019, कुरुद: शिव ऑटो, 8305711110/ 9993454103, इरमिनार-कोलेज: अंशू ऑटो, 9406054292, पखांजूर: रिशान सर्विसेज, 6267323235, मोहारा पादर: गोविंद ऑटो केयर, 9303664769, कुकुदुर: दिलीप मोटर्स, 7869151152, सुकमा: आशुतोष ऑटोमोबाइल, 9425260291, भानुप्रतापपुर: संस्कार मोटर्स, 9406203600, मानपुर: दिलीप ऑटो केयर, 7999054324, लाखोली: शुभम ऑटो केयर, 9754000069, अम्बागढ़ चौकी: अमर मोटर्स, 9827969901, सालेवाड़ा: साई मोटर्स, 9754329434, राजिम: राजीव लोचन ऑटोमोबाइल्स, 7000186678, सारागांव: जी वी मोटर्स, 7566666243, सरसीवा: श्रीराम ऑटो, 6260060443, बीजापुर: माँ भवानी ऑटोमोबाइल्स, 9301683268/7987037477, पारामा: **श्री करणी ऑटोमोबाइल**, 9827894444, गुदिहारी: श्री राम मोटर्स, 7697966999/9425502611, भखारा: प्रेम ऑटो, 8770027422, **डीलर एक्सटेंशन काउंटर:** रायपुर: आरसन हीरो (फाफाडीह) 7428587575, 0771-4000233, भिलाई (सुपेला) इंडियन हीरो 0788-4911301, 8305597651, **ऐडिशनल वर्कशॉप:** रायपुर: आरसन मोटर्स (फाफाडीह) 7697868545/0771-4000233, आरसन मोटर्स (टिकरपारा) 2274333/666, राजधानी ऑटो केयर, (रिंग रोड नं.1, तेलीबांधा चौक) 0771-2420037, **जेन्युईन स्पेअर पार्ट्स के लिए संपर्क करें: अधिकृत स्टॉकिस्ट:** संजय ऑटोमोबाईल्स 2226732/7474. **Hero Sure (Buy, Sell, Exchange Any Used Two Wheeler)** रायपुर: आरसन हीरो 9285052266, भिलाई: इंडियन हीरो 9289922355, दल्लीराजहरा: लक्ष्मी हीरो 9289922983.
Cheil 33547/26

लिक्विड फंड चुनने में रिटर्न नहीं, पोर्टफोलियो का दम देखें



बचत खाते में पैसा रखने के बजाय बेहतर रिटर्न की तलाश करने वाले निवेशकों के लिए लिक्विड म्यूचुअल फंड एक विकल्प हो सकते हैं। ये फंड आमतौर पर 91 दिनों तक की परिपक्वता वाली ऋण प्रतिभूतियों में निवेश करते हैं। कम अवधि के कारण इनमें ब्याज दरों में बदलाव का असर अपेक्षाकृत जल्दी दिखाई दे सकता है। हालांकि, इन्हें बैंक की सावधि जमा की तरह पूरी तरह जोखिम-मुक्त नहीं माना जाना चाहिए। ऐसे में लिक्विड फंड चुनते समय केवल पिछले रिटर्न के बजाय उसके पोर्टफोलियो, खर्च और जोखिम के पैमानों को समझना जरूरी है। फाइनेंशियल एक्सप्रेस में प्रकाशित इक्विटीमास्टर के विश्लेषण के अनुसार, पिछले एक साल में लिक्विड फंड श्रेणी का औसत मध्य रिटर्न 6.42 प्रतिशत रहा। कम से कम तीन साल का रिकॉर्ड रखने वाले 36 फंडों में सबसे बेहतर रिटर्न 6.52 प्रतिशत और सबसे कम 5.72 प्रतिशत रहा। यानी दोनों के बीच केवल 0.80 प्रतिशत अंक का अंतर था। ऐसे में निवेश का फैसला करते समय फंड के पोर्टफोलियो और जोखिम अनुपात की भूमिका अहम हो जाती है। विश्लेषण में एक साल के रिटर्न के साथ मानक विचलन, शार्प और सॉर्टिनो अनुपात को भी आधार बनाया गया। इसी आधार पर तीन लिक्विड फंड सामने आए।

फ्रैंकलिन इंडिया लिक्विड फंड

फ्रैंकलिन इंडिया लिक्विड फंड ने एक साल में 6.49% रिटर्न दिया। 36 फंडों में इसका स्थान तीसरा रहा। शार्प अनुपात 1.99 के साथ यह छठे स्थान पर रहा। छह महीने के प्रदर्शन में इसने 3.21% रिटर्न दिया, जो इन तीनों फंडों में सबसे अधिक था। इसके पोर्टफोलियो का करीब 81% हिस्सा ए1+ रेटिंग वाली प्रतिभूतियों में है। इसके अलावा 3.8 प्रतिशत एएए रेटिंग वाले निवेश और 0.5 प्रतिशत ट्रेजरी बिल में है। करीब 14.7% हिस्सा नकदी और कॉल मनी में रखा गया है। तीनों फंडों में इसका नकदी हिस्सा सबसे अधिक है। इसकी औसत परिपक्वता अवधि 35 दिन और पोर्टफोलियो यील्ड 6.34 प्रतिशत है। डायरेक्ट सुपर इंस्टीट्यूशनल प्लान का आधार व्यय अनुपात 0.12% बताया गया है।

यूनियन लिक्विड फंड

यूनियन लिक्विड फंड ने एक साल में 6.44 प्रतिशत रिटर्न दिया और 36 फंडों में 14वां स्थान हासिल किया। हालांकि, इसका शार्प अनुपात 2.02 रहा, जो इन तीनों में सबसे बेहतर है। इसका मानक विचलन 0.22 प्रतिशत रहा, जो तीनों फंडों में सबसे कम है। फंड के पोर्टफोलियो का करीब 91 प्रतिशत हिस्सा ए1+ रेटिंग वाली प्रतिभूतियों में है। इसमें 15.2 प्रतिशत सरकारी प्रतिभूतियां और 5.4 प्रतिशत एएए रेटिंग वाले निवेश शामिल हैं। इसका पोर्टफोलियो यील्ड 6.58 प्रतिशत है, जो इन तीनों में सबसे अधिक है। डायरेक्ट प्लान का खर्च अनुपात 0.06 से 0.07 प्रतिशत के बीच है। इसकी औसत परिपक्वता अवधि करीब 58 दिन है।

टाटा लिक्विड फंड

टाटा लिक्विड फंड ने एक साल में 6.43 प्रतिशत रिटर्न दिया। शार्प अनुपात 1.95 रहा। इसका मानक विचलन 0.23 प्रतिशत है। पोर्टफोलियो का करीब 85 प्रतिशत हिस्सा ए1+ रेटिंग वाली प्रतिभूतियों में और 17 प्रतिशत सरकारी प्रतिभूतियों में है। इसकी औसत परिपक्वता अवधि 53 दिन और पोर्टफोलियो यील्ड 6.44 प्रतिशत है।

बिजनेस साइट

इट्सा हॉस्पिटल्स के डॉ. राहुल प्रजापति का शोध अंतरराष्ट्रीय मेडिकल जर्नल में प्रकाशित

रायपुर। इट्सा हॉस्पिटल्स के कंसल्टेंट इंफेक्शियस डिजीज स्पेशलिस्ट डॉ. राहुल प्रजापति के शोध को अंतरराष्ट्रीय पहचान मिली है। उनका शोध प्रतिष्ठित मेडिकल जर्नल एनाल्स ऑफ अफ्रीकन मेडिसिन में प्रकाशित हुआ है। इस अध्ययन में सेप्सिस से पीड़ित आईसीयू मरीजों में होने वाले गंभीर फंगल संक्रमण कैंडिडीमिया और उसके जोखिम कारकों का विश्लेषण किया गया है। डॉ. राहुल प्रजापति ने रायपुर के एक तृतीयक चिकित्सा केंद्र में भर्ती सेप्सिस के 1,128 आईसीयू मरीजों पर प्रॉस्पेक्टिव ऑब्जर्वेशनल स्टडी की। अध्ययन में सामने आया कि सेप्सिस के प्रत्येक 100 मरीजों में से लगभग 5 को कैंडिडीमिया होने का खतरा रहता है। यह संक्रमण तब होता है, जब कैंडिडा नामक फंगस रक्तप्रवाह में पहुंच जाता है। गंभीर मरीजों में यह संक्रमण जानलेवा भी हो सकता है।



सेप्सिस के 1,128 आईसीयू मरीजों पर किया अध्ययन



डायबिटीज और वेंटिलेटर का इस्तेमाल जोखिम कारक

अध्ययन में नॉन-अल्बिकन्स कैंडिडा प्रजातियों की प्रमुख मौजूदगी सामने आई। साथ ही, आमतौर पर इस्तेमाल होने वाली एंटीफंगल दवाओं के प्रति बढ़ती प्रतिरोधक क्षमता भी महत्वपूर्ण निष्कर्ष रही। डायबिटीज, किडनी की पुरानी बीमारी, कैथेटर का इस्तेमाल और वेंटिलेटर पर रखे जाने को संक्रमण के प्रमुख जोखिम कारकों के रूप में पहचाना गया। शोध के अनुसार, कैंडिडा फंगस कैथेटर और सेंट्रल लाइन जैसे मेडिकल उपकरणों की सतह पर बायोफिल्म बना सकता है। इससे संक्रमण का इलाज कठिन हो सकता है। ऐसे में समय पर संक्रमण की पहचान, सही एंटीफंगल दवा का चयन और मरीज की स्थिति के अनुसार उपचार जरूरी है। डॉ. राहुल प्रजापति ने एमबीबीएस और जनरल मेडिसिन में डीएनबी के बाद एम्स रायपुर से क्लिनिकल इंफेक्शियस डिजीज में डीएम की डिग्री प्राप्त की है।

श्रीजी ज्वेलर्स में दीपावली और विवाह के लिए सोने-चांदी के खास कलेक्शन



रायपुर। दीपावली और विवाह के सीजन को देखते हुए सुंदर नगर स्थित श्रीजी ज्वेलर्स ने सोने और चांदी के आभूषणों का विशेष संग्रह पेश किया है। इसमें पारंपरिक गहनों के साथ आधुनिक डिजाइन के विकल्प भी शामिल हैं। प्रतिष्ठान में त्योहारों की खरीदारी, लक्ष्मी पूजन, उपहार और शादी-ब्याह की जरूरतों को ध्यान में रखकर आभूषणों की रेंज तैयार की गई है। संचालक अनिल कुमार सराफ, विनय सराफ और श्रुति सराफ के अनुसार, ग्राहकों को उचित कीमत पर बेहतर डिजाइन उपलब्ध कराना प्रतिष्ठान का उद्देश्य है।

925 सिल्वर और विंटेज डिजाइन भी

चांदी के कलेक्शन में 925 स्टर्लिंग सिल्वर के आभूषणों के साथ विंटेज शैली के डिजाइन शामिल हैं। इसके अलावा लक्ष्मी पूजन और उपहार देने के लिए चांदी के बर्तन, मूर्तियां और सिक्के भी उपलब्ध हैं। प्रतिष्ठान के अनुसार, त्योहारी अवधि में हर खरीदारी पर उपहार देने की पेशकश भी की जा रही है।

दिवाली पर गोल्ड या सिल्वर ईटीएफ में कहां लगाएं पैसा?

दिवाली पर सोना खरीदना शुभ माना जाता है। इसी वजह से कई निवेशक त्योहार के मौके पर गोल्ड और सिल्वर में पैसा लगाने की योजना बनाते हैं। हालांकि, अब भौतिक सोने-चांदी के साथ एक्सचेंज ट्रेडेड फंड (ईटीएफ) भी निवेश का एक विकल्प बन गए हैं। इनके जरिये निवेशक बिना धातु को खरीदे और संभालकर रखे, उसकी कीमतों में होने वाले बदलाव का लाभ ले सकते हैं। लेकिन सवाल यह है कि इस दिवाली गोल्ड ईटीएफ बेहतर रहेगा या सिल्वर ईटीएफ? इसका जवाब केवल पिछले रिटर्न में नहीं, बल्कि निवेश के उद्देश्य और जोखिम उठाने की क्षमता में छिपा है। सोना और चांदी दोनों कीमती धातुएं हैं, लेकिन इनके दाम तय होने के कारक अलग-अलग हैं। सोना आर्थिक अनिश्चितता और महंगाई के दौर में निवेशकों के लिए सुरक्षा का माध्यम माना जाता है। वहीं, चांदी का इस्तेमाल औद्योगिक गतिविधियों में भी होता है। इसलिए इसकी कीमत पर निवेश की मांग के साथ उद्योगों की जरूरत का भी असर पड़ता है। इसमें तेजी के साथ गिरावट की आशंका भी अधिक रहती है। निवेश से पहले इन पांच बातों को समझना जरूरी है।

सोने और चांदी की भूमिका को समझें

गोल्ड ईटीएफ और सिल्वर ईटीएफ को एक जैसा निवेश विकल्प नहीं मानना चाहिए। सोना आमतौर पर आर्थिक अनिश्चितता, महंगाई और बाजार में अस्थिरता के दौरान पोर्टफोलियो को संतुलन देने में मदद करता है। इसके मुकाबले चांदी की कीमत औद्योगिक मांग से भी प्रभावित होती है। इलेक्ट्रॉनिक्स और अन्य औद्योगिक क्षेत्रों में इसकी जरूरत बढ़ने या घटने का असर कीमतों पर पड़ सकता है। पिछले एक साल में चांदी ने सोने से बेहतर प्रदर्शन किया, लेकिन बीते छह महीनों में दोनों की कीमतों पर दबाव रहा। इसलिए केवल हालिया रिटर्न देखकर निवेश का फैसला न करें।

पहली बार निवेश कर रहे हैं तो सोने से करें शुरुआत

यदि आप पहली बार कीमती धातुओं में निवेश कर रहे हैं और ज्यादा जोखिम नहीं लेना चाहते तो गोल्ड ईटीएफ से शुरुआत पर विचार कर सकते हैं। इसकी तुलना में सिल्वर ईटीएफ में कीमतों का उतार-चढ़ाव अधिक हो सकता है। जिन निवेशकों के पास पहले से सोना है और निवेश की अवधि लंबी है, वे अपने पोर्टफोलियो में सीमित मात्रा में चांदी शामिल करने पर विचार कर सकते हैं।

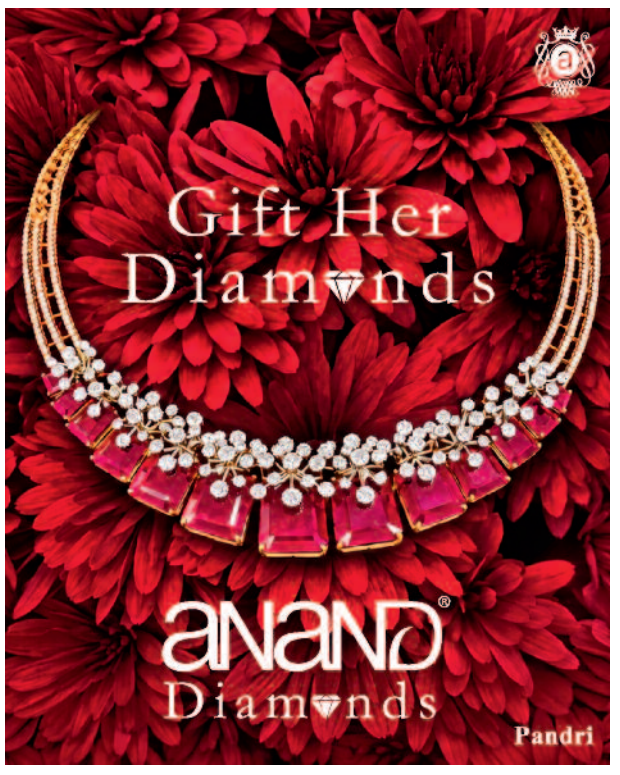

epaper : www.haribhoomi.com
Email : response.haribhoomi@gmail.com
हरिभूमि CLASSIFIED
आवश्यकता आपकी सुविधा हमारी
Contact for advertisment booking : Raipur- 6263818152 79871-19756

Appointment आवश्यकता

मजदूर

आवश्यकता है- कारखाना हेतु मजदूरों की आवश्यकता है। तिल्दा रायपुर के एक इस्पात एवं पावर कंपनी हेतु 14 नवंबर तक 100 मजदूरों की आवश्यकता है, ESI एवं PF जमा होने के बाद 15000/- वेतन मिलेगा **संपर्क करें- सम्राट केवट रायपुर 6260168921.**(आरो-243)

इलेक्ट्रीशियन

आवश्यकता है- कंपनी हेतु आवश्यकता है पैनल संबंधित हेतु इलेक्ट्रीशियन की, श्री कालूका स्टील प्राइवेट लिमिटेड, हथखोज निरोस इस्पात कंपनी के पास भिलाई संपर्क करें:- 79740-79907.(आरो न.-4178)

कैफे कार्य

आवश्यकता है- कैफे में कार्य करने हेतु लड़कों/लड़कियों की आवश्यकता है। वेतन योग्यतानुसार। तुरंत जॉइन करें। संपर्क करें - 9975618165 / 9818048478. स्थानः रायपुर (आरो-21)

हरिभूमि क्लासीफाईड छोटा विज्ञापन बड़ा लाभ

CLASSIFIED RATE CARD हरिभूमि 01 अप्रैल 2025 से लागू
समाचार ही नहीं, विचार भी

EDITION	Appointment	Service/Business	Property Rent & Sale	Display
Raipur City	500	620	550	175/- Sq cm
Bhilai + Durg Edition	440	560	520	150/- Sq cm
Bilaspur City	440	500	520	140/- Sq cm
Raipur All Edition	720	820	800	240/- Sq cm
Bilaspur All Edition	610	780	690	195/- Sq cm
All CG	1000	1150	1120	310/- Sq cm
All CG + MP	1280	1750	1600	330/- Sq cm
All Edition	1700	2100	2000	380/- Sq cm

SCHEME
COLOUR 20% Extra Charge For Display
GST For All Ad

EDITION	RATE	
Raipur City	3000	2+1
Bhilai + Durg Edition	2800	5+3
Raipur Edition	4400	10+10
Bilaspur City	2500	15+18
Bilaspur Edition	3800	
All CG	5500	

MATRIMONIAL CG+MP
(Runing Matter) (Size 5x1 Box)
500 /- 1 Sunday 800 /- 1 Sunday
900 /- 2 Sunday 1200 /- 2 Sunday
1200/-3 Sunday 1500/- 3 Sunday

HEALTH CARE 10X1 FIX SIZE

Raipur City	55000	85000	1,10,000
Bilai + Durg Edition	50000	80000	1,00000
Bilaspur City	40000	70000	1,00000
Raipur All Edition	70000	1,20,000	1,60,000
Bilaspur All Edition	55000	1,00000	1,20,000
All CG	1,10,000	1,80,000	2,30,000

CONTACT:- HARI BHOOMI PRESS
Dhamtari Road, Tikarapara, Raipur Ph.: 0771-4242242, Mob.: 09098138778 E-mail- response.haribhoomi@gmail.com
Ring Road-2, Gourav Path Marg, Bilaspur. Mob.: 9826782100 E-mail- hbclassified375@gmail.com



आवश्यक सूचना
पाठकों से अनुरोध है कि वे समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संबंध में किसी भी प्रकार का कदम उठाने (जैसे भेजने, कोई भी राशि उठाने, चिकित्सकीय सलाह, विवाह संबंधित) या किसी भी सौदे-व्यवहार पर आगे कदम से पहले अच्छी तरह से जांच पड़ताल कर लें। पाठक पूर्ण जानकारी लेवे व स्वविवेक से निर्णय लेकर ही लेन देन करें। किसी भी उत्पाद या सेवाओं के संबंध में दिए किसी भी विज्ञापनदाता के किसी प्रकार के दावों की हरिभूमि (प्रेस प्रबंधक व कर्मचारी) की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी। प्रकाशक, संपादक कर्मचारी और हरिभूमि के स्वामी किसी विज्ञापन के संबंध में उठाए किसी कदम के नतीजे और विज्ञापन दावाओं के अपने वादों पर खरा न उतरने के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।



हरिभूमि HEALTH CARE छत्तीसगढ़ के मेडिकल विशेषज्ञ

सुविधाएं: मेडिसिन, पॉलीट्रामा, बर्न एण्ड प्लास्टिक लप्रोस्कोपिक सर्जरी, जनरल सर्जरी, स्पाईन एण्ड न्यूरो सर्जरी, आर्थो, कैंसर (कीमोथैरेपी व सर्जरी), स्त्री रोग, जोड़ प्रत्यारोपण
पाल जी स्वास्तिक नर्सिंग होम
बर्न एण्ड पॉलीट्रामा सेंटर मल्टी स्पेशलिटी हॉस्पिटल
(आयुष्मान भारत स्कीम के तहत निःशुल्क ईलाज की सुविधा उपलब्ध)
श्यामनगर जल विहार कॉलोनी पानी टंकी के पास तेलीबांधा मरीन ड्राइव के पीछे
मो. 7991031330 मो. 0771-4347172

अहलूवालिया हॉस्पिटल
81031 28515, 0771-4050006
नेमीचंद गली, रामसागर पारा, स्टेशन रोड रायपुर
• कान, नाक, गला रोग • Hearing Aids • दंत रोग • मुख के कैंसर/प्लास्टिक सर्जरी • चक्कर, खरांटे

डायबिटिज मधुमेह का सर्वोत्तम इलाज - अब दिल्ली, मुंबई, चेन्नई क्यू जाना
मधुमीत डायबिटिज हॉस्पिटल
डॉ राका शिवहरे MBBS, MD FNIC FIPA
भर्ती सुविधा उपलब्ध
Ecg, Echo, Tmt, Doppler, Carotid, Doppler, Insulin, Pump, Cgms, Homa IR
शिव मंदिर चौक, अवंति विहार, रायपुर, मो. 8269885003, मो. 7389485756

अष्टविनायक हॉस्पिटल
बच्चों एवं महिलाओं का अस्पताल
• प्रसूति • नवजात • शिशु रोग • सभी प्रकार के ऑपरेशन • सोनोग्राफी • आयुष्मान कार्ड • बच्चो के ऑपरेशन • अनुभवी डॉक्टर्स प्रतिदिन
आमा सिवनी, विधानसभा रोड, रायपुर (छ.ग.), 9826182221 9301744425

AB आई हॉस्पिटल
आयुष्मान कार्ड एवं इंश्योरेंस सुविधा उपलब्ध
लेज़र मोतियाबिंद ऑपरेशन किफायती दरों में
पता : - 119/A सेक्टर - 3, गीतांजली नगर, रायपुर | मो.: 8815096478

डायबिटीज / शुगर संबंधी सभी समस्याएं, थायराइड, मोटापा, प्रेग्नेंसी डायबिटिस, फुलबॉडी चेकअप, डायबिटिक सेक्स रोग, नसों की सुन्नता।
डायबिटिक क्लीनिक
Dr. Satyajeet Sahu Advance Dibetes & Thyroid care centre
Diabetic Clinic
Appointments No. 7724035770 9329004557 9303724304
17, गुरूकुल कॉम्पलेक्स, कालीबाड़ी रायपुर, समय - सुबह 10 से 5, शाम 6 से रात 9 बजे तक

कान, नाक, गला, एलर्जी एवं वर्टिगो (चक्कर) कोअब्लेशन एवं लेजर सर्जरी हॉस्पिटल
डॉ. जाऊलकर ई.एन.टी. हॉस्पिटल
सेन्ट्रल एवेन्यू चौबे कालोनी प्रगति कॉलेज रायपुर (छ.ग.) (ISO 9001-2000 Certified)
फोनः 0771-4044551 समयः सुबह 9.30 से 4.30 तक

सभी प्रकार के स्किन एवं बाल संबंधी समस्याओं का निदान, मुंहासे, झांई, झुर्रियों का इलाज, अनचाहे बालों हेतु लेजर ट्रीटमेंट
सिंघानिया स्किन केयर
Makeover Skin, Hair & Aesthetic Cente
36, प्रथम तल, गुरूकुल कॉम्प्लेक्स कालीबाड़ी, रायपुर 0771-4053311
Email:bsinghania111@yahoo.co.in
रानी सती मंदिर के पास, केनाल लिंकिंग रोड, रवीनगर, राजातालाब, रायपुर
मो. 94252-14479 0771-4020411
www.makeoverraipur.com
त्वचा व बाल संबंधी समस्याओं का इलाज

उपलब्ध विशेषताएं
• लेप्रोस्कॉपिक एवं जनरल सर्जरी • जनरल मेडीसीन • ऑर्थोपेडिक्स • जोड़ प्रत्यारोपण सर्जरी • ऑन्कोलॉजी (सर्जिकल) • गायनेकोलॉजी
अग्रवाल हॉस्पिटल
(मल्टीस्पेशियेलिटी सेन्टर)
जी.ई.रोड, आर.के.सी. कॉम्पलेक्स के सामने, रायपुर (छ.ग. 492001)
फोनः +91-0771-4088107/108, ईमरजेंसी नंबर 9109187755, डॉ. सजन अग्रवाल - 9329101037
लेप्रोस्कॉपिक सर्जरी में सभी प्रकार की हार्निया, अपेन्डिक्स, पित की थैली, बच्चादानी आदि से संबंधित ऑपरेशन सभी तरह की कैंसर सर्जरी एवं कीमोथेरेपी की सुविधा उपलब्ध OPD समय - शाम 4 से 6 बजे

डॉ. मनोज अग्रवाला
एमडी (सीएमसी वेल्लोर) (गोल्ड मेडलिस्ट)
चौबे कॉलोनी, रायपुर (छत्तीसगढ़) 0771-4003777, 77778-76292
स्किन क्लिनिक
सेवाएं • मुहासें • सोरासिस • स्किन एलर्जी • पिगमेंटेशन • विटिलियो / ल्यूकोडरमा • पीआरपी थेरेपी • एलोपेसिया • अर्टीकेरिया • फंगल इंफेक्शन • टैली कंसल्टेशन • लेजर थेरेपी

विज्ञापन हेतु संपर्क करें:-
7987119756, 9303508130

कार्यालय अधीक्षण अभियंता (नगर वृत्त)-दो छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत वितरण कंपनी मर्यादित, रायपुर

:: आवश्यक सूचना ::

विद्युत कंपनी की ओर से सम्माननीय विद्युत उपभोक्ताओं को दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएं। समस्त विद्युत उपभोक्ताओं को सूचित किया जाता है। दीपावली पर्व पर विद्युत शिकायत को दूर करने हेतु **दिनांक 06.11.2026 से 08.11.2026 तक प्रतिदिन साय 4:00 बजे से रात्रि 12:00 बजे तक** रायपुर (नगर वृत्त-2) के विभिन्न स्थलों पर अस्थायी शिकायत केन्द्र स्थापित किये गये हैं। पूर्व स्थायी शिकायत केन्द्र यथावत रहेंगे जिसमें उपभोक्तागण अपनी शिकायत दर्ज कर शिकायत का त्वरित निराकरण पा सकते हैं। छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत वितरण कंपनी सम्माननीय उपभोक्ताओं से निवेदन करता है कि विद्युत खम्भों एवं ट्रांसफार्मर के आजु-बाजु या आस-पास विद्युत तारों के नीचे पटाखे न जलायें, ताकि अप्रिय घटना से बचा जा सके।

क्रं.	संभाग	विद्युत शिकायत केन्द्र (स्थायी)	दूरभाष क्रमांक
1	नगर संभाग उत्तर, गुढ़ियारी रायपुर	एफ.ओ.सी. गुढ़ियारी (स्थायी)	07712593892, 6232923191
2		एफ.ओ.सी. खमतराई (स्थायी)	07712576317, 6232923195
3		एफ.ओ.सी. टाटीबंध (स्थायी)	07712574755, 6232923193
4		एफ.ओ.सी. कबीर नगर (स्थायी)	07712574024, 6232923197
5		**विद्युत शिकायत केन्द्र (अस्थायी)**	**दूरभाष क्रमांक**
6		33/11 के. व्ही. उपकेन्द्र, भवानी नगर	7898308184, 9171877265
7		कोटा सब-स्टेशन	9171877319
8		33/11 के.व्ही. सब स्टेशन कलिंग नगर	9165431184
9		33/11 के.व्ही. सब स्टेशन रामायणा	9171877324, 7049434051
10		टाटीबंध 33/11 केव्ही सब स्टेशन	7987897005
11		हीरापुर बाजार	9171877296
12		33/11 केव्ही अटारी उपकेन्द्र	9584389501
13		33/11 केव्ही कारा उपकेन्द्र	7067216430
14		कबीर नगर 33/11 के.व्ही. सब स्टेशन (पुराना)	9755060800
15		कबीर नगर 33/11 के.व्ही. सब स्टेशन (नया)	8839443256
16		मारुती लाईफ स्टाइल 33/11 के.व्ही. सब स्टेशन	8889520205
17		भनपुरी बस्ती (दरी तालाब के पास	9171877294, 9399161471
18		33/11 के.व्ही. खमतराई सब स्टेशन	9171877313, 9171877340
19		33/11 के.व्ही. गोंदवारा सब स्टेशन	9300719233, 9171877287
20		33/11 के.वी. सन्यासी पारा सब स्टेशन	9171877310, 9171877329
21		33/11 के.वी. सब स्टेशन आर.डी.ए.	9171877296, 8085087645
22		कबीर नगर 33/11 के. व्ही सबस्टेशन एवं उच्चदाब सुधार गैंग (पुराना)	9171877325, 9171877309
23		33/11 के.वी. सिंगापूर सब–स्टेशन, मारूती सब स्टेशन एवं मोहबा बाजार	8889520205
24		33/11 के.वी. सोनडोंगरी सब-स्टेशन एवं तेंदुआ बस्ती	7974243858, 8103511844
25		गोगांव	9340484151
26		33/11 के.व्ही. खमतराई थाना	7898883552, 8871292490
27		33/11 के.व्ही. उमिया मार्केट सब-स्टेशन	7987218895, 8889789275
1	(संचा–संधा.) संभाग सिलतरा	मांढर मुख्यालय	9171879108
2		सिलतरा मुख्यालय	9171879112
3		33/11 के.व्ही. सबस्टेशन सिलतरा	9165548393
4		33/11 के.व्ही. सबस्टेशन धनेली	9165548393
5		जी.के.टाउनशिप सबस्टेशन	9752457909
6		33/11 के.व्ही. सबस्टेशन कुम्हारी	6260469720
1	(संचा–संधा.) संभाग उरला	एफ.ओ.सी.भनपुरी (स्थायी)	7693074788
2		33/11 के.व्ही. सब स्टेशन भनपुरी	9893634690, 9171878466
3		बीरगांव बस्ती (गुप्ता स्वीट्स के पास)	9926532180,
4		उरला बस्ती (33/11 के.व्ही. सब स्टेशन उरला)	9171878469, 7000987770
5		33/11 के.व्ही. सब स्टेशन ट्रांसपोर्ट नगर	8109804794, 9329418179
6		33/11 के.व्ही. सब स्टेशन सरोरा (बजरंग पावर उरला)	9171878494, 9399131644

(महेश कुमार ठाकुर–9511023)
अधीक्षण अभियंता-(न.वृत्त–दो)
छ.ग.स्टे.पा.डि.कं. लि. रायपुर

S-49755/3

डकवर्थ लुईस प्रणाली से भारत ने न्यूजीलैंड को 4 रन से हराया, सीरीज में 2-0 की बढ़त

बारिश में भी नहीं धुला भारत का जीत का रंग

एजेंसी ▶▶| वेलिंगटन

सितारों से सजे भारतीय बल्लेबाजी क्रम की शुरुआती नाकामी के बाद केएल राहुल की संयमित पारी के दम पर भारत ने वर्षाबाधित दूसरे वनडे में शनिवार को न्यूजीलैंड को डकवर्थ लुईस प्रणाली के आधार पर 4 रन से हरा दिया। अब भारत 5 मैचों की श्रृंखला में 2-0 से आगे है। तीसरा मैच मंगलवार को हैमिल्टन में खेला जाएगा।

जीत के लिए 47 ओवर में 135 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए भारत ने 26 ओवर में 7 विकेट 113 रन पर गंवा दिए थे, जब बारिश शुरू हो गई। उस समय डकवर्थ लुईस प्रणाली के आधार पर भारत को 109 रन की जरुरत थी। भारत ने अपने तेज गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन की मदद से न्यूजीलैंड को 41 ओवर में 134 रन पर समेट दिया।

भारतीय गेंदबाजों ने फेंकी 176 डॉट गेंदें

आकिब नबी ने 7 ओवर में 31 रन देकर 2 विकेट लिए जबकि अंशुल कम्बोज ने 8 ओवर में 25 रन देकर 2 विकेट चटकाए । वहीं बराड़ ने 10 ओवर में 30 रन देकर 4 विकेट लिए, जो उनके कैरियर का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। उन्होंने शॉर्ट गेंदों का बखूबी इस्तेमाल करके मेजबान मध्यक्रम की कमर तोड़ दी। अर्शदीप सिंह ने 7 ओवर में 16 रन दिए लेकिन उन्हें विकेट नहीं मिली। उन्होंने हालांकि बेहद अनुशासित और सटीक गेंदबाजी करके दबाव बनाया। भारतीय गेंदबाजों ने 176 डॉट गेंदें फेंकी।

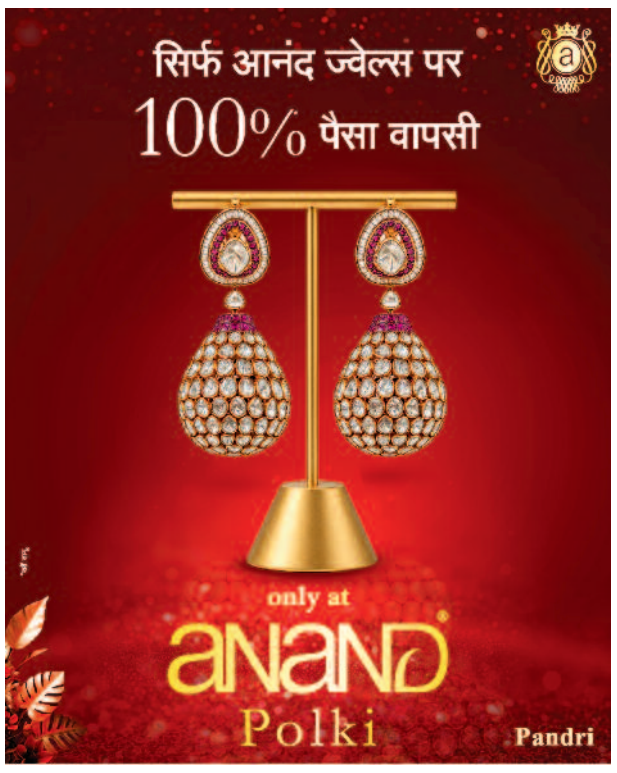

रोहित ने तोड़ा अफरीदी का वर्ल्ड रिकॉर्ड

रोहित शर्मा ने कीवी टीम के खिलाफ दूसरे वनडे मैच में 2 छक्के लगाए और वो वनडे में इस टीम के खिलाफ सबसे ज्यादा छक्के जड़ने वाले बल्लेबाज बन गए और शाहिद अफरीदी का वर्ल्ड रिकॉर्ड तोड़ दिया। शाहिद अफरीदी ने न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे में कुल 50 छक्के अपने करियर के दौरान लगाए थे, लेकिन रोहित ने 51 छक्के लगाते हुए उन्हें पीछे छोड़ दिया और लिस्ट में टॉप पर पहुंच गए जबकि शाहिद अफरीदी अब दूसरे नंबर पर आ गए।

जूझते नजर आए विल यंग

इससे पहले गिल ने टॉस जीतकर गेंदबाजी का सही फैसला लिया। बारिश और मौसम को देखते हुए मैच प्रति टीम 47 ओवर का कर दिया गया था। नबी ने सबसे पहले टिम सीफर्ट (0) का विकेट लिया। मिडविकेट पर खड़े कम्बोज ने सामने की ओर डाइव लगाकर कैच पकड़ा और नबी को उनका पहला अंतरराष्ट्रीय विकेट दिलाया। विल यंग ने 17 गेंद में 6 रन बनाए और वह जूझते ही नजर आए। आफ स्टम्प पर पड़ती गेंद पर बल्ला अड़ाकर वह विकेट के पीछे केएल राहुल को कैच देकर लौटे। हेनरी निकोल्स 26 गेंद में 11 रन बनाकर नौवें ओवर में कम्बोज की गेंद पर बोल्ड हुए।

जीरो पर आउट हुए गिल

जवाब में कप्तान शुभमन गिल पहली ही गेंद पर जैकब डफी का शिकार हुए और खाता खोले बिना स्लिप में कैच दे बैठे। डफी ने विराट कोहली (7) को भी पवेलियन भेजा। रोहित शर्मा ने 28 गेंद में 23 रन बनाए लेकिन सीम का सामना करने में सहज नहीं दिखे। अक्षर पटेल (7) और श्रेयस अय्यर (30) शॉर्ट गेंदों पर विकेट गंवा बैठे। वहीं पहली 20 में से 18 डॉट गेंद खेलने वाले राहुल ने अपना संयम बनाए रखा और डफी को छक्का लगाकर टीम को सौ रन के पार पहुंचाया। राहुल ने 38 गेंद में 26 रन बनाए।

17 साल के विकल्प को मिली छत्तीसगढ़ की कप्तानी

एजेंसी ▶▶| रायपुर

सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी के लिए छत्तीसगढ़ ने स्क्वॉड का ऐलान किया और 17 साल के विकल्प तिवारी को कमान दी है। विकल्प ने अभी तक सीनियर लेवल पर कोई टी20 मुकाबला नहीं खेला है फिर भी उनके नेतृत्व में टीम चुनी गई है। हालांकि विकल्प ने छत्तीसगढ़ क्रिकेट प्रीमियर लीग में हिस्सा लिया है और यहां पर कमाल किया है। यही वजह है कि उनको नेतृत्व दिया गया है। वे सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी 2026 में वैभव सूर्यवंशी के बाद दूसरे नौजवान कप्तान होंगे। 15 साल के वैभव बिहार की पहले दो मैचों में कमान संभालेंगे।



मिडिल ऑर्डर में बैटिंग करते हैं

राजनांदगांव के विकल्प बाएं हाथ के बल्लेबाज हैं और मिडिल ऑर्डर में बैटिंग करते हैं। विकल्प ने इसी साल फर्स्ट क्लास डेब्यू किया था तो पिछले विजय हजारे ट्रॉफी से उनका लिस्ट ए में पदार्पण हुआ था। वे अभी तक छह फर्स्ट क्लास और इतने ही लिस्ट ए मैच खेल चुके हैं।

PRADIKSHA HERBAL
दर्द अनेक, उपचार एक!
प्रदिक्षा आर्थो ऑयल



घुटने का दर्द, साइटिका, गाठिया, हड्डियों का दर्द, मांसपेशियों में सूजन, जकड़न, आमवात, संधिवात और मोच में भी लाभदायक एक बार अवश्य आजमायें।
Custmer Care - 9112637000, 9823286830

अल्काराज के वार से फ्रिट्ज का टूटा सपना

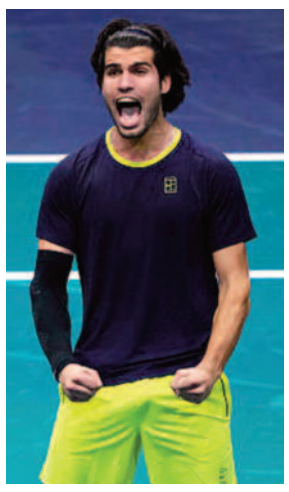

एजेंसी ▶▶| पेरिस

कार्लोस अल्काराज ने टेलर फ्रिट्ज को 6-7 (10), 7-5, 6-3 से हराकर पेरिस मास्टर्स के सेमीफाइनल में जगह बना ली। अल्काराज की जीत ने फ्रिट्ज की एटीपी फाइनल्स के लिए क्वालीफाई करने की उम्मीदों को खत्म कर दिया और इसके बजाय यह पक्का कर दिया कि उनके देश के राफेल जोडार साल के आखिर में होने वाले टूर्नामेंट के लिए आखिरी जगह पक्की कर लें। अल्काराज ने फ्रिट्ज के खिलाफ मैच में जबरदस्त वापसी करते हुए सीजन के अपने तीसरे एटीपी मास्टर्स 1000 सेमीफाइनल में पहुंच गए। वह मैच में 36-7 (10) और 3-5 से पीछे थे और अपनी सर्व पर एक मैच पॉइंट का सामना कर रहे थे, इससे पहले कि उन्होंने एक शानदार पॉइंट जीतकर स्कोर 4-5 कर दिया। इसके बाद अल्काराज को अगले गेम में फ्रिट्ज की सर्व पर एक मैच पॉइंट बचाना पड़ा, इससे पहले कि वह उन्हें 5-5 से बराबर कर पाते। अल्काराज ने तब अपना गेम बेहतर किया जब यह सबसे ज्यादा जरूरी था, क्योंकि उन्होंने अगले दो गेम जीतकर डिसाइडर में चीजें अपने नाम कीं।

चेन्नई ओपन : वैष्णवी रुतुजा ने रचा इतिहास

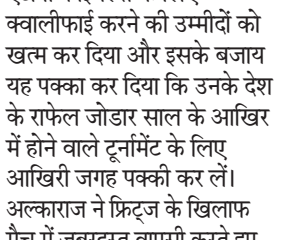

चेन्नई। वैष्णवी अडकर और रुतुजा भोसले ने डब्ल्यूटीए टूर स्तर के किसी टूर्नामेंट के युगल फाइनल में पहुंचने वाली पहली भारतीय जोड़ी बनकर इतिहास रच दिया। उन्होंने चेन्नई ओपन टेनिस टूर्नामेंट के रोमांचक सेमीफाइनल में पोलैंड की वेरोनिका फाल्कोव्स्का और अमेरिका की अलाना स्मिथ की दूसरी वरीयता प्राप्त जोड़ी को 6-2 2-6 10-8 से हराया। भारतीय जोड़ी पहला सेट आसानी से जीतने के बाद दूसरे सेट में लड़खड़ा गई लेकिन उन्होंने निर्णायक सुपर टाई-ब्रेक में संयम बनाए रखा और जीत हासिल की।

HDFC BANK एचडीएफसी बैंक लि.
पंजीकृत कार्यालय, एचडीएफसी बैंक हाउस, सेनापति बापट मार्ग, लोअर परेल (पश्चिम), मुंबई - 400013
रायपुर शाखा : एचडीएफसी बैंक लिमिटेड, तीसरी मंजिल, साई नगर, देवेन्द्र नगर, रायपुर-492001

आधिपत्य सूचना

अधिनियम की धारा 13 (4) के साथ प्रतिभूति हित प्रवर्तन नियम, 2002 के नियम 8 के अंतर्गत
जबकि, अधोहस्ताक्षरकर्ता ने एचडीएफसी बैंक लि. रुरल बैंकिंग ग्रुप, द्वितीय मंजिल, जेनिथ हाउस, केशवराव खाये मार्ग, महालक्ष्मी, मुम्बई-400034, का प्राधिकृत अधिकारी होते हुए वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण एवं पुर्नगठन और प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम 2002 और प्रतिभूति हित प्रवर्तन नियम 2002 का सपठित नियम 13 (2) के नियम 9 के तहत प्रदत्त शक्तियों के अनुप्रयोग में ऋणी(यों) श्रीमती राज लक्ष्मी ध्रुव पति दीप कुमार ध्रुव एवं अन्य (ऋण खाता नंबर 50200077291274, 50200077295579, 50200077298960 को मंगनी करते हुए मांग सूचना पत्र दिनांक 07/08/2026 उक्त सूचना पत्र की प्राप्ति दिनांक से 60 दिनों के भीतर रुपये 86,48,530.18/- (रुपये छियासी लाख अड़तालीस हजार पाँच सौ तीस रुपये और अठारह पैसे मात्र) भावी ब्याज एवं पेनल ब्याज, अन्य चार्जेस लागत एवं अन्य के साथ सूचना पत्र में उल्लेखित राशि को लौटाने के लिए निर्गमित किया।
ऋणी(यों) के यह राशि लौटाने में विफल होने पर ऋणी(यों) और सर्वसाधारण को एतद् द्वारा सूचना-पत्र दिया जाता है कि अधोहस्ताक्षरकर्ता ने उक्त अधिनियम की धारा 13(4) सपठित उक्त नियम के नियम 8 के तहत उसको प्रदत्त शक्तियों के अनुप्रयोग में एतस्मिन नीचे वर्णित सम्पत्ति का सांकेतिक आधिपत्य दिनांक 06/11/2026 को ग्रहण कर लिया है।
ऋणी को विशेषत: एवं सर्वसाधारण को सामान्यत: एतद् द्वारा सम्पत्ति के साथ व्यवहार नहीं करने की चेतावनी दी जाती है और सम्पत्ति के साथ कोई व्यवहार रुपये 86,48,530.18/- (रुपये छियासी लाख अड़तालीस हजार पाँच सौ तीस रुपये और अठारह पैसे मात्र) तक एवं उस पर ब्याज, व्यय एवं खर्चो सहित राशि के लिए एचडीएफसी बैंक लि. के प्रभार के अधीन होगा।

अचल संपत्ति का विवरण

प्रतिभूति: बैंक फाइनें स से सृजित कृषि भूमि और अन्य परिसंपत्तियों का हाइपोथिकेशन
संपत्ति स्वामी: श्रीमती राज लक्ष्मी ध्रुव पति दीप कुमार ध्रुव, प्रकार /स्वरूप: रहवासी संपत्ति,
संपत्ति पता: रहवासी संपत्ति के समस्त एवं संपूर्ण भाग, परिवर्तित भूमि खसरा नं. 190/41, क्षेत्रफल 2211 वर्ग फीट, वार्ड नं. 53, रिंग रोड नं. 1, पचपेड़ी नाका, गोल्डन मार्बल गली, लक्ष्मी नगर प्राइस कॉलोनी, रायपुर, छत्तीसगढ़- 492001, चतु:सीमाएं : उत्तर: अन्य की भूमि, दक्षिण: अन्य की भूमि, पूर्व: अनिर्मित रोड (कच्चा रोड), पश्चिम: श्रीमती सरला बाई शर्मा की भूमि

स. क्र.	मालिक का नाम	प्रकार/ प्रकृति	संपत्ति का पता
1.	श्रीमती राज लक्ष्मी ध्रुव पति दीप कुमार ध्रुव	रहवासी संपत्ति	परिवर्तित भूमि खसरा नं. 190/41, क्षेत्रफल 2211 वर्ग फीट, वार्ड नं. 53, रिंग रोड नं. 1, पचपेड़ी नाका, गोल्डन मार्बल गली, लक्ष्मी नगर प्राइस कॉलोनी, रायपुर, छत्तीसगढ़ - 492001

दिनांक : 06/11/2026
स्थान : छत्तीसगढ़
एचडीएफसी बैंक लि.
रमेश साहु, प्राधिकृत अधिकारी

केनरा बैंक Canara Bank
शाखा: नारायणपुर (डीपी: 5425)
PH: 91-9425591679, E-MAIL: cb5425@canarabank.com

स्वर्ण नीलामी सूचना

नीचे दिए गए व्यक्तियों को सूचित किया जाता है कि कई नोटिस दिए जाने के बावजूद, उन्होंने अपने लोन खातों की बकाया राशि का भुगतान नहीं किया है। इसलिए, उनसे अनुरोध है कि वे बकाया राशि और अन्य शुल्कों का भुगतान करें और गिरवी रखी गई संपत्तियों (सोने के आभूषण) को 26/11/2026 (तारीख) तक या उससे पहले छुड़ा लें। यदि वे ऐसा नहीं करते हैं, तो बैंक अपनी प्रक्रिया के अनुसार, इन संपत्तियों को सार्वजनिक नीलामी में बेच देगा। यह नीलामी 27/11/2026 को दोपहर 12:00 बजे से दोपहर 03:00 बजे के बीच केनरा बैंक शाखा नारायणपुर परिसर में होगी। बैंक के पास यह अधिकार होगा कि वह बिना किसी अतिरिक्त नोटिस के, इस तारीख को या उसके बाद अपनी सुविधानुसार किसी अन्य तारीख पर यह नीलामी आयोजित करे। नीलामी से जुड़ी लागत का भार ऋणी पर ही होगा।

ऋणी की तिथि/ ऋण खाता सं.	ऋण लेने वाले का नाम एवं पता	कुल वजन एवं शुद्ध वजन	ईएमडी खाते का विवरण	देय राशि	शाखा/संपर्क नं. एवं ईमेल आईडी
24/02/2026 164128034632	श्रीमती ओकेश्वरी सूर्यवंशी C/o. तुलेश्वर सूर्यवंशी, निवास- गोटुलपारा, बकुलवाही, नारायणपुर, छत्तीसगढ़-494661.	7.88 ग्राम 5.64 ग्राम	209272434 IFSC CODE: CNRB0005425	₹ 54,479/- 05/11/2026 पर + भविष्य का ब्याज, लागत एवं खर्च आदि।	Narayanpur Branch Mob. 9425591679 Email cb5425@canarabank.com

सोने के आभूषणों की नीलामी पूरी तरह से "जैसी है, जहाँ है" और "जो कुछ भी है" के आधार पर होगी, और इसमें किसी भी तरह के दावे या वापसी की गुंजाइश नहीं होगी। नीलामी के लिए आभूषणों का चयन पूरी तरह से बैंक के विवेक पर निर्भर करेगा। सफल बोलीदाता को बिक्री मूल्य के अतिरिक्त GST का भुगतान करना होगा। इच्छुक बोलीदाता विस्तृत नियमों और शर्तों या अधिक जानकारी के लिए नारायणपुर शाखा के शाखा प्रबंधक से मोबाइल नंबर 91-9425591679 पर संपर्क कर सकते हैं। नोट: रिजर्व प्राइस नीलामी की तारीख पर IBJA वेबसाइट पर दिए गए 22 कैरेट सोने के रेट के आधार पर तय किया जाएगा।

दिनांक: 07.11.2026, स्थान: नारायणपुर (छ.ग.)
हस्ताक्षर/ शाखा प्रबंधक

यूनियन बैंक ऑफ इंडिया Union Bank of India
A Government of India Undertaking
क्षेत्रीय कार्यालय- रायपुर, प्लॉट नं. 71, सेक्टर- 24 अटल नगर, नया रायपुर, रायपुर, छत्तीसगढ़-492018
परिशिष्ट-IV ए [नियम 6(8) के परंतुक को देखें]
अचल संपत्ति की विक्रय हेतु बिक्री सूचना

ई-नीलामी बिक्री सूचना: बैंक में बंधक रखे अचल संपत्तियों का, वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्गठन और प्रतिभूति-हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 के तहत, प्रतिभूति-हित प्रवर्तन अधिनियम 2002 के सहपठित धारा 8 (6) के तहत विक्रय किया जाना है।

सर्वसाधारण, विशेष रुप से ऋणी एवं जमानतदारों को सूचित किया जाता है कि नीचे वर्णित अचल संपत्ति जिनका यूनियन बैंक ऑफ इंडिया के प्राधिकृत अधिकारी ने सांकेतिक/भौतिक कब्जा लिया है, "जैसा है, जहां है और जैसा है, जो है" के आधार पर दिनांक 10/12/2026 समय (प्रातः 12.00 बजे से शाम 5.00 बजे तक) पर नीलाम किया जावेगा, जिसका विवरण नीचे दिए अनुसार है। आरक्षित मूल्य एवं बयाना राशि संपत्ति के विरुद्ध नीचे दर्शाये गये तालिका में उल्लेख किया गया है।

क्र.	उधारकर्ता एवं जमानतदार/शाखा का नाम	सपत्तियों का विवरण	बकाया राशि (रु.)	आरक्षित मूल्य अमानत राशि बोली वृद्धि राशि
01	मृतक- अभिषेक अरुण कुमार दुबे की संपत्ति, प्रतिनिधित्व: शिखा दुबे पति- अभिषेक दुबे शाखा - राजनांदगांव मुख्य	प्लॉट नं. जे-121 एवं जे-122, जनता नगर (बक्सी नगर) हाउसिंग कॉलोनी, लखोली नाका के पास, राजनांदगांव, तहसील व जिला राजनांदगांव (छ.ग.) क्षेत्रफल 83.88 वर्ग मीटर, यानी 902.54 वर्ग फुट में स्थित संपत्ति।	₹ 15,88,665.62 + 31/10/2025 से ब्याज + कानूनी और अन्य शुल्क	₹ 26.00 लाख ₹ 2.60 लाख ₹ 0.26 लाख

उपरोक्त संपतियों पर ऋणभार का विवरण, जैसा कि बैंक को ज्ञात है - ज्ञात नहीं है।

ई-नीलामी की तिथि व समय: 10/12/2026, सुबह 12.00 बजे से शाम 5.00 बजे तक।

पंजीकरण, लॉगिन एवं बोली नियमों के लिए देखें ऑनलाइन ई-नीलामी वेब पोर्टल/वेबसाइट https://baanknet.in के माध्यम से आयोजित की जाएगी, किसी भी विस्तृत पूछताछ के लिए कृपया संपर्क करें: क्र. 01 के लिए: श्री कौशिक मिश्रा/ मोबा. 8528201355.

उधारकर्ताओं और गारंटरों को सुरक्षा हित (प्रवर्तन) नियम 2002 के नियम 8(6) और नियम 9(1) के तहत वैधानिक 30 दिनों की बिक्री नोटिस के रूप में भी माना जा सकता है।

दिनांक: 08.11.2026, प्राधिकृत अधिकारी, यूनियन बैंक ऑफ इंडिया

यूनियन बैंक ऑफ इंडिया Union Bank of India
A Government of India Undertaking
क्षेत्रीय कार्यालय- रायपुर, प्लॉट नं. 71, सेक्टर- 24 अटल नगर, नया रायपुर, रायपुर, छत्तीसगढ़-492018
परिशिष्ट-IV ए [नियम 6(8) के परंतुक को देखें]
अचल संपत्ति की विक्रय हेतु बिक्री सूचना

ई-नीलामी बिक्री सूचना: बैंक में बंधक रखे अचल संपत्तियों का, वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्गठन और प्रतिभूति-हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 के तहत, प्रतिभूति-हित प्रवर्तन अधिनियम 2002 के सहपठित धारा 8 (6) के तहत विक्रय किया जाना है।

सर्वसाधारण, विशेष रुप से ऋणी एवं जमानतदारों को सूचित किया जाता है कि नीचे वर्णित अचल संपत्ति जिनका यूनियन बैंक ऑफ इंडिया के प्राधिकृत अधिकारी ने सांकेतिक/भौतिक कब्जा लिया है, "जैसा है, जहां है और जैसा है, जो है" के आधार पर दिनांक 26.11.2026, समय (दोपहर 12.00 बजे से शाम 5.00 बजे तक) पर नीलाम किया जावेगा, जिसका विवरण नीचे दिए अनुसार है। आरक्षित मूल्य एवं बयाना राशि संपत्ति के विरुद्ध नीचे दर्शाये गये तालिका में उल्लेख किया गया है।

क्र.	उधारकर्ता एवं जमानतदार/शाखा का नाम	सपत्तियों का विवरण	बकाया राशि (रु.)	आरक्षित मूल्य अमानत राशि बोली वृद्धि राशि
01	1. श्री दवेन्द्र पाल सिंह कांडा पुत्र इंद्रजीत सिंह कांडा, 2. श्री इंद्रजीत सिंह कांडा पुत्र स्व. सुच्चा सिंह कांडा, 3. श्रीमती रणजीत कौर कांडा पत्नी श्री इंद्रजीत सिंह कांडा. शाखा: सिविक सेंटर भिलाई	स्वामित्व- श्री इंद्रजीत सिंह कांडा पिता- स्व. सुच्चा सिंह कांडा एवं श्रीमती रणजीत कौर कांडा पति- श्री इंद्रजीत सिंह कांडा, तरूण टॉकीज के पास, संतरा बाड़ी, वार्ड नं. 26, जिला- दुर्ग, छ.ग, क्षेत्रफल- 1102 वर्ग फीट में स्थित आवासीय प्लॉट मकान नं. 185.	₹ 26,10,000.00 + 01.04.2024 से ब्याज + कानूनी और अन्य शुल्क	₹ 36.00 lacs ₹ 3.60 lacs ₹ 0.36 lacs
02	श्री विनय खत्री, श्री सुनील पंजवानी (गारंटर) पुत्र श्री चिमन लाल/ दुर्ग शाखा	सर्वे नंबर: ख. नं. 1267/73, प.ह.नं.-16/24, गजानन मंदिर के पीछे, विजय नगर, तह-दुर्ग, जिला-दुर्ग, कुल क्षेत्रफल 667.50 वर्गफीट में स्थित आवासीय मकान।	₹ 14,15,000.00 + 01.01.2024 से ब्याज + कानूनी और अन्य शुल्क	₹ 13.00 लाख ₹ 1.30 लाख ₹ 0.13 लाख
03	राम अवतार शर्मा एवं प्रभा शर्मा शाखा: समता कालोनी	प्रभा शर्मा पति- राम अवतार शर्मा के नाम पर खसरा नं. 363/1, 364/1, 365/1, पीसी नं. 110/40, गोल्डन ग्लोरी अपार्टमेंट की 5वीं मंजिल, शंकर नगर, वार्ड नं. 29, रायपुर, क्षेत्रफल- 1455 वर्गफीट में स्थित आवासीय फ्लैट नं. बी/504 के समस्त भाग व अंश।	₹ 44,82,000.00 + 01.04.2024 से ब्याज + कानूनी और अन्य शुल्क	₹ 35.12 लाख ₹ 3.52 लाख ₹ 0.36 लाख
04	मेसर्स छाया इन्टरप्राईजेस, प्रोप- नितेश महोबिया एवं श्रीमती छाया देवी महोबिया/ कांकेर शाखा	अभिन्यास नं. 378/17, शीट नं. 5सी, संजय नगर, फॉरेस्ट ऑफिस के पीछे, कांकेर-494334, क्षेत्रफल- 817.76 वर्ग फीट में स्थित नजुल भूमि प्लॉट नं. ½.	₹ 14,20,000.00 + 31.08.2024 से ब्याज + कानूनी और अन्य शुल्क	₹ 13.00 लाख ₹ 1.30 लाख ₹ 0.13 लाख
05	मेसर्स मां कपड़ा दुकान प्रोप-श्री टीकम साहू, ऋणी- श्री टीकम साहू सह-ऋणी- श्री भागवत साहू, सह-आवेदक- श्रीमती भारती साहू पति श्री टीकम साहू शाखा: राजीम	1. (ख. नं. 42/1 का भाग) क्षेत्रफल 827 वर्ग फीट वार्ड नं. 7 महामाया वार्ड, साहू पारा राजिम, गरियाबंद - संपत्ति के स्वामी- श्री टीकम साहू एवं श्री भागवत साहू। 2. (ख नं. 42/1 का भाग) क्षेत्रफल 684 वर्ग फीट वार्ड नं. 6 भामाशाह वार्ड, साहू पारा राजिम, गरियाबंद - संपत्ति के स्वामी- श्री टीकम साहू एवं श्री भागवत साहू	₹ 26,31,614.00 + 01.04.2021 से ब्याज + कानूनी और अन्य शुल्क	₹ 16.00 लाख ₹ 1.60 लाख ₹ 0.16 लाख ₹ 11.00 लाख ₹ 1.10 लाख ₹ 0.11 लाख

उपरोक्त संपतियों पर ऋणभार का विवरण, जैसा कि बैंक को ज्ञात है - ज्ञात नहीं है।

ई-नीलामी की तिथि व समय: 26/11/2026, सुबह 11.00 बजे से शाम 5.00 बजे तक।

पंजीकरण, लॉगिन एवं बोली नियमों के लिए देखें ऑनलाइन ई-नीलामी वेब पोर्टल/वेबसाइट http://www.baanknet.in के माध्यम से आयोजित की जाएगी, किसी भी विस्तृत पूछताछ के लिए कृपया संपर्क करें: क्र. 01 के लिए: श्री सुजीत कुमार/ मो. 7022656463, क्र. 2: श्री शंभु कश्यप/मो. 9098931547, क्र. 3: श्री जितेन्द्र नायक/मो. 7250567881. क्र. 4 व 5 के लिए: श्री गौरव मिश्रा/मो. 7800002186.

उधारकर्ताओं और गारंटरों को सुरक्षा हित (प्रवर्तन) नियम 2002 के नियम 8(6) और नियम 9(1) के तहत वैधानिक 15 दिनों की बिक्री नोटिस के रूप में भी माना जा सकता है।

दिनांक: 08.11.2026, प्राधिकृत अधिकारी, यूनियन बैंक ऑफ इंडिया

pnb पंजाब नैशनल बैंक
सीओ-एसएएम, रायपुर (छ.ग.)

ई-नीलामी तिथि - 26/11/2026
समय: सुबह 11.00 बजे से शाम 4.00 बजे तक

सरफेसी अधिनियम 2002 (2002 का अधिनियम 54) के अन्तर्गत बैंक में बंधक रखी गई अचल संपत्ति की बिक्री
APPENDIX-IV-A [See proviso to rule 8(6)]

वित्तीय अस्तियों के प्रतिभूतिकरण व पूर्ननिर्माण तथा सुरक्षा हित प्रवर्तन अधिनियम 2002 के अचल संपत्तियों की ई-निलामी सूचना सुरक्षा हित (प्रवर्तन) नियम, 2002 के नियम 8(6) के तहत जारी की जा रही है। इस सूचना के द्वारा उधारकर्ताओं, जमानतदाताओं तथा आम जनता को सूचित किया जाता है। कि नीचे वर्णित अचल संपत्तियाँ सुरक्षित लेनदार के पास बंधक है एवं इन संपत्तियों को बैंक के प्रधिकृत अधिकारी द्वारा रचनात्मक/भौतिक /सांकेतिक द्वारा अधिकार में ले लिया गया है। इन संपत्तियो की विक्रय "जहाँ है जैसा है" "जो भी है जैसा भी है" नीचे दिये कॉलामो में वर्णित तिथि में बैंक/सुरक्षित लेनदार के देय राशि उधारकर्ताओं तथा जमानतदारो से वसुली के लिए किया जा रहे है। आरक्षित मूल्य तथा ब्याना राशि नीचे तालिका में संपत्तियों के समस्त दर्शाई गई है।

सुरक्षित संपत्तियों की अनुसुची

क्र.	खाताधारक का नाम / उधारकर्ता / जमानतदार का नाम व पता / शाखा का नाम	बंधक वल/अचल संपत्तियों का विवरण / मालिक का नाम	1) 13(2) के तहत डिमांड नोटिस की तिथि 2) बकाया राशि 3) कब्जा तिथि सरफेसी एक्ट 2002 के नियम 13(4) के तहत 4) कब्जा की प्रकृति	आरक्षित मूल्य (लाख में) / ईएमडी (लाख में) / बोली वृद्धि राशि-10000/- प्रत्येक संपत्ति के लिये
1	उधारकर्ता: श्री एडविन फर्नांडीज, सह-उधारकर्ता: श्री लुईस फर्नांडीज, पता - रायपुर कॉन्वेंट स्कूल के पास, शिवानंद नगर, सेक्टर 1, खमतराई, रायपुर, छत्तीसगढ़- 492001, शाखा - सुंदर नगर, रायपुर (164010), संपर्क: श्री अजय कुमार पटेल, 9425017828	आवासीय मकान - खसरा नं 597/2, 598/2 (भाग), पीसी नं 108/38, विनायक गार्डन, ब्लॉक 65, मौजा - शिवानंद नगर, सेक्टर 3, यतियातन वार्ड नं 4, गोंदवारा, रायपुर, छत्तीसगढ़ में क्षेत्रफल- 800 वर्गफुट पर स्थित संपत्ति, मालिकाना हक- श्री एडविन फर्नांडीज पिता श्री लुइस फर्नांडीज। सीमाएं:- उत्तर: विक्रेता की शेष भूमि, दक्षिण: विक्रेता की शेष भूमि, पूर्व: सड़क, पश्चिम: विक्रेता की शेष भूमि. भौगोलिक निर्देशांक - 21.274860,81.625635	1) 07/08/2021 2) रू 15,13,400.40 + दिनांक 07-08-2021 से ब्याज प्रभावी 3) 10-01-22 को सांकेतिक कब्जा	रू 15.81 लाख / रू 1.59 लाख
2	उधारकर्ताओं: श्रीमती पुष्पा राठौड़ पति श्री ललित राठौड़ एवं श्री राहुल राठौड़ पिता श्री ललित राठौड़, दोनों का पता - पीएवी प्रोविजन स्टोर्स के पास, शिवानंद नगर, सेक्टर -1, नीम बद्री, रायपुर कॉन्वेंट स्कूल के पास, खमतराई, रायपुर (छ.ग), 492001, शाखा - सुन्दर नगर,रायपुर (164010). संपर्क: श्री अंजय कुमार पटेल, 9425017828	आवासीय संपत्ति - खसरा नं 435/15 (भाग), मौज़ा- खमतराई, प.ह नं 108/38, वार्ड नं 07, वीर शिवाजी वार्ड, सेक्टर-1, शिवानंद नगर, आर.आई.सी.- रायपुर (छ.ग.) में क्षेत्रफल- 1000 वर्ग फुट पर स्थित अचल संपत्ति, मालिकाना हक - श्रीमती पुष्पा राठौर पति श्री ललित राठौर। सीमाएँ: उत्तर: सड़क, दक्षिण: अन्य का मकान, पूर्व: देवांगन का मकान, पश्चिम: अन्य का मकान। भौगोलिक निर्देशांक - 21.276278, 81.631752	1) 18.09.2021 2) रू 6,38,998.86 + दिनांक 31.03.2021 से ब्याज प्रभावी 3)18.04.22 को सांकेतिक कब्जा	रू 22.46 लाख / रू 2.25 लाख
3	उधारकर्ताओं: 1) श्री संतोष कुमार सोनी पिता श्री बसंत सोनी, 2) श्रीमती सरिता सोनी पति श्री संतोष सोनी, दोनों का पता: मकान नंबर 7/225, सुक्रवारी बाजार, शशिकला स्कूल के पास, गुढ़ियारी रायपुर- 492011. शाखा कार्यालय: बूढ़ापारा, रायपुर (092620), संपर्क करें- श्री वीरेंद्र सिंह, 9770063202	आवासीय प्लॉट एवं मकान - खसरा नंबर 139/2 (भाग), खाता नंबर 125, प.ह नंबर 108/38, तहसील व जिला - रायपुर छ.ग में डाइवर्टेड ज़मीन पर , क्षेत्रफल - 600 वर्ग फुट जिसमें दूसरी मंजिल पर 500 वर्ग फुट पर मकान बना हुआ है, भनपुरी, रामेश्वर नगर (बंजारी माता वार्ड नंबर 5) पर स्थित संपत्ति, मालिकाना हक- श्री संतोष कुमार सोनी पिता श्री बसंत कुमार सोनी	1) 15.04.2023 2) रू 11,85,929.00 + दिनांक 31.03.2023 से ब्याज प्रभावी 3) 19.07.24 को सांकेतिक कब्जा	रू 13.82 लाख / रू 1.38 लाख
4	उधारकर्ता: 1. श्रीमती पुष्पा मेश्राम पति स्वर्गीय श्री रवीन्द्र मेश्राम, 2. श्री रोहित मेश्राम पिता स्वर्गीय श्री रवीन्द्र मेश्राम, पता: निवासी वार्ड नं. 12, शंकर नगर, जागृति चौक, दुर्ग, 491001, शाखा कार्यालय: बोरसी (205910), संपर्क: अंजेलिना कुजूर, 8210197217	आवासीय भूमि एवं भवन - खसरा नंबर 1227/167 का भाग, मौजा: दुर्ग खास, शंकर नगर, प.ह नंबर 16/24, आर.आई.सी: दुर्ग-1, तहसील/ज़िला: दुर्ग, छत्तीसगढ़ में क्षेत्रफल: 377 वर्ग फुट पर स्थित संपत्ति, मालिकाना हक - श्रीमती पुष्पा मेश्राम पति स्वर्गीय श्री रविंद्र मेश्राम । सीमाएं :- उत्तर - सरावते का मकान, दक्षिण - देवांगन का मकान, पूर्व - 10 फुट चौड़ी सड़क , पश्चिम - नेमा का मकान।	1) 07.12.2022 2) रू 5,30,218.00 + दिनांक 06.12.2022 से ब्याज प्रभावी 3) 28.06.24 को सांकेतिक कब्जा	रू 10.67 लाख / रू 1.07 लाख
5	उधारकर्ता: जावेद अहमद खान पिता अब्दुल हामिद, श्रीमती शमसुन निशा पति जावेद अहमद खान, दोनों का पता: खान किराना के पास, पूजारी स्कूल के सामने, राजा तालाब, रायपुर, छ.ग. शाखा कार्यालय: देवेन्द्र नगर (748400), संपर्क: अमित कुमार पांडे, 9425886925	मकान नंबर 31/1131, प्लॉट नंबर 28, शीट नंबर 32, खसरा नंबर 436/2, 438/28, 441, मौज़ा – पांडुतराई (गोरखा कॉलोनी), प.ह नंबर 109, वार्ड नंबर 31, शंकर नगर वार्ड, आरएनएम रायपुर 1, तहसील / ज़िला – रायपुर (छत्तीसगढ़) में क्षेत्रफल - 710 वर्ग फ़ीट पर स्थित भूमि एवं भवन का समस्त भाग तथा अंश, मालिकाना हक- जावेद अहमद खान पिता अब्दुल हामिद । सीमाएँ :- उत्तर- अन्य का मकान, दक्षिण- सड़क, पूर्व- खुली भूमि, पश्चिम - राम बहादु

MARUTI SUZUKI

NEXA

THIS DIWALI,
BRING HOME YOUR e VITARA.

Limited Period Offers Await.



NOW WITH FREE HOME CHARGER

e VITARA
India goes electric



543 km RANGE#

BaaS price
₹10.99 LAKH**
Battery EMI @ ₹3.99/km

₹80 000*
WORTH OF BENEFITS
₹30 000 Exchange Bonus
+ Free Home Charger Worth ₹50 000

NEXA edge
60% ASSURED BUYBACK AFTER 3 YEARS
8 YEARS WARRANTY
• BATTERY: 8 YEARS
• VEHICLE: 3+5(PAID) YEARS

SCAN TO CONNECT TO A SHOWROOM NEAR YOU

E-BOOK TODAY @ WWW.NEXAEXPERIENCE.COM

Creative Visualisation. Images used are for illustration purposes only. Applicable T&C available at the nearest dealership. #543 km range: Certified range; actual results may vary by driving conditions and usage. Assured buyback plan is available on payment basis with the option of 3 years/45 000 km or 4 years/60 000 km ownership plans (whichever is earlier). The program is offered through an insurance company. e VITARA comes with standard warranty of 3 years or 1 00 000 km (whichever is earlier) with an option of extending the same on payment basis to 5 years or 1 40 000 km (whichever is earlier), and service activated coverage for 6th to 8th year for EV related components. *Offers and their related terms may vary, are subject to availability of stock, and are valid for a limited period. Maruti Suzuki reserves the right to modify, withdraw or discontinue any offer at any time without prior notice. **₹10.99 lakh (ex-showroom) price for e VITARA Delta. Battery EMI: ₹3.99/km (subject to applicable financier terms). Taxes and other applicable statutory charges are extra.

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक अनिल कुमार द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशन्स, टिकरापारा, धमतरी रोड, रायपुर (छत्तीसगढ़)-492001 से मुद्रित एवं हरिभूमि काम्पलेक्स, टिकरापारा, धमतरी रोड, रायपुर (छत्तीसगढ़)-492001 से प्रकाशित। प्रधान संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी, स्थानीय संपादक धनंजय वर्मा, संपादक (समन्वय) ब्रह्मवीर सिंह। RNI No. CHHHIN/2002/07457, फोन : 0771-4242222, e-mail:raipur@haribhoomi.com